



Drishti IAS Presents...

PT

SPRINT 2023

इनफोग्राफिक्स

(मार्च 2022 – मार्च 2023)



Drishti IAS, 641, Mukherjee Nagar,
Opp. Signature View Apartment,
New Delhi

Drishti IAS, 21
Pusa Road, Karol Bagh
New Delhi - 05

Drishti IAS, Tashkent Marg,
Civil Lines, Prayagraj,
Uttar Pradesh

Drishti IAS, Tonk Road,
Vasundhra Colony,
Jaipur, Rajasthan

e-mail: englishsupport@groupdrishti.com, Website: www.drishtias.com

Contact: 011430665089, 7669806814, 8010440440

अनुक्रम

➤ रोगाणुरोधी प्रतिरोध	4	➤ केंद्रीय बजट	32
➤ असर 2022	5	➤ केंद्रीय बजट 2023-24 भाग-A	33
➤ वायुमंडल और इसके संस्तर	6	➤ केंद्रीय बजट 2023-24 भाग-B	34
➤ बौद्ध धर्म	7	➤ वैश्विक खुशहाली रिपोर्ट 2023	35
➤ प्रवाल भित्ति	8	➤ ट्रोस फैडी एसिड (TFA)	36
➤ हिरासत में होने वाली मौतें	9	➤ भारत के शास्त्रीय नृत्य	37
➤ भूकंप	10	➤ भरतनाट्यम (तमिलनाडु)	38
➤ इच्छामृत्यु	11	➤ ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स 2022	39
➤ गौतम बुद्ध	12	➤ मानव विकास रिपोर्ट (HDR)	40
➤ भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी	13	➤ कुचिपुड़ी (आंध्रप्रदेश)	41
➤ मीठी क्रांति	14	➤ लाल बहादुर शास्त्री	42
➤ मानव-वन्यजीव संघर्ष	15	➤ मोहिनीअट्टम (केरल)	43
➤ राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन	16	➤ नियोबैंक	44
➤ विज्ञान में महिलाओं और बालिकाओं का अंतर्राष्ट्रीय दिवस	17	➤ ओडिसी (ओडिशा)	45
➤ जोशीमठ में भू-अवतलन	18	➤ ओपन नेटवर्क फॉर डिटिजल कॉमर्स (ONDC)	46
➤ लाला लाजपतराय	19	➤ ओजोन (O3)	47
➤ लोकसभा अध्यक्ष	20	➤ वायु प्रदूषक	48
➤ नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार (निसार-Nisar)	21	➤ डा. भीमराव रामजी अंबेडकर	49
➤ गैंडा	22	➤ डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम	50
➤ सरोजिनी नायडू	23	➤ अपोलो के परवर्ती मिशन	51
➤ सावित्रीबाई फुले	24	➤ जैवविविधता अभियान य के पक्षकारों का 15वाँ सम्मेलन (CBD COP 15)	52
➤ नेताजी सुभाष चंद्र बोस	25	➤ चीता	53
➤ भारतीय सेना का थिएटराइजेशन	26	➤ रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार 2022	54
➤ UN हाई सी ट्रीटी	27	➤ भारत के मुख्य न्यायाधीश (सर्वोच्च न्यायालय के प्रमुख)	55
➤ संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेसियाँ- UNSAs-Part-1	28	➤ चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS)	56
➤ संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेसियाँ- UNSAs-Part-2	29	➤ जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक 2023	57
➤ संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेसियाँ- UNSAs-Part-3	30	➤ कॉलेजियम सिस्टम	58
➤ संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेसियाँ- UNSAs-Part-4	31	➤ नेजल वैक्सीन : कोविड-19 की समस्या का सरल समाधान?	59

➤ चक्रवात	60	➤ फिजियोलॉजी या चिकित्सा के क्षेत्र में	
➤ डिटिजल रुपया	61	नोबेल पुरस्कार 2022	95
➤ मूल संरचना का सिद्धांत	62	➤ कदम्ब	96
➤ द्रौपदी मुर्मू	63	➤ मौद्रिक नीति समिति	97
➤ अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार	64	➤ न्यूनतम समर्थन मूल्य	98
➤ अल नीनो और ला नीना	65	➤ नोबेल पुरस्कार	99
➤ भारत निर्वाचन आयोग	66	➤ परमाणु हथियारों के खिलाफ संधियाँ	100
➤ अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ENSO)	67	➤ पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (NBS) योजना	101
➤ आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के लिये आरक्षण	68	➤ प्रशांत अग्नि वलय	102
➤ फीफा विश्व कप	69	➤ संसद में बहुमत के प्रकार भाग-1	103
➤ वित्त आयोग	70	➤ संसद में बहुमत के प्रकार भाग-2	104
➤ वित्तीय समावेशन सूचकांक	71	➤ शांति का नोबेल पुरस्कार 2022	105
➤ वित्तीय कार्यवाई कार्य बल	72	➤ भौतिकी में नोबेल पुरस्कार 2022	106
➤ मोहनदास करमचंद गांधी	73	➤ प्लेट विवर्तनिकी (या स्थल मंडलीय प्लेटें)	107
➤ वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI) 2022	74	➤ मिशन स्प्रिंग : लाइफस्टाइल फॉर द एनवायरनमेंट (P3	
➤ वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2022	75	मॉडल यार्नीं Pro Planet People को प्रोत्साहन)	108
➤ आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलें-जीएम फसलें	76	➤ मदन मोहन मालवीय	109
➤ राज्यपाल भाग-1	77	➤ मौद्रिक नीति की मात्रात्मक लिखतें	110
➤ राज्यपाल भाग-2	78	➤ रामसर अभिसमय	111
➤ राज्यपाल भाग-3	79	➤ गुरुदेव सिंह खुश द राइस मैन ऑफ इंडिया	112
➤ साहित्य अकादमी पुरस्कार	80	➤ दिल्ली : यमुना नदी में जहरीला झाग	113
➤ ग्लोबल जेंडर गेप 2022	81	➤ समुद्रयान मिशन	114
➤ इंटरपोल	82	➤ सत्रिया नृत्य (असम)	115
➤ जैव विविधता विरासत स्थल	83	➤ संविधान के स्रोत	116
➤ जल जीवन मिशन (हर घर जल)	84	➤ उड़ान योजना (उड़े देश का आम नागरिक)	117
➤ जल जीवन मिशन (शहरी)	85	➤ UNFCCC कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (COP)	118
➤ पंडित जवाहरलाल नेहरू	86	➤ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद	119
➤ जैव शास्त्र और रासायनिक शास्त्र अभिसमय	87	➤ भारत के उप-राष्ट्रपति	120
➤ कथक (उत्तर भारत)	88	➤ वासनार अरेंजमेंट	121
➤ कथकली (करेल)	89	➤ अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ENSO)	122
➤ एशियाई शेर	90	➤ परमाणु हथियारों के खिलाफ संधियाँ भाग-1	123
➤ हिम तेंदुआ	91	➤ वायु प्रदूषण	124
➤ साहित्य का नोबेल पुरस्कार 2022	92	➤ सरदार वल्लभभाई पटेल	125
➤ मणिपुरी (मणिपुर)	93		
➤ खसरा	94		

रौग्याणुरोधी प्रतिरोध (AntiMicrobial Resistance-AMR)

सूक्ष्मजीवों में रोगाणुरोधी दवाओं के प्रभाव का विरोध करने की क्षमता



AMR में वृद्धि के कारण

- संक्रमण नियंत्रण/स्वच्छता की खराब स्थिति
- एंटीबायोटिक दवाओं का अति प्रयोग
- सूक्ष्मजीवों का आनुवंशिक उत्परिवर्तन
- नई रोगाणुरोधी दवाओं के अनुसंधान एवं विकास में निवेश का अभाव

AMR विकसित करने वाले सूक्ष्मजीवों को 'सुपरबग' कहा जाता है

AMR के प्रभाव

- ↑ संक्रमण फैलने का खतरा
- संक्रमण को इलाज को कठिन बना देता है; लंबे समय तक चलने वाली बीमारी
- ↑ स्वास्थ्य सेवाओं की लागत

उदाहरण

- K निमेन्या में AMR के कारण कार्बपेनेम (Carbapenem) एंटीबायोटिक्स प्रतिक्रिया करना बंद कर देते हैं
- AMR माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोमिस, रिफैमिसिन-प्रतिरोधी टीबी (RR-टीबी) का कारण बनता है
- दवा प्रतिरोधी HIV (HIVDR) एंटीट्रोवाइरल (ARV) दवाओं को अप्रभावी बना रहा है

WHO द्वारा मान्यता

- AMR की पहचान वैश्विक स्वास्थ्य के लिये शीर्ष 10 खतरों में से एक के रूप में
- वर्ष 2015 में GLASS (ग्लोबल एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस एंड यूज सर्विलांस सिस्टम) लॉन्च किया गया

AMR के खिलाफ भारत की पहलें

- टीबी, बेक्टर जनित रोग, इड्स आदि का कारण बनने वाले रोगाणुओं में AMR की जिमरानी।
- बन हेल्थ के दृष्टिकोण के साथ AMR पर राष्ट्रीय कार्य योजना (2017)
- ICMR द्वारा एंटीबायोटिक स्टीवर्डेशिप प्रोग्राम

न्यू देल्ही मेटालो-बीटा-लैक्टामेज-1 (NDM-1)
एक जीवाणु एंजाइम है, जिसका उद्भव भारत से हुआ है, यह सभी मौजूदा β-लैक्टम एंटीबायोटिक्स को निष्क्रिय कर देता है

Annual Status of Education Report
असर ASER 2022 RURAL
Facilitated by PRATHAM



ASER रिपोर्ट का 17वाँ संस्करण शिक्षा पर महामारी के प्रभाव
पर प्रकाश डालता है

ASER के बारे में

- भारत का वार्षिक, सबसे बड़ा, नागरिकों के नेतृत्व वाला धरेलू
सर्वेक्षण (वर्ष 2005 से आयोजित)

दायरा

► सभी ग्रामीण ज़िलों के बच्चे

प्रदान करता है/मूल्यांकन करता है

- बच्चों के नामांकन की स्थिति का अनुपान (आयु वर्ग 3-16)

- बच्चों में मूलभूत पठन बोध तथा अंकगणितीय स्तर
(आयु वर्ग 5-16 वर्ष)

ASER 2022 के प्रमुख निष्कर्ष

ASER 2022 में पूरे भारत के 19,060 गाँवों के ₹ 7 लाख बच्चों को कवर किया गया

- ↑ सरकारी स्कूलों में बच्चों के नामांकन में (65.6% से 72.9%)
- ↑ 6-14 आयु वर्ग के नामांकन में (98.4%; 97.2% से अधिक)
- प्राइवेट ट्यूशन लेने वाले बच्चों में (26.4% से 30.5%)
- ↓ स्कूलों में गैर-नामांकित लड़कियों (आयु वर्ग 11-14 आयु) के अनुपात
में (4.1% से 2% तक)
- ↓ छोटे बच्चों की बुनियादी पठन क्षमता और अंकगणितीय कौशल में
(कक्षा 3 (20.5%) और 5 (42.8%))

नोट: वर्ष 2022 में प्रदर्शन में सुधार/गिरावट वर्ष 2018 की तुलना में है जब पिछला सर्वेक्षण
महामारी से पूर्व किया गया था

दृष्टि Drishti IAS

वायुमंडल और इसके संस्तर

संस्तर

- पृथ्वी की अन्योन्याश्रित भौतिक प्रणाली के मुख्य घटकों में से एक।
- यह लगभग 78% नाइट्रोजन, 21% ऑक्सीजन और 1% अन्य गैसों से मिलकर बना है।

क्षोभमंडल (Troposphere):

- पृथ्वी के सतह से ऊपर 12 किमी तक विस्तारित
- वायुमंडल का सबसे निचला भाग - वह भाग जिसमें हम रहते हैं
- क्षोभमंडल में तापमान ऊँचाई के साथ घटता जाता है
- क्षोभमंडल के शीर्ष बिंदु को क्षोभसीमा (Tropopause) कहा जाता है
- वायुमंडल का सबसे सघन संस्तर
- वातावरण में मौजूद कुल वायु का लगभग 75% और जलवाया (जिसमें वादलों का निर्माण होता है तथा वर्षा होती है) का 99% शामिल है

समताप मंडल (Stratosphere):

- पृथ्वी की सतह के ऊपर 12 से 50 किलोमीटर की ऊँचाई के बीच स्थित
- वायुमंडल की अधिकांश ओजोन इस संस्तर में पाइ जाती है
- इस संस्तर में मौजूद ओजोन अणु सूर्य से आने वाले परावैगनी (UV) विकरण, जिसके परिणामस्वरूप तापमान में वृद्धि होती है, को अवशोषित करते हैं।
- बादल एवं मौसम संबंधी घटनाओं से लगभग मुक्त
- यह वायुमंडल का सबसे ऊँचा भाग है जहाँ जेट विमान पहुँच सकते हैं

मध्यमंडल (Mesosphere):

- पृथ्वी की सतह से लगभग 50 से 80 किलोमीटर की ऊँचाई के बीच स्थित
- इस संस्तर का शीर्ष बिंदु पृथ्वी प्रणाली के भीतर पाया जाने वाला सबसे ठंडा स्थान है
- यहाँ निशादीप बादल (Noctilucent clouds) बनते हैं, जो पृथ्वी के वायुमंडल में सबसे अधिक ऊँचाई पर पाए जाने वाले बादल हैं
- अधिकांश उल्कापिंड इसी वायुमंडलीय संस्तर में जलते हैं
- सारंडिंग रॉकेट और रॉकेटचालित विमान मध्यमंडल तक पहुँच सकते हैं

बाह्य वायुमंडल (Thermosphere):

- पृथ्वी की सतह से लगभग 80 से 700 किलोमीटर की ऊँचाई के बीच स्थित है
- इसके सबसे निचले भाग में आयनमंडल होता है
- बाह्य वायुमंडल के तापमान में रात एवं दिन की अवधि के दौरान तथा विभिन्न गैसों के अनुसार भिन्नता पाई जाती है
- ऑरोरा बोरेलिस/सुमेरु ज्योति/ध्रुवीय ज्योति (उत्तरी) और ऑरोरा ऑस्ट्रेलिस/कुमरु ज्योति/ध्रुवीय ज्योति (दक्षिणी) कभी-कभी यहाँ देखे जाते हैं

बहिर्मंडल (Exosphere):

- पृथ्वी की सतह से 700 से 10,000 किलोमीटर की ऊँचाई के बीच स्थित
- पृथ्वी के वायुमंडल का सर्वोच्च संस्तर
- इस संस्तर में औसम संबंधी घटनाओं स्व पूरी तरह से मुक्त
- अधिकांश पृथ्वी उपग्रह इसी परत/संस्तर में परिक्रमा करते हैं
- बहिर्मंडल के निम्न बिंदु पर एक संक्रमण परत होती है जिसे वाहासीमा (Thermopause) कहा जाता है

बौद्ध धर्म



Drishti IAS

उत्पत्ति

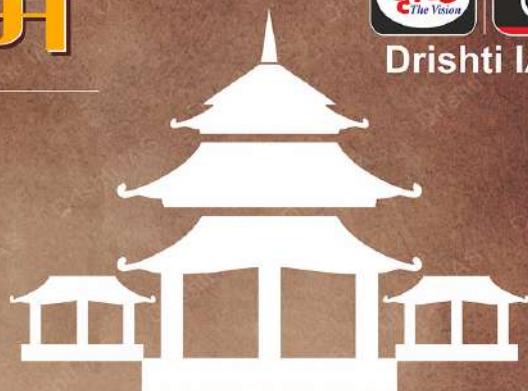
- छठी शताब्दी ईसा पूर्व, गौतम बुद्ध की शिक्षाओं पर आधारित

मुख्य विशेषताएँ

- सार - आत्मज्ञान की प्राप्ति (निर्वाण)
- सर्वोच्च देवता - कोई नहीं

सिद्धांत

- अति से बचें; मध्यम मार्ग (मध्य मार्ग) का पालन करें
- व्यक्तिवादी घटक (हर कोई अपनी खुशी के लिये स्वयं ज़िम्मेदार है)
- चार महान सत्य:
 - दुर्ख (दुःख) - संसार दुर्खों से भरा हुआ है
 - समुदय- प्रत्येक दुर्ख का एक कारण है
 - निरोध- दुर्खों का निवारण किया जा सकता है
 - यह अथांग मण्गा (आष्टांगिक मार्ग) का पालन करके प्राप्त किया जा सकता है।
- आष्टांगिक मार्ग:
 - सम्यक वृद्धि, सम्यक संकल्प, सम्यक वाक, सम्यक कर्मांत, सम्यक आजीव, सम्यक व्यायाम, सम्यक स्मृति, सम्यक समाधि



बौद्ध धर्म अस्वीकार करता है

- वेदों की प्रामाणिकता
- आत्मा की अवधारणा (जैन धर्म के विपरीत)

प्रमुख बौद्ध ग्रंथ

- सुत्त पिटक (बुद्ध की प्रमुख शिक्षाएँ - धर्म)
- विनयपिटक (भिक्षुओं/ननियों के लिये आचरण के नियम)
- अधिधम पिटक (दार्शनिक विश्लेषण)
- अन्य महत्वपूर्ण ग्रंथ- दिव्यवदान, दीपबंश, महावंश, मिलिंद पन्हो

पहली बौद्ध संगीति में बुद्ध की शिक्षाओं को 3 पिटकों में विभाजित किया गया था

इन शिक्षाओं को 25वीं शताब्दी ई.पू. में पाली भाषा में लिखा गया था।

बौद्ध परिषद

बौद्ध परिषद	संरक्षक	स्थान	अध्यक्ष	वर्ष
पहली	अजातशत्रु	राजगृह	महाकस्यप	483 ई.पू.
दूसरी	कालशोक	बैशाली	सुबुकामि	383 ई.पू.
तीसरी	अशोक	पाटलिपुत्र	मोगालिपुत्र	250 ई.पू.
चौथी	कनिष्ठ	कुण्डलवन (कश्मीर)	वसुमित्र	72 ई.

प्रवाल भित्ति

Coral Reef

(समुद्री वर्षावन)

प्रवाल

- जल के नीचे पाई जाने वाली **बहुद संरचनाएँ** - समुद्री अक्षरोंकीय 'प्रवाल' के कंकालों से निर्मित - व्याकुगत रूप से पॉलीप कहलाती हैं
- शैवाल जूँड़ियेले के साथ सहजीवी संबंध (मूँगों के सुंदर रंगों के लिये जिम्मेदार)
- समुद्री जैव विविधता का 25% से अधिक

1

हार्ड कोरल बनाम 'सॉफ्ट' कोरल

- हार्ड कोरल/प्रवाल: कठोर एक्सोस्केलेटन जो कि कैल्सियम कार्बोनेट से बनता है- **भित्ति के निर्माण के लिये जिम्मेदार**
- 'सॉफ्ट' कोरल/प्रवाल: भित्ति का निर्माण नहीं करता है

2

ग्रेट बैरियर रीफ (ऑस्ट्रेलिया)

- दुनिया में सबसे बड़ा कोरल रीफ
- विश्व धरोहर स्थल (1981)
- व्यापक प्रवाल विरंजन

3

भारत में प्रवाल

- कच्छ की खाड़ी, मन्नार की खाड़ी, अंडमान और निकोबार, लक्ष्मीप द्वीप समूह और मालवन के क्षेत्रों में मौजूद

4

महत्व

- प्रवाल भित्तियाँ तूफान/क्षण से तटरेखाओं की रक्षा करती हैं, रोज़गार प्रदान करती हैं, मनोरंजन के लिये भी उपयोगी हैं
- भोजन/दवाओं का स्रोत

5

खतरे

- **प्राकृतिक:** तापमान, तलछट जमाव, लवणता, pH आदि।
- **मानवजनित:** खनन, तल पर मत्स्य पालन, पर्यटन, प्रदूषण आदि।

6

प्रवालों की रक्षा हेतु विभिन्न पहलें

तकनीक:

- **क्रायोमेश:** -196°C (-320.8°F) पर कोरल लार्वा का संग्रह - प्राकृतिक रूप से इनका पुनर्स्थापन
- **बायोरोश:** कृत्रिम भित्तियों का निर्माण जिन पर कोरल लार्वा से वृद्धि करता है

प्रवाल विरंजन/ कोरल ब्लीचिंग

- प्रवालों पर तनाव बहुत है- अपने ऊतकों में निवास करने वाले सहजीवी शैवाल जूँड़ियेले को निष्कासित कर देते हैं - प्रवाल सफेद रंग में परिवर्तित हो जाते हैं (विरंजन)
- विरंजित प्रवाल - मृत नहीं - लेकिन, भुखमरी/बीमारी

भारत में पहल:

- राष्ट्रीय तटीय मिशन कार्बक्रम
- अंतर्राष्ट्रीय कोरल रीफ पहल
- वैश्विक कोरल रीफ अनुसंधान एवं विकास त्वरक मंच

हिरासत में होने वाली मौतें (Custodial Death)

हिरासत में होने वाली मौत या 'कस्टोडियल डेथ' का तात्पर्य कानून प्रवर्तन अधिकारियों की निगरानी में अथवा सुधार केंद्र में रहते हुए व्यक्तियों की मृत्यु से है।

कारण

- अत्यधिक बल प्रयोग, (चिकित्सा) उपेक्षा, अधिकारियों द्वारा दुर्व्यवहार आदि।

भारत में सर्वाधिक कस्टोडियल डेथ (2017-18 से 2021-22)

- केंद्रशासित प्रदेश: दिल्ली (29), जम्मू और कश्मीर (4)
- राज्य: गुजरात (80), महाराष्ट्र (76), उत्तर प्रदेश (41), तमिलनाडु (40) और बिहार (38)

STATES WITH HIGHEST CUSTODIAL DEATHS

■ 2017-18 ■ 2018-19 ■ 2019-20 ■ 2020-21 ■ 2021-22



विधिक प्रावधान

- आपराधिक प्रक्रिया मंहिता (CrPC) धारा 41- 2009 में संशोधित; उचित आधार और प्रलेखित प्रक्रियाओं के अनुसार पूछताछ के आधार पर गिरफ्तारी और हिरासत में रखना
- भारतीय दंड मंहिता (IPC) धारा 302, 304, 304A, और 306-हिरासत में यातना के अपराध को शामिल किया गया है
- धारा 330, 331- किसी मामले पर संस्वीकृति (Confession)/जवान स्वीकृति प्राप्त करने के लिये चोट पहुँचाने की स्थिति में दंड।

इस प्रकार के मानवाधिकारों के उल्लंघन की शिकायतें NHRC को मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के तहत प्राप्त होती हैं।

कस्टोडियल डेथ से संबद्ध प्रमुख मुद्दे

- यातना/उत्पीड़न रोधी कानूनों की अनुपस्थिति
- अपारदर्शी, कारागार/जेल की खराब व्यवस्था
- विवितों/प्रदर्शनकारियों के खिलाफ अत्यधिक बल प्रयोग
- दीर्घकालिक, मर्हगी न्यायिक प्रक्रियाएँ

भारत ने वर्ष 1997 में अत्याचार के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र अभियान (1985) पर हस्ताक्षर किये थे, लेकिन अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है।

कस्टोडियल डेथ बनाम मूल अधिकार

- यातना से संरक्षण (अनुच्छेद 21)
- कुछ मामलों में गिरफ्तारी और हिरासत से संरक्षण, वकील से परामर्श का अधिकार (अनुच्छेद 22)

समाधान

- विधिक अधिनियमन, प्रौद्योगिकी, जवाबदेहिता, प्रशिक्षण और सामुदायिक संबंधों को शामिल करते हुए बहु-आयामी रणनीति
- डी.के. बसु बनाम पश्चिम बंगाल राज्य (1997) में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी किये गए आदेशों का उल्लंघन करने वाले कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना (जैसे - सभी पुलिस कर्मियों द्वारा नाम का टैग पहनना जिस पर स्पष्ट रूप से उनके नाम, पदनाम का उल्लेख हो)

भूकंप

के बारे में

- पृथ्वी का केंपन; ऊर्जा के निकलने के कारण तरंगे उत्पन्न होती हैं, जो सभी दिशाओं में फैलकर भूकंप लाती हैं

भूकंपीय तरंगे

- भूमिक्षिक तरंगे:** पृथ्वी के अंदरूनी भाग से होकर सभी दिशाओं में आगे बढ़ती हैं।
- P तरंगे:** तीव्र गति से चलती हैं, ध्वनि तरंगों जैसी होती हैं, गैर, तरल व ठोस तीर्णों प्रकार के पदार्थों से गुज़र सकती हैं।
- S तरंगे:** धरातल पर कुछ समय अंतराल के बाद पहुँचती हैं, केवल ठोस पदार्थों के ही माध्यम से चलती हैं।
- धरातलीय तरंगे:** भूकंपलेखी (सिस्मोग्राफ) पर अंत में अभिलेखित होती हैं, अधिक विनाशकारी, शैलों/चट्टानों के विस्थापन का कारण बनती हैं।
 - लव तरंगे:** लंबवत् विस्थापन के बिना S-तरंगों के समान गति (श्रेत्रिज), क्षेत्रिज गति प्रसार की दिशा के लंबवत्, रेले तरंगों की तुलना में तीव्र गति
 - रेले तरंगे:** भूगर्भ पर दीर्घवृत्ताकार पथ में दोलन उत्पन्न करती हैं, सभी भूकंपीय तरंगों में से अधिकांश के प्रसार का कारण बनती हैं, एक अर्धाधर ताल में लंबवत् व क्षैतिज रूप से गति करती हैं।

भूकंप के कारण

- किसी ध्रुवी/ध्रुव ज्वान के किनारे-किनारे ऊर्जा का निरुक्त होना (भूर्पेटी की शिलों में दरारे)
- टेक्टोनिक लेटों का संचलन (सबसे सामान्य कारण)
- ज्वालामुखी विस्फोट (शैल के तनाव में परिवर्तन - मैग्मा का अन्तःक्षेपण/निकासी)
- मानवीय गतिविधियाँ (खनन, रसायनों/परमाणु उपकरणों का विस्फोटन आदि)

भूकंप का मापन

- भूकंपमापी (Seismometer)-** भूकंपीय तरंगों को मापता है
- रिक्टर सैमाना (Richter Scale)-** परिमाण को मापता है (निरुक्त ऊर्जा; सीमा: 0-10)
- मरकली (Mercalli)-** तीव्रता को मापता है (दृश्यमान शक्ति; सीमा: 1-12)

वितरण

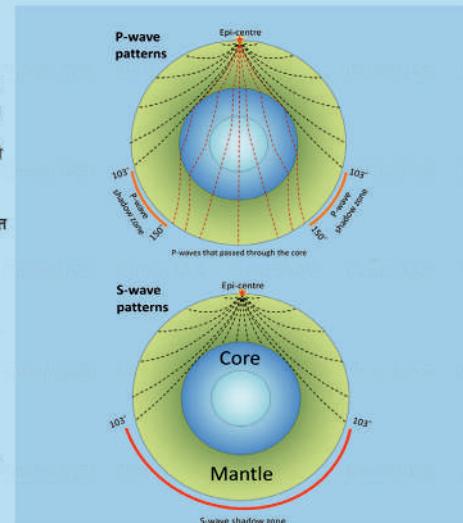
- परि-प्रशांत मेखला (Circum-Pacific Belt)-** सभी भूकंपों का 81%
- अल्पाइड भूकंप मेखला (Alpide Earthquake Belt)-** सबसे बड़े भूकंपों का 17%
- मध्य अटलांटिक कटक (Mid-Atlantic Ridge)-** अधिकांशतः जल के नीचे डूबा हुआ

अवकेंद्र (Hypocenter)



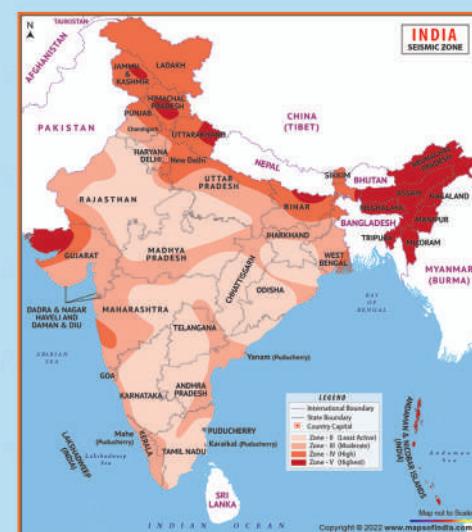
अधिकेंद्र (Epicenter)

- अवकेंद्र के समीपस्थि स्थान (पृथ्वी की सतह के नीचे)



भारत में भूकंप

- तकनीकी रूप से सक्रिय पर्वतों- हिमालय की उपस्थिति के कारण भारत भूकंप से अत्यंत प्रभावित देशों में से एक है।
- भारत के 4 भूकंपीय क्षेत्रों (II, III, IV, और V) में विभाजित किया गया है।





Drishti IAS

इच्छामृत्यु (Euthanasia)

के बारे में

- किसी व्यक्ति द्वारा जानबूझकर अपने जीवन को समाप्त करने की प्रथा; एक लाइलाज विधि/असहनीय दर्द से गहर पाने के लिये

सक्रिय इच्छामृत्यु (Active Euthanasia)

- किसी पदार्थ अथवा या बाह्य बल की सहायता से एक व्यक्ति के जीवन को समाप्त करने हेतु सक्रिय हस्तक्षेप (जैसे - किसी घातक इंजेक्शन द्वारा)

निष्क्रिय इच्छामृत्यु (Passive Euthanasia)

- मरणासन रूप से बीमार व्यक्ति को जीवित रखने वाले आवश्यक जीवन समर्थ/उपचार को हटा देना

पक्ष में तर्क

- रोगी की पसंद की स्वतंत्रता
- गरिमा के साथ मरने का अधिकार
- पीड़ा को समाप्त करने की वृष्टि से अधिक मानवीय
- रोगी के प्रियजनों के दुःख को कम करता है

विरुद्ध तर्क

- नैतिक, धार्मिक वृष्टिकोण से अस्वीकार्य
- इच्छामृत्यु/यूथेनेशिया को उचित तरीके से विनियमित नहीं किया जा सकता है
- अपराधबोध से ग्रस्त रोगी सहमति देने के लिये स्वयं को बाध्य महसूस कर सकते हैं

इच्छामृत्यु - भारत में वैधता

पी. रथिनम बनाम भारत संघ (1994)

- सर्वोच्च न्यायालय ने IPC की धारा 309 (आत्महत्या का प्रयास करने हेतु दंड) की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी

श्रीमती ज्ञान कौर बनाम पंजाब राज्य (1996)

- सर्वोच्च न्यायालय ने वर्ष 1994 में दिये गए अपने निर्णय को पलट दिया और कहा कि जीवन के अधिकार (अनुच्छेद 21) में मरने का अधिकार शामिल नहीं है (जिसे गरिमा के साथ मरने का अधिकार नहीं माना जाना चाहिये)

अरुणा रामचंद्र शानबाग बनाम भारत संघ (2011)

- सर्वोच्च न्यायालय ने अरुणा शानबाग के लिये निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी और 'सक्रिय' और 'निष्क्रिय' के बीच अंतर स्थापित किया और "कुछ स्थितियों" में निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी

कॉमन कॉर्ज बनाम भारत संघ व अन्य (2018)

- सर्वोच्च न्यायालय ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु/पैसिफ यूथेनेशिया को यह दावा करते हुए वैध कर दिया कि यह 'लिविंग विल' (एक दस्तावेज जिसमें कोई व्यक्ति यह बताता है कि वह भविष्य में गंभीर बीमारी की हालत में किस तरह का इलाज कराना चाहता है) रखने वाले व्यक्ति पर निर्भर है
- यदि किसी व्यक्ति के पास लिविंग विल नहीं है, तो उसके परिवार के सदस्य निष्क्रिय इच्छामृत्यु के लिये अनुमति हेतु उच्च न्यायालय के समक्ष याचिका दायर कर सकते हैं।

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने 'लिविंग विल' (2018 के मामले में निर्धारित) के लिये मौजूदा दिशानिर्देशों में बदलाव करके निष्क्रिय इच्छामृत्यु की प्रक्रिया को अधिक सरल बनाने पर सहमति व्यक्त की है।

गौतम बुद्ध

इन्हें भगवान् विष्णु के 10 अवतारों (दशावतार) में से 8वाँ अवतार माना जाता है

जन्म

- सिद्धार्थ के रूप में जन्म (563 ईसा पूर्व)
- जन्मस्थान - लुम्बिनी (नेपाल)
कपिलवस्तु के निकट

माता-पिता

- पिता - कपिलवस्तु के निर्वाचित शासक;
शाक्य गणसंघ के मुखिया
- माता - कोशल वंश की राजकुमारी



महत्वपूर्ण घटनाएँ

गृह त्याग/महान प्रस्थान
(महाभिनिष्ठकर्मण)

| बुद्ध का जन्म

प्रथम उपदेश
(धर्मचक्रपरिवर्तन)

| ज्ञान की प्राप्ति (निर्वाण)

| मृत्यु (महापरिनिर्वाण)

बुद्ध ने स्वयं को तथागत (वह जो जैसा आया था, वैसा ही चला गया) के रूप में संदर्भित किया और बौद्ध ग्रंथों में इन्हें भागवत के रूप में संबोधित किया गया है।

समकालीन व्यक्ति

- वर्धमान महावीर
- बिम्बिसार
- अजातशत्रु

बुद्ध से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण स्थल

- बोधगया (ज्ञान प्राप्ति) (ज्ञान प्राप्ति के बाद वे बुद्ध के नाम से जाने गए)
- सारनाथ (प्रथम उपदेश)
- वैशाली (अंतिम उपदेश)
- कुशीनगर (मृत्यु (487 ई.पू.) का स्थान)

भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी
Geospatial Technology-GT

GT किसी स्थान (स्थिर या गतिशील) से जुड़ी जानकारी को ग्रहण/भंडारण/प्रसंस्करण/प्रदर्शन/प्रसारित करने की प्रक्रिया को सुमाम बनाता है।

④ GT के अंतर्गत आने वाली प्रौद्योगिकियाँ

- ◆ सुवूर संचेदन/रिपोर्ट सेसिंग-सामान्यतः उपग्रह या विमान से किसी क्षेत्र की भौगोलिक विशेषताओं का पता लाना/निगरानी करना
- ◆ वैश्विक स्थान-निर्धारण प्रणाली/ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (GPS)- घूमि पर किसी वस्तु की स्थिति निर्धारित करने के लिये एक उपग्रह नीतिगेशन प्रणाली
- ◆ भौगोलिक मूद्यना प्रणाली/ग्लोबल इकॉर्मेशन सिस्टम (GIS)- यूथ्य की सतह पर स्थिति से संबंधित डेटा को ग्रहण करने, संग्रहीत करने और प्रदर्शित करने के लिये कंप्यूटर सिस्टम
- ◆ 3-D मॉडलिंग-किसी वस्तु या सतह का त्रि-आयामी (Three-dimensional) निरूपण

④ GT के अनुप्रयोग

- ◆ जलवायु परिवर्तन तथा आपदा प्रबंधन (उदाहरण-अग्रिम चेतावनी)
- ◆ पृथ्वी अवलोकन क्षमताएँ (उदाहरण-वनस्पति, जल गुणवत्ता)
- ◆ स्वास्थ्य देखभाल (उदाहरण- संपर्क अनुरोधण/कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग की निगरानी)
- ◆ सामाजिक समस्याएँ (उदाहरण-शिक्षा, आजीविका, वित्तीय समवेशन)
- ◆ लॉजिस्टिक्स (उदाहरण- वस्तुओं/माल की ट्रैकिंग)
- ◆ रियल एस्टेट (उदाहरण-दूर से रियल एस्टेट प्रयोजनों का विश्लेषण)

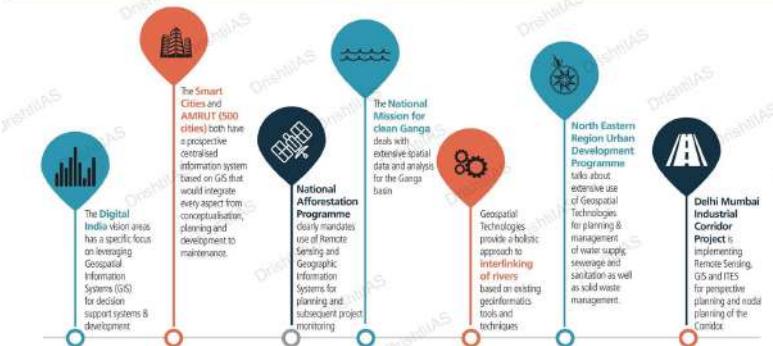
भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी में भारत की स्थिति

भू-स्थानिक अर्थव्यवस्था

- ◆ वर्ष 2025 तक ₹ 63,000 करोड़ पार करने की उम्मीद
- ◆ 12.8% की वृद्धि दर

राष्ट्रीय भू-स्थानिक नीति

- ◆ भू-स्थानिक डेटा संवर्द्धन और विकास समिति (शीर्ष निकाय का गठन किया जाएगा)
- ◆ विज्ञन एवं प्रौद्योगिकी विभाग GT के लिये नोडल विभाग होगा; GPDCC विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को अपनी सिफारिशें भेजेगा



लक्ष्य

- ◆ वर्ष 2030 तक-उच्च विभेदन क्षमतायुक्त स्थलाकृतिक संरचनण और मानचित्रण
- ◆ वर्ष 2035 तक-नेशनल डिजिटल ट्रिवन-प्रमुख शहरों/कस्त्रों की आधारी प्रतिकृति

मीठी क्रांति (Sweet Revolution)



- ◆ मधुमक्खी पालन (Apiculture) को बढ़ावा देने के लिये भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल
- ◆ खादी और ग्रामोद्योग आयोग (MSME मंत्रालय) के तहत वर्ष 2016 में शुरू इसी की तर्ज पर वर्ष 2017 में ही मिशन शुरू किया गया था



भारत में मधुमक्खी पालन (एपीकल्चर)

◆ मधुमक्खी पालन

- एकीकृत कृषि प्रणाली (IFS) के एक भाग के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों/भूमिहीन मजदूरों द्वारा की जाने वाली कृषि आधारित गतिविधि

◆ महत्व

- फसलों के परागण में उपयोगी
- किसानों की आय में वृद्धि
- मधुमक्खी के छन्ने से ग्राम बहुपूर्ण उत्पाद- शहद, मोम, मधुमक्खी पराग आदि।

◆ विश्व मधुमक्खी दिवस

- 20 मई



राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन (National Beekeeping and Honey Mission & NBHM)

परिचय

- ◆ केंद्रीय क्षेत्र की योजना
- ◆ आत्मनिर्भर भारत योजना के एक हिस्से के रूप में इसकी घोषणा की गई (वर्ष 2020-21 से 2022-23 के लिये)
- ◆ कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड द्वारा क्रियान्वित



उद्देश्य

- ◆ 'मीठी क्रांति' के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु वैज्ञानिक तरीके से मधुमक्खी पालन का विकास
- ◆ कृषि/बागवानी उत्पादन में वृद्धि करना
- ◆ एकीकृत मधुमक्खी पालन विकास केंद्र (IDBC), एपी-थेरेपी सेंटर और मधुमक्खी रोग निदान प्रयोगशाला की स्थापना
- ◆ मधुमक्खी पालन के जरिये महिला सशक्तीकरण

मानव-वन्यजीव संघर्ष



जब मानव तथा वन्यजीवों के आमने-आने से संपत्ति, आजीविका तथा जीवन की हानि जैसे परिणाम उत्पन्न होते हैं

○ मानव-वन्यजीव संघर्ष के कारण

- ◆ कृषि संबंधी विस्तार
- ◆ शहरीकरण
- ◆ अवसरचनात्मक विकास
- ◆ जलवायु परिवर्तन
- ◆ वन्यजीवों की आवादी में बढ़ि तथा इनके क्षेत्र (रेज.) का विस्तार

○ मानव-वन्यजीव संघर्ष के प्रभाव

- ◆ गंभीर चाटें, जीवन की हानि
- ◆ खेतों और फसलों को नुकसान
- ◆ जानवरों के खिलाफ हिंसा विस्तर

2003-2004 के दौरान WWF इंडिया ने सोनिपुर मॉडल विकासित किया जिसके माध्यम से समुदाय के सदस्यों को असम लग विभाग से जड़ा गया और हाथियों को कफली खेतों तथा मानव आवासों से सुरक्षित रूप से दूर करने का प्रशिक्षण दिया गया।

2020 में, सर्वोच्च न्यायालय ने नीलमिशी हाथी गतिविहार पर मद्रास उच्च न्यायालय के विनियोग को व्यक्तिगत रक्ता, जिसमें जानवरों के लिये मार्ग के अधिकार (Right of passage) और क्षेत्र में रियोल्स को बंद करने की पुष्टि की गई थी।

○ मानव-वन्यजीव संघर्ष के प्रबंधन हेतु सलाह (राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थापी समिति)

- ◆ समस्यात्मक जंगली जानवरों से निपटने हेतु ग्राम पंचायतों को अधिकार (WPA 1972)
- ◆ मानव-वन्यजीव संघर्ष के कारण फसल शक्ति के लिये मुआवजा (पीएम फसल बीमा योजना)
- ◆ प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली को अपनाने और अवरोधक लगाने के लिये स्थानीय/राज्य विभाग
- ◆ पीड़ित/परिवार को घटना के 24 घंटे के भीतर अंतरिम राहत के रूप में अनुग्रह राशि का प्रुतान करना

○ राज्य-विशिष्ट पहलें

- ◆ **उत्तर प्रदेश-** मानव-पशु संघर्ष सूचीबद्ध अपदाओं के अंतर्गत शामिल (राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष में)
- ◆ **उत्तराखण्ड-** क्षेत्रों में पौधों की विभिन्न प्रजातियों को उगाकर वायो-फॉर्मिंग की जाती है
- ◆ **ओडिशा-** जंगली हाथियों के लिये खाद्य भंडार को समृद्ध करने हेतु वनों में सोड बॉल डालना

मानव-वन्यजीव संघर्ष संबंधी आँकड़े

	बाधा		
	2019	2020	2021
बाधों द्वारा मारे गए मनुष्य	50	44	31
बाधों की प्राकृतिक मृत्यु	44	20	4
बाधों की अप्राकृतिक मृत्यु, शिकार द्वारा नहीं	3	0	2
जंघ के दायरे में बाधों की मौत	22	71	07
शिकार के द्वारा बाधों की मृत्यु	17	8	4
जंगली	10	7	13



सूची

2018-19 2019-20 2020-21

हाथियों द्वारा मारे गए मनुष्य	-	585	461
देनों द्वारा मारे गए हाथी	19	14	12
विद्युत आधात द्वारा	81	76	65
शिकार द्वारा	6	9	14
विष देकर	9	0	2



वर्ष 2021-22 में हाथियों द्वारा 533 मनुष्य मारे गए

राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (National Green Hydrogen Mission-NGHM)

नोडल मंत्रालय

- नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

NGHM के घटक

- ग्रीन हाइड्रोजन द्रांजिशन प्रोग्राम के लिये रणनीतिक क्रियाकलाप (SIGHT)
- रणनीतिक हाइड्रोजन नवाचार भागीदारी (SHIP) (अनुसंधान एवं विकास के लिये सार्वजनिक-निजी भागीदारी)

GH2 वर्तमान में व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य नहीं हैं; भारत में वर्तमान लागभग 350-400 किग्रा हैं।
राष्ट्रीय हाइड्रोजन ऊर्जा मिशन का लक्ष्य इसे 100 किग्रा के नीचे लाना है।

उद्देश्य

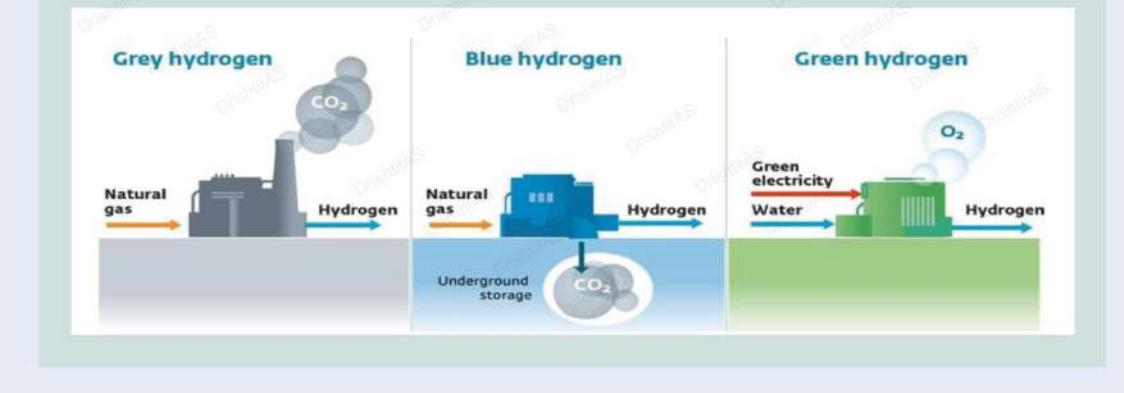
- ऊर्जा/उद्योग/मोबाइलिटी क्षेत्र को डीकार्बोनाइज (कार्बन मुक्त) करना
- स्वदेशी निर्माण क्षमता विकसित करना
- GH2 और इसके व्युत्पन्नों के लिये निर्यात के अवसर सुजित करना

वर्ष 2030 तक अपेक्षित परिणाम

- ◆ प्रति वर्ष कम-से-कम 5 MMT (मिलियन मीट्रिक टन) हरित हाइड्रोजन (GH2) का उत्पादन
- ◆ जीवाश्म ईंधन के आयात में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की बचत
- ◆ छह लाख से अधिक रोजगार
- ◆ वार्षिक CO2 उत्सर्जन में लागभग 50 MMT की कमी
- ◆ ₹ 8 लाख करोड़ से अधिक का कुल निवेश

हाइड्रोजन तथा हरित हाइड्रोजन

- ◆ हाइड्रोजन प्रकृति में सबसे प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला तत्व है लेकिन यह अन्य तत्वों के साथ संयोजन में ही मौजूद होता है। इसे प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले यौगिकों (जैसे जल) से अलग किया जाता है।
- ◆ अक्षय/नवीकरणीय ऊर्जा (RE) द्वारा संचालित विद्युत अपघटनी/इलेक्ट्रोलाइजर का उपयोग करके इलेक्ट्रोलिसिस/विद्युत अपघटन नामक विद्युत प्रक्रिया के माध्यम से जल के विभाजन द्वारा ग्रीन हाइड्रोजन (GH2) बनाया जाता है।



विज्ञान में महिलाओं और बालिकाओं का अंतर्राष्ट्रीय दिवस



के बारे में:

- वर्ष 2015 से हर साल 11 फरवरी को मनाया जाता है।
- विज्ञान, विज्ञानिकी, इजॉनियरिंग और गणित (STEM) क्षेत्रों में महिलाओं की पूर्ण एवं समान पहुँच तथा भागीदारी को बढ़ावा देने के लिये संयुक्त राष्ट्र द्वारा मनाया जाता है।

थीम 2023:

- Innovate (विनवीनार), Demonstrate (प्रदर्शन), Elevate (उन्नत), Advance (प्रगति), Sustain (बनाए रखना) (I.D.E.A.S.)

विज्ञान क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी की स्थिति:

- उच्च शिक्षा पर अल्लिं भारतीय सर्वेक्षण 2020-2021 के अनुसार, भारत में विज्ञान की शिक्षण वर्ष 2014 के 30,000 दोगुनी होकर वर्ष 2022 में 60,000 से अधिक हो गई है।
- विज्ञान क्षेत्र (40%) और विकास (35%) के क्षेत्र में महिला ओं की सर्वाधिक भागीदारी है।

विज्ञान में महिलाओं की भूमिका हेतु उठाए गए कदम:

- जेड एवं समर्पित फॉर ट्रांसफर्मिंग इंस्टीट्यूशन्स (GATE)
- STEM में लैण्डिंग समाजिक कार्यक्रम के लिये एक समय चार्टर और रूपरेखा विवारकरण के लिये।
- विज्ञान लैण्डिंग योजना
- उच्चतम शिक्षा में STEM को अपनाने के लिये हाई स्कूल में मध्यवर्ती छात्राओं के लिये एक समान अवधार का सुनिन करना।
- STEMM में महिलाओं के लिये भारत-अमेरिका कैलोशिप (WISTEMM) कार्यक्रम;
- महिला वैज्ञानिक अमेरिका में अनुसंधान प्रयोगशालाओं में काम कर सकती हैं।
- महिला विज्ञानियां में नवाचार और उक्तिहात हेतु विश्वविद्यालय अनुसंधान का समेकन (CURE) कार्यक्रम
- महिला विज्ञानियों में विज्ञान एवं वैज्ञानिक के क्षेत्र में उच्चतम के सूचन हेतु अनुसंधान एवं विकास अवधारणा में सुधार लाने और जलापानिक अनुसंधान सुविधाओं की स्थापना करने के लिये।

महिलाएँ जिन्होंने भारत के वैज्ञानिक इतिहास को आकार दिया



**आनंदीबाई जोशी
(1865-1887)**

- संकुल राज्य अधिकारी से पाश्चात्य विकित्सा में दियों के साथ अध्ययन और सारक करने वाली पहली भारतीय महिला।
- अमेरिका की पहली पूरे तरह रखने वाली पहली भारतीय महिला मानी जाती है।



कमला सोहोनी (1911-1998)

- विज्ञान विषय में लौटीची करने वाली पहली भारतीय महिला।
- ऊजावन साइटोक्रोम सी (जो ऊजावन संस्थेषण में मदद करता है) की खोज की।



कास्तुरी गोखले (1861-1923)

- भारत की पहली महिला विकित्सक और पूरे दक्षिण एशिया में पश्चिमी विकित्सा की प्रथम विकित्सक बनी।



ज्योति बासु (1913-1991)

- भारत की पहली महिला उच्च ऊर्जा भौतिक विज्ञानी और राजा में पहली महिला वैज्ञानिक।
- IAU ने उनके नाम पर एक सफेद पीले वामन तारे का नामकरण करके उन्हें सम्मानित किया।



**प्रतिभा पाटिल कवकट जानकी अम्मा
(1897-1984)**

- अनुदीनिकी, उड्डिकास, वनस्पति भूगोल और ऐप्टोवॉटिनी-सामाजिक कार्यक्रम विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान।
- इलाहाबाद में कैंट्रीप वनस्पति प्रयोगशाला की पहली निदेशक।



देवाति मिश्र (1925-2003)

- पहली भारतीय पूरातत्त्वजीद, इहोने भारतीय पूरातत्त्वजीद के महानिदेशक के रूप में कार्य किया।
- कई बोर्ड स्पर्टों का अध्येता और उत्थनन।



अत्मा सिंह (1918-2001)

- गोसाम विभाग में शामिल होने वाली पहली महिला।



कमला राउती (1917-2001)

- मुख्य में भारतीय अनुसंधान केंद्र में भारत की पहली ऊजावन संबद्धन अनुसंधान प्रयोगशाला की स्थापना की।



सुघमित्रा बंद्योपाध्याय

- इन्हे वर्ष 2022 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया।
- वह भारतीय सांख्यिकी संस्थान की पहली महिला निदेशक है।



सुधा मुर्त्ती रामदेवर्डी

- इन्हे वर्ष 2023 में पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- वह वर्ष 2006 में प्रतिष्ठित IITP रामानुजन पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय बनी।
- इन्हे वर्ष 2004 में भारत संकार द्वारा वैज्ञानिक क्षेत्र में सर्वोच्च सम्मान शिल्प स्लूग भूमिका पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।
- वह गणित अनुसंधान में अपने अतिथारण गोपालान के लिये वर्ष 2020 के क्राइस्ट-नेल्सन पुरस्कार की प्राप्तिकर्ता भी है।

जोशीमठ में भू-अवतलन

हालिया उपग्रह **छत्रियों** से यह ज्ञात हुआ है कि जोशीमठ में केवल 12 दिनों (27 दिसंबर, 2022 और 8 जनवरी, 2023 के बीच) के दौरान 5.4 सेमी की तेजी से भू-धूँसाव देखा गया है।

भू-अवतलन (Land Subsidence)

- अवतलन का तात्पर्य भूमिगत पदार्थों के संचलन के कारण भूमि के धैसने से है।
- कारण: (मानव जनित + प्राकृतिक) पानी/तेल/प्राकृतिक संसाधनों का अपनयन (removal), खनन गतिविधियाँ, भूकंप, मूदा अपरदन, मिट्टी का संधन, सिंकहोल का निर्माण आदि।

एम.सी. मिश्रा समिति की रिपोर्ट (1976) ने पहले से ही संवेदनशील इस क्षेत्र में अनियोजित विकास की ओर इशारा करते हुए जोशीमठ के बारे में सर्वप्रथम चेतावनी दी थी।

जोशीमठ

के बारे में

- ऋषिकेश-बद्रीनाथ साढ़ीय राजमार्ग (NH-7) (उत्तराखण्ड) पर स्थित
- भूकंपीय क्षेत्र- V के अंतर्गत आता है

सामरिक महत्व

- बद्रीनाथ और हेमकुड साहिब की यात्रा करने वाले पर्यटकों के लिये प्रमुख पारगमन चिन्तु (transit point)
- आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित 4 प्रमुख मठों में से एक का स्थान

धार्मिक महत्व

- बद्रीनाथ और हेमकुड साहिब की यात्रा करने वाले पर्यटकों के लिये प्रमुख पारगमन चिन्तु (transit point)
- आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित 4 प्रमुख मठों में से एक का स्थान

धूँसाव के संभावित कारण

- जोशीमठ प्राचीन भूम्खलन सामग्री पर बना है न कि मूख्य चट्टान पर एक भौगोलिक भ्रंश का पुनः सक्रिय होना (किन्हीं दो चट्टानों/ शैलों के बीच उत्पन्न दरार या विभंग)
- अनियोजित निर्माण
- प्राकृतिक जल प्रवाह में वाधा
- जलविद्युत गतिविधियाँ



विशेषज्ञों की राय:

- क्षेत्र में विकास एवं जलविद्युत परियोजनाओं को पूर्ण रूप से बंद किया जाए।
- जल निकासी योजना का पुनर्विकास
- बेहतर समन्वय- सरकार-नागरिक निकाय - सीमा सङ्गठन
- निवासियों का सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरण
- मिट्टी की क्षमता को बनाए रखने में मदद के लिये पुनः बनीकरण

लाला लाजपत राय

28 जनवरी 1865 - 17 नवंबर 1928



मंक्षिप्त परिचय

- पंजाब केशरी के नाम से भी जाना जाता है
- स्वामी दयानंद सरस्वती से प्रभावित होकर लाहौर में आर्य समाज में शामिल हुए
- विपिन चंद्र पाल और बाल गंगाधर तिलक के साथ चरमपंथी नेताओं के ब्राय (लाल-बाल-पाल) के रूप में प्रसिद्ध
- हिंदू महासभा से जुड़े

राजनीतिक योगदान

- 1907 - बर्मा भेज दिया गया, लेकिन पर्याप्त सबूतों के अभाव में कुछ महीनों बाद वे वापस लौट आए
- 1917 - अमेरिका में होम रूल टीग ऑफ अमेरिका (न्यूयार्क) की स्थापना की
- 1920 - कलकत्ता में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्वेंस के विशेष अधिकारी की अध्यक्षता जहाँ गांधी ने असहयोग आदोलन का संकल्प प्रस्तुत किया
- 1920 - अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कॉन्वेंस के अध्यक्ष (प्रथम) चुने गए
- 1926 - कैंट्रीय विधानमंडल के उपनेता चुने गए
- 1928 - साइमन कमीशन के खिलाफ विधानमंडल में प्रस्ताव पेश किया

सामाजिक योगदान

- 1886 - हीएवी आदोलन की स्थापना
- 1897 - अकाल पीड़ित लोगों की मदद करने और उन्हें मिशनरियों के चंगुल से बचाने के लिये हिंदू राहत आदोलन (Hindu Relief Movement) की शुरुआत
- 1921 - सर्वेट्स ऑफ पीपल सोसाइटी की स्थापना (मातृभूमि की सेवा के हेतु राष्ट्रीय मिशनरियों को सूचीबद्ध करने, प्रशिक्षित करने के लिए)

नोट: सर्वेट्स ऑफ पीपल सोसाइटी वर्ष 1905 में गोपाल कृष्ण गोखले द्वारा स्थापित सर्वेट्स ऑफ हिंदिया से अलग है।

अन्य योगदान

- संस्थान-
 - 1894 - पंजाब नेशनल बैंक की सह-स्थापना
 - महत्वपूर्ण साहित्यिक रचनाएँ-
 - 1908 - द स्टोरी ऑफ माय डिपोर्टेशन
 - 1915 - आर्य समाज
 - 1916 - यंग हुडिया, द यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका: ए हिंदू इम्प्रेशन
 - 1917 - इंजेंइरिंग डेव्हलपमेंट ए हिंदू इंडिया: ए हिंदू इंजिनियरिंग ऑफिस फिल्म्स फिल्म्स फॉर्मेशन
 - 1928 - अन्हैप्पी इंडिया

मृत्यु

- 1928 - लाहौर में साइमन कमीशन के खिलाफ एक मौन विरोध का नेतृत्व करते समय जेन्स स्कॉट द्वारा किये गए लाठीचार्ज में लगी चोटों के कारण



लोकसभा अध्यक्ष



लोकसभा का संवैधानिक/औपचारिक प्रमुख जो इसके दिन-प्रतिदिन के कामकाज की अध्यक्षता करता है

लोकसभा के लिये जैसे अध्यक्ष/उपाध्यक्ष होता है वैसे ही राज्यसभा हेतु सभापति/उपसभापति होता है

भारत में उत्पत्ति

- 1921 (भारत सरकार अधिनियम 1919) प्रेसीडेंट तथा डिप्टी प्रेसीडेंट के रूप में

भारत सरकार अधिनियम, 1935 ने प्रेसीडेंट और डिप्टी प्रेसीडेंट के नामों को क्रमशः अध्यक्ष (Speaker) और उपाध्यक्ष (Deputy Speaker) में बदल दिया

निर्वाचन (अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष दोनों)

- अनुच्छेद 93, भाग V
- एक साधारण बहुमत द्वारा
- पुनः निर्वाचन हेतु पात्र

निर्वाचन हेतु मानदण्ड

- लोकसभा का सदस्य होना चाहिये
- कोई विशेष योग्यता नहीं
- आम तौर पर, सत्ताधारी दल से संबंधित होता है

कार्यकाल:

- 5 वर्ष (अगली लोकसभा की पहली बैठक से ठीक पहले तक)

लोकसभा के भंग होने पर अध्यक्ष/स्पीकर अपना पद तुरंत खाली नहीं करता है

शक्तियाँ

- लोकसभा में भारत के संविधान के प्रावधानों का अंतिम व्याख्याकार;
- उसके निर्णय प्रकृति में बायकारी हैं
- संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता करता है
- गणपूर्ति के अभाव में सदन को भंग/बैठक को स्थगित कर सकता है
- गतिरोध को दूर करने के लिये मतदान करने की शक्ति
- निर्णय करता है:
- कोई विधेयक धन विधेयक है अथवा नहीं
- लोकसभा के सदस्यों की अवोगद्रा (10वीं अनुसूची के तहत) (यह शक्ति 52वें संशोधन अधिनियम, 1985 के माध्यम से प्रदान की गई)

पद से हटाना (शर्तें)

- यदि वह लोकसभा का सदस्य नहीं रहता/रहती
- उपाध्यक्ष को लिखित त्याग-पत्र
- प्रभावी बहुमत से हटाया जाना

नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार (निसार-NISAR)

2 अलग-अलग आवृत्तियों (L-बैंड और S-बैंड) का उपयोग करते हुए पृथ्वी का व्यवस्थित मानचित्रण करने वाला अंतरिक्ष में अपनी तरह का पहला इमेजिंग रडार उपग्रह होगा

SAR एक सीमित रिजॉल्यूशन वाली रडार प्रणाली से उत्कृष्ट-रिजॉल्यूशन वाली छवियाँ प्राप्त करने की तकनीक को संदर्भित करता है जहाँ रडार एक सीधी रेखा में संचालित होता है

निर्माण

- नासा और इसरो के बीच हुए साझेदारी समझौते के तहत जिस पर वर्ष 2014 में पर हस्ताक्षर किये गए

अपेक्षित लॉन्च

- वर्ष 2024 में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से

कार्यकाल/अवस्थिति

- न्यूनतम 3 वर्ष/निकट-धूर्वीय कक्षा

निसार (NISAR) 12 दिनों में पूरी पृथ्वी का मानचित्रण करेगा

इसरो ने उपलब्ध करवाया है

- S-बैंड रडार (नासा: L-बैंड)
- GSLV लॉन्च प्रणाली
- अंतरिक्ष यान

L-बैंड रडार 8-15 सेमी. की तरंग दैर्घ्य और 2-4 गीगाहर्ट्ज की आवृत्ति पर काम करते हैं तथा निकट एवं दूर की सीमा में मौसम के अवलोकन के लिये उपयोगी हैं

L-बैंड रडार 15-30 सेमी. की तरंग दैर्घ्य और 1-2 गीगाहर्ट्ज की आवृत्ति पर काम करते हैं तथा अधिकांशतः बलीयर एवं टर्ब्युलेंस (CAT) के अध्ययन लिये उपयोग किये जाते हैं

लाभ

- पृथ्वी की सतह में मुख्य परिवर्तनों का अवलोकन
- प्राकृतिक आपदाओं के चेतावनी संकेत को चिह्नित करेगा
- भूजल स्तर, ग्लेशियरों/बर्फ की चादरों की प्रवाह दर को ट्रैक करेगा
- वन/कृषि क्षेत्रों की निपारानी

NISAR द्वारा अध्ययन किया जाएगा



गैंडा RHINOCEROS

विश्व गैंडा दिवस - 22 सितंबर (2010 में WWF द्वारा घोषित)

गैंडे की 5 मुख्य प्रजातियाँ

प्रजातियाँ	क्षेत्र, जहाँ पाए जाते हैं	IUCN की रेड लिस्ट में स्थिति	आवास
अफ्रीकन ब्लैक	अफ्रीका	संकट के निकट	लंबी और छोटी घास वाले सवाना क्षेत्र
अफ्रीकन ब्लैक	अफ्रीका	गंभीर रूप से संकटग्रस्त	अर्ध-रेगिस्तानी सवाना
एक सींग वाले गैंडे	एशिया	सुधेद्य	उष्णकटिबंधीय घास के मैदान
जावा	एशिया	गंभीर रूप से संकटग्रस्त।	उष्णकटिबंधीय, उपोष्णकटिबंधीय वन
मुमात्रा	एशिया	गंभीर रूप से संकटग्रस्त।	सवाना की तरह ही

उजुंग कुलोन नेशनल पार्क (यूनेस्को WHS)

पृथ्वी पर अंतिम शेष जंगली जावा राङ्गो का घर है

एक सींग वाले गैंडे

केवल भारत में पाई जाने वाली प्रजाति (इंडियन राङ्गो)



विशेषताएँ

- 5 प्रजातियों में से शब्द से बड़ी प्रजाति
- एक काली सींग और तवा की शिलवटों के साथ एक भूरे रंग की स्थान से पहचाना जाता है



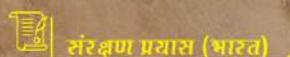
स्वतंत्र

- टींगों के लिये अवैध शिकार
- आवास की कमी
- आनुवंशिक विविधता में कमी



संरक्षित क्षेत्र (भारत)

- उत्तरप्रदेश :
 - दुधावा टाइगर रिजर्व
- पश्चिम बंगाल :
 - जलदगारा राष्ट्रीय उद्यान
 - गोरुमारा राष्ट्रीय उद्यान
- असम :
 - पश्चिमी बन्द्योदय अभयारण्य
 - ओरंग राष्ट्रीय उद्यान
 - कालीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (गैंडों की अधिकतम संख्या ~2400)
 - मानसा राष्ट्रीय उद्यान



संरक्षण प्रयास (भारत)

- राष्ट्रीय राइलो संरक्षण ट्रानीटि
- इंडियन राइलो विबन 2020 (2005 में लॉन्च)

पश्चिमांशी गैंडों पर नई दिल्ली घोषणा 2019

5 राइलों के 5 देशों (भारत, भूटान, नेपाल, इंडोनेशिया और मलेशिया)

द्वारा उन्नताकारित



सरोजिनी नायडू

(13 फरवरी, 1879 - 2 मार्च, 1949)



संक्षिप्त परिचय

- एक राजनीतिक कार्यकर्ता, नारी अधिकारवादी, कवियत्री
- भारत कोकिला (The Nightingale of India) के रूप में लोकप्रिय

उनकी जयंती (13 फरवरी) को राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है।

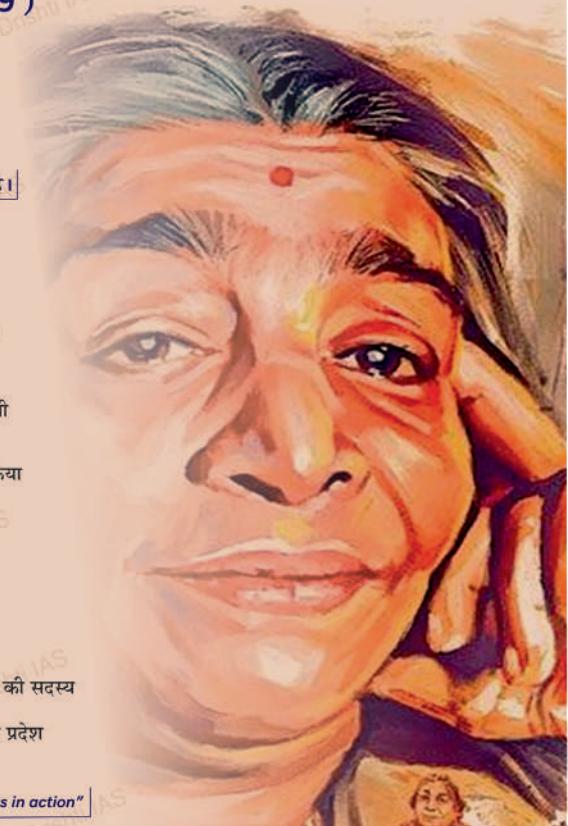
भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान

- वर्ष 1905 में बंगाल विभाजन के दौरान भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल हुईं।
- वर्ष 1925 में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस की पहली भारतीय महिला अध्यक्ष (इनसे पूर्व वर्ष 1917 में गैर-भारतीय नारीवादी एनी बेसेंट)
- भारतीय-ब्रिटिश सहयोग के लिये गोलमेज़ सम्मेलन (1931) के दूसरे सत्र के लिये गांधी के साथ लैदान गईं, जो कि अनिर्णायक रहा
- नमक सत्याग्रह आंदोलन (1930) की एक प्रमुख नेता; धरासणा सत्याग्रह का नेतृत्व किया
- विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व किया

अन्य योगदान

- एक प्रसिद्ध कवियत्री: द गोल्डन थ्रेसहोल्ड (1905), द ब्रॅड ऑफ टाइम (1912), द ब्रोकन विंग (1912), इन द बाजार्स ऑफ हैंदराबाद (1912)
- महिला अधिकारों का समर्थन: वर्ष 1927 में स्थापित अखिल भारतीय महिला सम्मेलन की सदस्य
- भारत की पहली महिला राज्यपाल: वर्ष 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद उन्हें उत्तर प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया

" We want deeper sincerity of motive, a greater courage in speech and earnestness in action "



सावित्रीबाई फुले

(03 जनवरी, 1831 - 10 मार्च, 1897)

19वीं सदी की एक प्रमुख समाज सुधारक जिन्होंने महिला शिक्षा के क्षेत्र में काम किया

आरंभिक जीवन

- जन्म माती समुदाय में (महाराष्ट्र)
- 9 वर्ष की आयु में 13 वर्षीय ज्योतिराव फुले के साथ विवाह- भारत के सामाजिक और शैक्षणिक इतिहास में एक असाधारण युगल

सामाजिक योगदान

- व्यक्तिगत
 - काव्य फुले (1854) और बावन काशी सुबोध रत्नाकर (1892) का प्रकाशन
 - वर्ष 1852 में महिलाओं के अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये 'महिला सेवा मंडल' की शुरुआत
 - वंचित समुदायों के लिये 'गो, गेट एजुकेशन' कविता की रचना
 - ज्योतिबा की मृत्यु (1890) के बाद सत्यशोधक समाज को आगे बढ़ाया



ज्योतिबा के साथ

- 1848 में पुना में लड़कियों, शूद्रों और अति-शूद्रों के लिये एक स्कूल शुरू किया (महिलाओं के लिये भारत का पहला स्कूल जिसे भारतीयों द्वारा शुरू किया गया)
- 1850 के दशक में नेटिव फीमेल स्कूल (पुणे) और सोसायटी फॉर प्रमोटिंग दि एजुकेशन ऑफ महाराष्ट्र एंड मॉर्स की शुरुआत
- अपने ही घर में बालहत्या प्रतिबंधक गृह की शुरुआत

दैतार्जी सुभाष चंद्र बोस

जन्म

- 23 जनवरी, 1897 ('पराक्रम दिवस' के रूप में मनाया जाता है)

आपदा प्रबंधन में भारत में व्यक्तियों/संगठनों द्वारा प्रदान की गई नियमार्थ सेवा सम्मानित करने हेतु हर साल 23 जनवरी को सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार की घोषणा की जाती है।

आरंभिक जीवन



- इंडियन सिपिल सर्विसेज (ICS) परीक्षा उत्तीर्ण की (1919) लेकिन बाद में त्याग-पत्र दे दिया
- स्वामी यिहेकानन्द को अपना आध्यात्मिक गुरु मानते थे

कॉन्ट्रोस (INC) में राजनीतिक जीवन

- विना शर्त स्वराज (Unqualified Swaraj) अर्थात् स्व-शासन का समर्थन किया
- वर्ष 1930 के नक्कल सत्याग्रह में सक्रिय रूप से भाग लिया
- सविनय अवज्ञा आंदोलन के निलंबन तथा गांधी-इरविन समझौते (वर्ष 1931) पर हस्ताक्षर करने का विरोध किया
- हरिपुरा (1938) और चिपुरी (1939) में कॉन्ट्रोस के अध्यक्ष का सुनाव जीता
- गांधी जी से वैचारिक मतभेद के कारण कॉन्ट्रोस से इस्तीफा दिया (1939)
- राजनीतिक वामपंथ को मज़बूत बनाने हेतु एक नई पार्टी 'फ़ारवर्ड लॉंग' की स्थापना

आजाद हिन्द फौज/इंडियन नेशनल आर्मी (INA)

- जुलाई 1943 में जर्मनी से जापान-नियंत्रित सिंगापुर पहुंचे वहाँ से उन्होंने अपना प्रसिद्ध नाम 'दिल्ली बल' जारी किया
- उन्होंने 'जय हिन्द' का नारा भी दिया
- अक्टूबर 1943 में आजाद हिन्द सरकार और INA के गठन की घोषणा की
- INA ने इंफाल (भारत) और बर्मा में भिन्न देशों की सेनाओं का भुकावला किया (1944)

इंडियन नेशनल आर्मी का गढ़न पहली बार मोहन सिंह और जापानी मेजर इहिती फुजियारा के नेतृत्व में किया गया था तथा इसमें मलय (वर्तमान मलेशिया) अमियान के दोसरा सिंगापुर में जापान द्वारा केंद किये गए विटिङ्ग-भारतीय सेना के युद्ध वंडियों को शामिल किया गया था।

मृत्यु

- ऐसा माना जाता है कि वर्ष 1945 में उस समय उनका निधन हो गया जब उनका विमान ताइवान में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।



भारतीय सेना का थिएटराइज़ेशन

थिएटराइज़ेशन

- यह एक अवधारणा है जो तीनों सेनाओं- थल सेना, वायु सेना और नौसेना- की क्षमताओं को एकीकृत करने और युद्ध एवं ऑपरेशनों के लिये इनके संसाधनों का इष्टतम उपयोग करने का प्रयास करती है।
- इसके तहत विशिष्ट थिएटर कमान/कमांड या यूनिट्स निर्मित की जाएंगी जो भौगोलिक (जैसे- किसी विशेष देश के साथ सीमा की नियारानी हेतु) अथवा थीम आधारित (जैसे- सभी प्रकार के समुद्री खतरों के लिये एक कमांड) हो सकती हैं।
- चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) को संयुक्त/थिएटर कमांड की स्थापना का काम दिया गया है।
- अमेरिका और चीन सहित कई देशों के पास थिएटर कमांड हैं।

लाभ

- भारतीय सशस्त्र बलों की सभी शाखाओं के बीच समन्वय
- एकजुट तथा सुगठित लड़ाकू बल
- तीनों सेवाओं के लॉन्जिस्टिक्स का उपयोग
- बेहतर सैन्य अनुकूलन
- संसाधनों का थियेटर विशिष्ट ऑपरेटर जेशन
- शीघ्र संघटन और खुफिया सूचनाओं का साझाकरण

चुनौतियाँ

- बजटीय आवंटन और वित्त का वितरण
- थियेटर कमानों के बहुलीकरण (एक से अधिक संख्या में होने) के कारण परिसंपत्तियों में विखराव होना
- विभिन्न कमानों का नामकरण और अधिकार क्षेत्र
- थियेटर कमानों का नेतृत्व
- सशस्त्र सेवा प्रमुखों की शक्तियों का कमज़ोर होना

वर्तमान में कमान संरचना

- **17 एकल सेवा कमान**
 - » थल सेना-7
 - » नौसेना-7
 - » वायु सेना-3
- **2 त्रि-सेवा कमान [सामरिक बल कमान]** तथा अंडमान और निकोबार कमान

शेकटकर समिति की सिफारिश (2015)

- **3 एकीकृत थियेटर कमानों की स्थापना:**
 - » उत्तरी-चीन सीमा
 - » पश्चिमी-पाकिस्तान सीमा
 - » दक्षिणी-समुद्री सुरक्षा



UN हाई सी ट्रीटी

"BBNJ संधि" जिसे "ट्रीटी ऑफ द हाई सी" के रूप में भी जाना जाता है,

UNCLOS के ढाँचे के तहत राष्ट्रीय अधिकार क्षेत्र से परे क्षेत्रों की समुद्री जैवविविधता के संरक्षण और सतत् उपयोग पर एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है। पहली बार, संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों ने उच्च समुद्रों में जैव विविधता की रक्षा के लिये एक एकीकृत (कानूनी रूप से बाध्यकारी) संधि पर सहमति व्यक्त की है।

हाई सी (High Seas-HS)

संपूर्ण पृथ्वी के सभी खारे जल के बे निकाय जो किसी राज्य के क्षेत्रीय समुद्र/आंतरिक जल का हिस्सा नहीं हैं

संधि की पृष्ठभूमि

हाई सी में समुद्री जीवन की रक्षा के लिये एक अद्यतन ढाँचे की मांग, लगभग 20 साल पुरानी है।

HS की सुरक्षा की आवश्यकता क्यों

- वर्तमान में केवल 1.2% HSs संरक्षित हैं
- विलुप्त होने के जोखिम में वैश्विक समुद्री प्रजातियों का 10%
- वाणिज्यिक मछली पकड़ने, खनन, अम्लीकरण, प्रदूषण के कारण खतरे में वृद्धि

महासागर संरक्षण पर अंतिम अंतर्राष्ट्रीय समझौता **1982** में हस्ताक्षरित था

यह संधि **UNCLOS** के तहत तीसरा "कार्यान्वयन समझौता" है।

प्रमुख बिंदु

- महासागरीय जीवन के संरक्षण का प्रबंधन करने और हाई सी में समुद्री संरक्षित क्षेत्रों को स्थापित करने के लिये एक नई संस्था का निर्माण
- महासागरों में वाणिज्यिक गतिविधियों के लिये EIAs के संचालन हेतु ज़मीनी नियमों का निर्माण

प्रमुख देश

यूरोपीय संघ, यूएस, युके और चीन (समझौते की ब्रोकरिंग में)

महत्व

- UN CBD COP15 पर 30x30 लक्ष्य सेट प्राप्त करना
- महासागर के $\frac{1}{3}$ (+ तटीय समुदायों की आजीविका) का कानूनी संरक्षण
- पृथ्वी की सतह पर $>40\%$ लुमप्राय प्रजातियों/आवासों की व्यापक सुरक्षा

रोडब्लॉक

विकसित/विकासशील राष्ट्रों के बीच समुद्री आनुवंशिक संसाधन (MGR) और अंतिम लाभ कैसे साझा करें



महासागरीय पारिस्थितिक तंत्र हमारे सांस लेने हेतु आवश्यक लगभग आधी ऑक्सीजन उत्पन्न करते हैं, ग्रह के 95% बायोमीडियर का प्रतिनिधित्व करते हैं और CO_2 (दुनिया के सबसे बड़े कार्बन सिंक) को अवशोषित करते हैं।

संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसियाँ-UNAs

UNAs संयुक्त राष्ट्र के साथ काम करने वाले 15 स्वायत्त अंतर्राष्ट्रीय संगठन हैं

भाग I
FAO,
UNIDO
तथा ICAO

FAO

- स्थापना- 16 अक्टूबर 1945 (विश्व खाद्य दिवस)
- मुख्यालय- रोम, इटली
- सदस्य- 194 देश (भारत सहित) + यूपोपियन यूनियन
- सहायक संस्थाएँ- वर्ल्ड फूड प्रोग्राम (WFP), IFAD
- FAO v/s WFP v/s IFAD:
 - » FAO एक सूचना आधारित संगठन है। खाद्य सुरक्षा, कृषि, वानिकी, मत्स्य पालन आदि में तकनीकी विशेषज्ञता के लिये संयुक्त राष्ट्र एजेंसी का नेतृत्व करता है।
 - » WFP एक मानवीय संगठन है। संकट की स्थितियों में जीवन की रक्षा के लिये खाद्य सहायता और रसद संचालन प्रदान करता है।
 - » IFAD एक वित्तीय संस्थान है; पोषण स्तर में सुधार के लिये ग्रामीण विकास परियोजनाओं को धन देता है।

- प्रमुख प्रकाशन:
 - » विश्व मत्स्य पालन और जलीय कृषि राज्य (SOFIA)।
 - » 'स्टेट ऑफ द बल्ड फॉरेस्ट्स'।
 - » विश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण राज्य (SOFI)।
 - » खाद्य और कृषि राज्य (SOFA)।
 - » स्टेट ऑफ एग्रीकल्चरल कमोडिटी मार्केट्स (SOCO)।
 - » विश्व खाद्य मूल्य सूचकांक
- भारत में FAO की विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण कृषि विरासत प्रणालियाँ (GIAHS):
 - » कुट्टनाड समुद्र तल से नीचे कृषि प्रणाली, केरल
 - » कोरापुट ट्रेडिशनल एग्रीकल्चर, ओडिशा
 - » पंधोर केसर हेरिटेज, कश्मीर

‘संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन’ (UNIDO)

- स्थापना- वर्ष 1966 ((1985 में UNSA में परिवर्तित)
- मुख्यालय- विएना, ऑस्ट्रिया
- सदस्य देश- 171 (भारत संस्थापकों में से एक है)
- कार्य- तकनीक-सहयोग, सलाहकार सेवाएँ और साझेदारी को बढ़ावा देना
- महत्वपूर्ण घोषणाएँ- लीमा घोषणा (2013), अबू धाबी घोषणा (2019)

UNIDO SDG 9 के तहत 6 उद्योग-संबंधित संकेतकों के लिये एक संरक्षक एजेंसी है

ICAO

- स्थापना- 1944 (शिकागो अभिसम्मेलन)
- कार्य- शांतिपूर्ण वैशिक हवाई नेविगेशन के लिये मानक/प्राक्रियाएँ निर्धारित करना
- मुख्यालय- मॉट्रियल, कनाडा
- सदस्य- 193 (भारत सहित)

ICAO एक अंतर्राष्ट्रीय विभानन नियामक नहीं है; यह किसी देश के हवाई क्षेत्र को मनमाने देंगे से बंद/प्रतिवर्धित नहीं कर सकता, मार्गों को बंद नहीं कर सकता या हवाई अड्डों/एयरलाइनों को दोषी नहीं ठहरा सकता



Drishti IAS

संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसियाँ- UNSAs

UNSA^s संयुक्त राष्ट्र के साथ काम करने वाले 15 स्वायत्त अंतर्राष्ट्रीय संगठन हैं

मांग ||
UNWTO,
IFAD और
UPU

‘संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन’

- स्थापना- 1975
- मुख्यालय- मेडिन, स्पेन
- कार्य-
 - » उत्तरदायी, सतत और सार्वभौमिक रूप से सुलभ पर्यटन को बढ़ावा देना
 - » पर्यटन के लिये वैशिक आचार संहिता का कार्यान्वयन
 - » सदस्य राज्य- 160 (भारत पिछ्ले 19 वर्षों से UNWTO कार्यकारी परिषद का सदस्य है और दो बार इसकी अध्यक्षा कर चुका है)

विश्व पर्यटन दिवस
27 सितंबर को
मनाया जाता है

यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (UPU)

- स्थापना- 1874 (वर्न की संधि, 1874 द्वारा)
- मुख्यालय - वर्न, रिपब्लिक ऑफ
- कार्य-
 - » सदस्य देशों के बीच डाक नीतियों का समन्वय करता है
 - » इंटरनेशनल मेल एक्सचेंज के लिये नियम नियारित करता है
 - » एक सलाहकार/मध्यस्थी/संपर्क की भूमिका निभाता है
- सदस्य देश- 192 (भारत 1876 में शामिल हुआ)

इंटरनेशनल फंड फॉर एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट (IFAD)

- स्थापना- 1977 (विश्व खाद्य सम्मेलन, 1974 का एक परिणाम)
- मुख्यालय- रोम, इटली
- कार्य-
 - » अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान
 - » विकासशील देशों के ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी ढंगूलन
 - सदस्य देश- 177 (भारत सहित)
 - प्रगत्यापन- ग्रामीण विकास रिपोर्ट (वार्षिक)

UPU विश्व में ITU
(स्थापना 1865) के
बाद दूसरा सबसे
पुराना अंतर्राष्ट्रीय
संगठन है



संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसियाँ- UNSAs

UNSA संयुक्त राष्ट्र के साथ कार्य करने वाले 15 स्थानीय अंतर्राष्ट्रीय संगठन हैं

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO)



एकपात्र त्रिपक्षीय संगठन (सरकार, ट्रेड यूनियन, नियोक्ता)
तथा पहला संबद्ध UNSA

- स्थापना- वर्ष 1919 (वर्साय की संधि)
- मुख्यालय- जिनेवा, स्विट्जरलैंड
- कार्य-
 - » श्रम मानकों का निर्धारण
 - » सभी के लिये गरिमापूर्ण कार्य को बढ़ावा देने हेतु नीतियों एवं कार्यक्रमों का विकास
- सदस्य राष्ट्र- 187 (भारत एक संस्थापक सदस्य + ILO के शासी निकाय का स्थायी सदस्य)

■ अंतर्राष्ट्रीय श्रम संमेलन-

- » यह प्रतिवर्ष जिनेवा में आयोजित किया जाता है।
- » इसे प्रायः अंतर्राष्ट्रीय श्रम संसद के रूप में संदर्भित किया जाता है।

■ कार्यस्थल पर मूलभूत सिद्धांतों और अधिकारों पर ILO का घोषणापत्र 1998

■ (सिद्धांत) -

- » संघ की स्वतंत्रता एवं सापूहिक सौदेबाजी का अधिकार
- » बलात् श्रम या अनिवार्य श्रम का उन्मूलन
- » बाल श्रम का उन्मूलन
- » रोजगार एवं व्यवसाय संबंधी भेदभाव का उन्मूलन



विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)

WHO 7 अप्रैल, 1948 को कार्यात्मक हुआ
(जिसे विश्व स्वास्थ्य दिवस के रूप में मनाया जाता है)

- स्थापना- वर्ष 1948
- मुख्यालय- जिनेवा, स्विट्जरलैंड
- कार्य-
 - » वैशिक स्वास्थ्य मामलों पर मार्गदर्शन प्रदान करना
 - » स्वास्थ्य अनुसंधान संबंधी कार्यमूली को आकार देना
 - » स्वास्थ्य प्रवृत्तियों की निगरानी एवं आकलन
- सदस्य राष्ट्र- 194 भारत सहित)

दक्षिण पूर्व एशिया के लिये WHO का क्षेत्रीय कार्यालय
नई दिल्ली में स्थित है

■ विश्व स्वास्थ्य सभा- WHO का निर्णयन निकाय, सभा का वार्षिक आयोजन जिनेवा में

■ प्रमुख पहले -

- » संयुक्त राष्ट्र स्वस्थ वृद्धावस्था दशक (2021-2030)
- » पोषण पर कारबाईं का संयुक्त राष्ट्र दशक (2016-2025)
- » वैशिक रोगाणुरोधी प्रतिरोध और उपयोग निगरानी प्रणाली (GLASS)- AMR
- » डब्ल्यूएचओ 1+1 पहल (2019) (टीबी)

अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU)



- स्थापना- वर्ष 1865
- मुख्यालय- जिनेवा, स्विट्जरलैंड
- कार्य-
 - » संचार नेटवर्क में अंतर्राष्ट्रीय कनेक्टिविटी को सुगम बनाना
 - » वैशिक रेडियो स्पेक्ट्रम और उपग्रह कक्षाओं का आवंटन

■ सदस्य राष्ट्र- 193 (भारत वर्ष 1952 से एक नियमित सदस्य)

■ महत्वपूर्ण प्रकाशन-

- » ग्लोबल माइक्रोसिक्योरिटी इंडेक्स (GCI)

संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसियाँ

UNSA^s संयुक्त राष्ट्र के साथ काम करने वाले 15 स्वायत्त अंतर्राष्ट्रीय संगठन हैं

भाग IV
WIPO,
WMO
और
IMO



- स्थापना- 1967 (1974 में संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुआ)
- मुख्यालय- जिनेवा, स्विट्जरलैंड

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस

26 अप्रैल

- कार्य-
 - » रचनात्मक गतिविधि को प्रोत्साहित करना, दुनिया भर में बौद्धिक संपदा (IP) के संरक्षण को बढ़ावा देना
 - » अंतर्राष्ट्रीय IP नियमों के प्रारूप को बनाए रखना
- सदस्य- 193 (भारत 1975 में शामिल हुआ)



WMO

- स्थापना- 1873 (अंतर्राष्ट्रीय मौसम विज्ञान संगठन से उत्पन्न हुई- विद्या अंतर्राष्ट्रीय मौसम विज्ञान कांग्रेस)

» WMO अभिसमय 1950 द्वारा UNSA बन गया

WMO मौसम विज्ञान, परिचालन जल विज्ञान और भूभौतिकीय विज्ञान के लिये UNSA है

- मुख्यालय - जिनेवा, स्विट्जरलैंड



- स्थापना- 1948 (जिनेवा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन पर अभिसमय)
- मुख्यालय - लंदन, यूनाइटेड किंगडम
- कार्य-
 - » अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग संबंधी सुरक्षा में सुधार।
 - » जहाजों से होने वाले प्रदूषण को रोकना।
 - » कानूनी मामलों में भी शामिल (देयता, मुआवजे संबंधी मुद्दे)

- WIPO संधियाँ/ अभिसमय जिन्हें भारत ने अनुसमर्थित/स्वीकार किया है -
 - » औद्योगिक संपत्ति के संरक्षण के लिये पेरिस अभिसमय
 - » विश्व बौद्धिक संपदा संगठन की स्थापना हेतु अभिसमय
 - » साहित्यिक और कलात्मक कार्यों के संरक्षण हेतु बर्न अभिसमय
 - » पेटेंट सहयोग संधि
 - » एकीकृत सर्किंट के संबंध में बौद्धिक संपदा पर संधि
 - » ओलंपिक प्रतीक के संरक्षण पर नैरोबी संधि
- प्रकाशन- ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स

विश्व मौसम विज्ञान दिवस - 23 मार्च

- सदस्य गज्ज- 174 (भारत 1959 में शामिल हुआ)

■ महत्वपूर्ण संधियाँ जिन्हें भारत ने अनुसमर्थित किया है:

- » MARPOL (1973) और इसके प्रोटोकॉल
- » समुद्र में जीवन की सुरक्षा के लिये अंतर्राष्ट्रीय अभिसमय (SOLAS, 1974)

IMO ने भारत को उन 10 राज्यों में सूचीबद्ध किया है, जिनकी अंतर्राष्ट्रीय समुद्री व्यापार में सबसे अधिक रुचि है।



केंद्रीय बजट

एक वित्त वर्ष में सरकार की अनुमतियों और व्यय का विवरण

अनुच्छेद 112 (भाग V)

- भारत का राष्ट्रपति प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये संसद के दोनों सदनों के समक्ष वार्षिक वित्तीय विवरण प्रस्तुत करता है।

भारत के संविधान में कहीं भी 'बजट' शब्द का उल्लेख नहीं है

बजट तैयार करने हेतु नोडल निकाय

- बजट प्रभाग (आर्थिक मामलों का विभाग, वित्त मंत्रालय) नीति आयोग और संबंधित मंत्रालयों के परामर्श से

स्वतंत्र भारत का पहला बजट वर्ष 1947 में प्रस्तुत किया गया था।

बजट के प्रमुख घटक

- राजस्व और पूँजी प्राप्तियों का अनुमान
- राजस्व बढ़ाने के तरीके और साधन
- व्यय अनुमान
- समाप्त हो रहे वित्तीय वर्ष की वास्तविक प्राप्तियाँ/व्यय (+कमी/अधिशेष)
- आने वाले वित्तीय वर्ष की आर्थिक और वित्तीय नीति

वर्ष 2017 तक, भारत सरकार द्वारा 2 बजट पारित किये जाते थे- रेल बजट और आम बजट

बजट के चरण

- प्रस्तुति
- आम चर्चा
- विभागीय समितियों द्वारा जाँच
- अनुदान मांगों पर मतदान
- विनियोग विधेयक पारित करना
- वित्त विधेयक पारित करना



भारत का संविधान बजट के लिये अन्य कौन-से प्रावधान करता है?

① राष्ट्रपति की सिफारिश के बिना:

- अनुदान की मांग नहीं की जा सकती
- करारोपण वाला कोई धन विधेयक पेश नहीं किया जा सकता है
- कानून द्वारा किये गए विनियोग के अलावा भारत की संचित निधि से कोई धन नहीं निकाला जा सकता

② संसद की भूमिका:

- धन/वित्त विधेयक (कराधान को शामिल करते हुए) - केवल लोकसभा में प्रस्तुत किया जाता है
- अनुदान की मांग पर मतदान - राज्यसभा के पास ऐसी कोई शक्ति नहीं है।
- धन/वित्त विधेयक - 14 दिनों के भीतर राज्यसभा द्वारा लोकसभा को वापिस भेज दिया जाता है।
- लोकसभा, राज्यसभा द्वारा की गई सिफारिशों को स्वीकृत/अस्वीकृत कर सकता है।

केंद्रीय बजट 2023-24

अमृत काल का पहला बजट

भाग - A

बजट और अमृत काल

- वित्तन- सशक्त, समावेशी अर्थव्यवस्था (प्रोड्रोगिको-चालित, ज्ञान-आधारित एक मज़बूत वित्तीय क्षेत्र के साथ)

बजट के संपर्क

- समावेशी विकास:
 - कृषि:
 - कृषि के लिये डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना
 - कृषि-स्टार्टअप्स के लिये कोष की स्थापना
 - आगामी फसलों के लिये अल्टिनिर्भर स्वच्छ पादप कार्यक्रम
 - भारत को कदन अंथ्रो 'श्री अन्' (पोएक अनाज/कदन) हेतु एक वैशिक केंद्र बनाना
 - शिक्षा एवं कौशल:
 - शिक्षण प्रणिक्षण का सुधार
 - राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय की स्थापना
 - पंचायत/वार्ड स्तर पर पुस्तकालयों की भौतिक उपस्थिति
 - स्वास्थ्य:
 - 157 नए विकित्सा महाविद्यालय
 - सिक्कल सेल एनीमिया के उन्मूलन हेतु मिशन
 - अंतिम छोर तक पहुँचना:
 - आकांक्षी जिला कार्यक्रम की सफलता के आधार पर आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम शुरू किया गया
 - PVTG विकास मिशन शुरू किया जाएगा (निधि-15,000 करोड़ रुपए) प्राचीन पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण के लिये भारत श्री की स्थापना की जाएगी
 - प्राचीन पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण के लिये भारत श्री की स्थापना की जाएगी
 - अवसंरचना और निवेश:
 - पूँजी निवेश परिव्यय 33% बढ़कर 10 लाख करोड़ रुपए (अब GDP का 3.3%)
 - राज्य सरकारों को 50 वर्ष के ब्याज मुक्त ऋण को एक और वर्ष के लिये जारी रखने का फैसला
 - टियर 2/3 शहरों के लिये शहरी अवसंरचना विकास निधि (UIDF) की स्थापना की जाएगी
 - अवसंरचना और निवेश:
- क्षमता उभारना:
 - कंपनी अधिनियम 2013 में संशोधन (3,400 से अधिक कानूनी प्रावधारों को गैर-अपराधीकृत किया गया)
 - विश्वास पर आधारित शासन को आगे बढ़ाने के लिये जन विश्वास विधेयक पेश किया गया
 - ई-न्यायालय चरण III
- हरित विकास:
 - राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन
 - गोबरधन (GOBARdhan) योजना- 500 नए 'अपशिष्ट से आमदनी' संयंत्र
 - पीएम प्रणाम- वैकल्पिक उर्वकों का उपयोग करने के लिये राज्यों/केंद्रसामित्र प्रदेशों को प्रोत्साहित करना
 - पीटी (MISHTI) initiative for mangrove plantation
- युवा शक्ति:
 - पीएम कौशल विकास योजना 4.0 शुरू की जाएगी
 - राष्ट्रीय शिशुता प्रोत्साहन योजना के तहत प्रत्यक्ष लाभ अंतरण
- वित्तीय क्षेत्र:
 - MSME के लिये क्रेडिट गारंटी योजना को नया प्रारूप दिया गया
 - अंतिक 2 लाख करोड़ रुपए के संपादित मुक्त गारंटीकृत ऋण
 - क्रेडिट की लागत लगभग 1% कम हो जाएगी
 - महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र- एकमुश्त ईंलघु बचत योजना - 2 वर्ष के लिये (मार्च 2025)

राजस्व प्रबंधन

- राजस्व धारा:
 - 6.4% (वित्तीय वर्ष 22-23)
 - जोड़ापी का- 5.9% अनुमानित (वित्तीय वर्ष 23-24)
 - लक्ष्य - <4.5% (वित्तीय वर्ष 25-26 तक)
 - राज्यों को अपने सकल राज्य धरेलू उत्पाद (GSDP) का 3.5% घाटा रखने की अनुमति



Drishti IAS

केंद्रीय बजार

2023-24

PART - B

प्रत्यक्ष कराधान

- व्यक्तिगत आयकर:
 - छूट की सीमा बढ़ाकर 7 लाख रुपए कर दी गई है।
 - आयकर स्लैब की संख्या घटाकर 5 कर दी गई है।
 - कर में छूट की नई सीमा = 3 लाख रुपए।
- मानक कटौती में बदलि:
 - वेतनभोगी कर्मचारियों के लिये: 50,000 रुपए
 - परिवारिक पेशन: 15,000 रुपए।
- प्रकल्पित कराधान इसीमा में बदलि:
 - MSMEs के लिये (शर्त: नकद में प्राप्त राशि कुल सकल प्राप्तियों के 5% से कम)

EEE श्रेणी- संपूर्ण निवेश, आय और ब्याज को कर से छूट प्रदान की जाती है

नई कर व्यवस्था के अंतर्गत आय स्लैब

नई कर व्यवस्था के अंतर्गत आयकर की दर

0-3 लाख रुपए तक	शून्य
3 लाख से 6 लाख रुपए तक	5%
6 लाख से 9 लाख रुपए तक	10%
9 लाख से 12 लाख रुपए तक	15%
12 लाख से 15 लाख रुपए तक	20%
15 लाख रुपए से अधिक	30%

- सहकारिता हेतु:
 - विनिर्माण गतिविधियाँ शुरू करने वाली नई सहकारी समितियों को 15% का रियायती कॉर्पोरेट कर
- छूट (आयकर):
 - आवास, शहर, कर्बे और गाँव के विकास/विनियमन हेतु स्थापित सभी वैधानिक प्राधिकरण/बोर्ड/आयोग
 - अशिव्वीथ योजना में नामांकित अशिव्वीर
 - अशिव्वीर निधि को EEE (Exempt-Exempt-Exempt) का दर्जा दिया गया है।

अप्रत्यक्ष कराधान

- सीमा शुल्क:
 - ↑ सोने और प्लॉटिनम से बने सामानों, चाँदी से निर्मित डोरे/बार/सामानों पर
 - ↑ सिगरेट पर राशीय आपदा आकस्मिता शुल्क: ~16%
- छूट:
 - मिश्रित CNG में निहित संर्पिलित बायोगैस
 - परीक्षण एंजेसियाँ जो वाहनों, ऑटोमोबाइल पार्क का आयात करती हैं
 - रासायनिक उद्योग में प्रयुक्त विवृत परियाल अल्कोहल
- सीमा शुल्क कानूनों में विधायी परिवर्तन:
 - संशोधित सीमा शुल्क अधिनियम, 1962- आवेदन दायर होने के बाद समाधान हेतु अंतिम निर्णय लेने के लिये नी महीने की समयसीमा
 - केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017- Central GST Act, 2017 - कराधान आदि के लिये न्यूनतम और चक्रवृद्धि राशियों में परिवर्तन।

वैश्विक खुशहाली रिपोर्ट 2023 WORLD HAPPINESS REPORT 2023

पहली बार 2012 में प्रकाशित, WHR लोगों की सुखी के स्तर-आकलन +
कुछ सामाजिक आर्थिक आँकड़ों पर आधारित है

प्रकाशन

- संयुक्त राष्ट्र सत्र विकास समाधान नेटवर्क

6 मुख्य कारक



हैप्पीनेस स्कोर

- 0-10 (10 सबसे अच्छा है)
- 3 साल की अवधि के औसत डेटा के आधार पर

20 मार्च के आसपास इंटरनेशनल टै ऑफ हैप्पीनेस सेलिब्रेशन
के हिस्से के रूप में प्रकाशित

वैश्विक प्रदर्शन

- फिनलैंड- दुनिया का सबसे खुशहाल देश (बगातार छठी बार)
- शीर्ष 5 देश- फिनलैंड > डेनमार्क > आइसलैंड >
इबराइल > नीदरलैंड
- यूक्रेन- युक्रेन के बावलूद प्रदर्शन में सुधार (92वाँ),
रूस 70वें स्थान पर रहा
- अफगानिस्तान- 2020 के बाद से सबसे नीचे

डायस्टोपिया (यूटोपिया के विपरीत) - एक काव्यनिक देश निसमें दुनिया के सबसे कम खुश लोग हैं

भारत की रैंकिंग

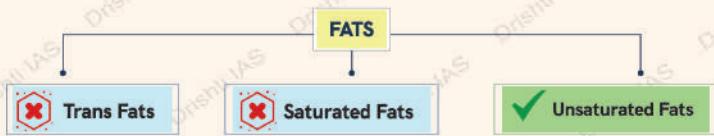
- 137 में से 126 (2022 की रैंकिंग- 136/146)
- चीन (74), पाकिस्तान (108), श्रीलंका (112), स्थाँमार (117),
बांग्लादेश (118) और नेपाल (119) से नीचे



Drishti IAS

ट्रांस फैटी एसिड (TFA)

ये असंतुप्त वसीय अम्ल (Unsaturated Fatty Acids) हैं जो प्राकृतिक या औद्योगिक स्रोतों से प्राप्त होते हैं।



- **वसा (Fat):** ऊर्जा का एक प्रमुख स्रोत है और शरीर में विटामिन को अवशोषित करने में मदद करता है
- + **असंतुप्त वसा (Unsaturated Fats):** अच्छे वसा; प्रायः द्रवित तेल के रूप में पाए जाते हैं न कि ठोस वसा के रूप में।
 - पौधों से प्राप्त (वनस्पति तेल, बादाम आदि, बीज)
- **संतुप्त वसा (Saturated Fats):** यदि कम मात्रा में सेवन किया जाए तो ट्रांस वसा जितना हानिकारक नहीं है; आम तौर पर ये ठोस रूप में प्राप्त होते हैं
 - लाल मांस, मक्खन, चीज़, नारियल तेल, पाम और यांत्रियल से
- + **प्राकृतिक TFA:**
 - कम मात्रा में बीफ फैट तथा डेयरी फैट में

औद्योगिक TFA:

- ट्रांस फैट, जिसे आंशिक रूप से हाइड्रोजनीकृत तेल भी कहा जाता है, तब बनते हैं जब वनस्पति तेल को अधिक ठोस बनाने के लिये हाइड्रोजन का उपयोग किया जाता है।
- उदाहरण: वनस्पति, कृत्रिम मक्खन और दूध से बने बैंकरी पदार्थ

संबद्ध मुद्दे:

- अधिकांश हानिकारक वसा रोग के जोखिम को बढ़ाते हैं, भले ही इनका सेवन कम मात्रा में किया जाए
- खराब LDL (कम घनत्व वाले लिपोप्रोटीन) को बढ़ाते हैं और अच्छे LDL को कम करते हैं

ट्रांस फैट पर तर्क

पक्ष:

- प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला ट्रांस फैट मनुष्यों के लिये हानिकारक नहीं है
- शुद्ध धी का सस्ता और सुलभ विकल्प
- भोजन को अधिक समय तक सुरक्षित रखता है

विपक्ष:

- हृदय, रक्त वाहिकाओं, शरीर के बाकी हिस्सों के लिये सबसे खराब प्रकार का वसा
- मोटापे, बांझपन, कुछ प्रकार के कैंसर, उच्च रक्त दाब का कारण
- संतुप्त वनस्पति वसा जैसे- पाम, पाम कर्नेल और नारियल का तेल आदि इसका उपयुक्त विकल्प हो सकते हैं

WHO का अनुमान है कि कोरोनरी हृदय रोग जो ट्रांस फैट के सेवन से होता है, के कारण 50,00,000 लोगों की समय-पूर्व मृत्यु हो जाती है।

TFA के सेवन को कम करने हेतु प्रयास:

- **FSSAI द्वारा:**
 - "ट्रांस फैट @75 से मुक्ति" का लक्ष्य
 - "ट्रांस फैट फ्री" लोगो - TFA मुक्त उत्पादों को बढ़ावा देने के लिये स्वैच्छिक लेबलिंग
 - "हार्ट अटैक रिवाइंड" - औद्योगिक रूप से उत्पादित ट्रांस फैट के उन्मूलन हेतु मास मीडिया अभियान

WHO द्वारा:

- **REPLACE अभियान** - वर्ष 2023 तक औद्योगिक रूप से उत्पादित ट्रांस फैट का उन्मूलन
- **सिफारिश-** औद्योगिक रूप से उत्पादित ट्रांस फैट की सीमा निर्धारित की जाए या आंशिक रूप से हाइड्रोजनीकृत तेलों पर प्रतिबंध लगाया जाए

भारत के शास्त्रीय नृत्य

⇒ शास्त्रीय नृत्यों के संबंध में जानकारी प्रदान करने वाला प्रथम लोकप्रिय स्रोत भरत मुग्नि का नाट्यशास्त्र है।

दो आधारभूत तत्त्व

लास्य

- इसमें लालित्य, भाव, रस तथा अभिनय विरूपित होते हैं।
- यह नारी की विशेषताओं का प्रतीक है।

ताडव

- इसमें लय तथा गति पर अधिक बल दिया जाता है।
- यह नर अभिमुखताओं का स्वरूप है।

तीन आधारभूत तत्त्व (नंदिकेश्वर के प्रसिद्ध ग्रन्थ अभिनय दर्पण के अनुसार)

नृत्त

- नृत्य का आधारभूत पद संचालन
- लयबद्ध विरूपण
- अभिव्यक्ति या मनोदशा का समावेश नहीं
- नाट्यकीय विरूपण
- नृत्य प्रस्तुति के माध्यम से विश्वरूप कथा का विरूपण

नाट्य

- नर्तन के माध्यम से रस तथा भावों का वर्णन
- नर्तन में अभिव्यक्ति की विभिन्न विधियाँ या मुद्राएँ

नृत्य

- ⇒ आधारभूत मुद्राओं की संख्या 108 है, जिनमें से प्रत्येक का प्रयोग विशिष्ट भाव का चित्रण करने के लिये किया जाता है।
- ⇒ संगीत नाटक अकादमी के अनुसार, वर्तमान में भारत में आठ शास्त्रीय नृत्य विधाएँ हैं।

भरतनाट्यम्

तमिलनाडु

सत्रिया
असम

कथक
उत्तरी भारत

ओडिशी
ओडिशा

कथकली
केरल

भारतीय शास्त्रीय
नृत्य विधाएँ

मोहिनीअष्टम
केरल

कुचिपुड़ी
आंध्रप्रदेश

मणिपुरी
मणिपुर

भरतनाट्यम् (तमिलनाडु)

वृत्त्य का सबसे प्राचीनतम् रूप



उत्पत्ति

सादिरः मंदिर नर्तकों या देवदासियों की एकल वृत्त्य प्रस्तुति।

इसे 'दाशीअडम' भी कहा जाता है।

उल्लेख

नदिकेश्वर की रथना अभिनय दर्शण में। प्राचीन काल के चित्रों तथा पाठाण एवं धातु की मूर्तियों में। उदाहरण- चिदंबरम मंदिर के गोपुरम्।

वृत्त्य के 7 प्रमुख अवयव

अलगाइप्पू	जातिस्वरम्	शब्दम्	वर्णम्	पद्म	जावली	थिल्लन
• आधारभूत वृत्त्य मुद्राएँ	• वृत्त्य घटक	• अभिव्यक्त	• वृत्त्य घटक	• आध्यात्मिक	• लघु	• प्रस्तुतिकरण
• लयबद्ध शब्दांश	• अभिव्यक्तिरहित	शब्दों के साथ	• वृत्त्य और भावनाओं संदेश का	संभालन	प्रेमजीवि	की समापन
• यह ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त करने का प्रतीक है।	तथा हरकतें	नाटकीय तत्त्व	का संयोजन	अभिनय	• तीव्र गति	अवरथा
		ईश्वर की प्रशंसा	कहानी व्यक्त करने के लिये ताल और राग के साथ	(अभिव्यक्ति)	के साथ	• विशुद्ध वृत्त्य
			तालमेल	हल्का संगीत	प्रस्तुत	
				भावनात्मक	वृत्त्य	

- वृत्त्य पाठ करने वाले व्यक्ति को नटुट्वनार कहते हैं।
- भरतनाट्यम् को प्रायः 'अग्निवृत्त्य' के नाम से भी जाना जाता है। इसमें अधिकांश मुद्राएँ लहराती हुई आग की लपटों के सदृश दिखती हैं।
- भरतनाट्यम् को एकचर्य भी कहा जाता है, जिसमें एक ही नर्तक बहुत-सी अलग-अलग भूमिकाओं को निभाता है।
- तांडव तथा लास्य दोनों पक्षों पर समान बल।
- मुख्य मुद्राः कठखामुख हस्त, जिसमें तीन अंगुलियों को जोड़कर 'ॐ' का प्रतीक निर्मित किया जाता है।

- वाद्ययंत्रः मृदंगम्, वायलिन या वीणा, बाँसुरी, झांझ।
- एकल महिला, पुरुष और नर्तक समूहों द्वारा प्रदर्शन।
- भरतनाट्यम् के प्रमुख समर्थकः रुकिमणी देवी अरुन्डेल, यामिनी कृष्णमूर्ति, लक्ष्मी विश्वनाथन, पद्मा सुब्रह्मण्यम् मृणालिनी साराभाई, मल्लिका साराभाई आदि।



ठलोबल जैडर गैप इंडेक्स 2022

जारीकर्ता विश्व आर्थिक मंच

शीर्ष प्रदर्शनकर्ता आइसलैंड

सबसे निम्न प्रदर्शनकर्ता अफगानिस्तान

चार प्रमुख आयाम



आर्थिक भागीदारी एवं अवसर



शिक्षा प्राप्ति



स्वास्थ्य एवं उत्तरजीविता



राजनीतिक सशक्तीकरण

प्रमुख निष्कर्ष

- लैंगिक समानता तक पहुँचने में 132 साल लगेंगे।
- कोविड का प्रभाव (Shecession): कोविड के चलते आई मंदी ने महिलाओं को प्रमुखता से प्रभावित किया है, इसका मुख्य कारण यह है कि महिलाओं की उपस्थिति उन क्षेत्रों में अधिक थीं जो कोविड के कारण सर्वाधिक प्रभावित हुए जैसे- रिटेल तथा आतिथ्य (होस्पिटैबिलिटी) क्षेत्र।

**भारत का स्थान- 135वाँ
(146 देशों में)**

- “स्वास्थ्य एवं उत्तरजीविता” के आयाम में विश्व में सबसे खराब प्रदर्शनकर्ता।
- समग्र स्कोर में सुधार (0.625 से 0.629) हुआ है। वर्ष 2021 में भारत 156 देशों में 140वें स्थान पर था।
- अपने पड़ोसी देशों की तुलना में खराब स्थिति - बांग्लादेश (71), नेपाल (96), श्रीलंका (110), मालदीव (117) और भूटान (126)।
- दक्षिण एशिया में केवल ईरान (143), पाकिस्तान (145) और अफगानिस्तान (146) का प्रदर्शन भारत से भी खराब है।





Drishti IAS

मानव विकास रिपोर्ट (HDR)

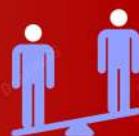


जारीकर्ता: संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP), वर्ष 1990 से।



मानव विकास सूचकांक

- यह विम्बलिंगिया आयानों पर विचार करते हुए मानव विकास में औसत उपलब्धियों की माप करता है:
- जन्म के समय जीवन प्रत्याशा
- द्व्यूमी शिक्षा के प्रतिशत तथा औसत वर्ष
- स्वास्थ्य आय (GNI)
- 0.633 के स्कोर के साथ HDI में भारत वर्ष 2020 के 130वें स्थान (191 देशों में) से वर्ष 2022 में 132वें स्थान पर पहुँच गया है।
- सूचकांक में रियट्सरलेट 0.962 के स्कोर के साथ पहले स्थान पर है।



असमानता-समायोजित HDI (IHDI)

- यह मानव विकास का वह स्तर है जहाँ असमानता पर विचार किया जाता है।
- असमानता के संदर्भ में विचार करते के बाद वर्ष 2021-22 के लिये भारत के HDI में 25% की गिरावट दर्ज की गई (अर्थात् इसमें 0.475 अंक प्राप्त किए)।
- आवादी के सबसे अधिक 1 प्रतिशत व्यक्तियों द्वारा धारित आय का छिस्ता सबसे गरीब 40 प्रतिशत लोगों द्वारा धारित आय से अधिक है।

HDR के तहत सूचकांक



लैंगिक विकास सूचकांक (GDI)

- यह महिलाओं और पुरुषों के संदर्भ में HDI का आकलन करता है। यह अनुपात 1 के जितना निकट होगा, HDI के संदर्भ में महिलाओं और पुरुषों के बीच लैंगिक अतंताल उत्तरा ही कम होगा।
- भारत 0.849 के स्कोर के साथ इस मापदंड में विश्व औसत से काफी पीछे है।



लैंगिक असमानता सूचकांक (GII)

- यह तीन असायानों के आधार पर लैंगिक असमानता का मूल्यांकन करता है:
- प्रजनन स्पष्ट्य
- सांस्कृतिक प्रशंसन
- बन बाजार
- GII का लिखा भाज महिलाओं और पुरुषों के बीच कम असमानता को दृष्टिकोण से अधिक असमानता का संकेतक है।
- 0.490 के स्कोर के साथ भारत 122 वें स्थान पर है, जो इसके भाजिला बाजारिकों के लिये असमानता की स्थिति को दर्शाता है।



बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI)

- यह विकासशील देशों में लोगों के समक्ष स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर के संदर्भ में आने वाले विभिन्न अभावों को दर्शाता है।
- वर्ष 2019 तक, भारत में 381 मिलियन से अधिक लोग बहुआयामी गरीबी से पीड़ित थे।



ग्रीनी दबाव समायोजित मानव विकास सूचकांक (PHDI)

- यह मानव HDI को देश के कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन और श्रीतिक पदचिह्न के स्तर (देशों ही प्रति व्यक्ति के आधार पर) से सम्बन्धित करता है।
- इसे HDR 2020 में प्रस्तावित किया गया था।
- भारत ने वर्ष 2021-22 के लिये PHDI में 0.609 का स्कोर प्राप्त किया गया है।

कुचिपुड़ी (आंध्रप्रदेश)

उत्पत्ति

17वीं शताब्दी में एक वैष्णव कवि सिद्धेन्द्र योगी ने यक्षगान के रूप में कुचिपुड़ी शैली की कल्पना की। कुचिपुड़ी आंध्रप्रदेश के कृष्णा ज़िले में स्थित एक गाँव का नाम है। शृंगार रस की प्रधानता। विषयवस्तु: पंथ-निरपेक्ष

प्रदर्शन

कावुलम: नृत्य (व्यापक कलावाजी) तथा नृत्य (शुद्ध नृत्य)
सोल्लाकाय या पताकार: नृत्य भाग समूह प्रदर्शन
मुख्य विषयवस्तु: भागवत पुराण की कहानियाँ
नर्तकों को भागवतालु कहा जाता है।
लास्य और तांडव दोनों तत्त्व महत्वपूर्ण हैं।

वाद्ययंत्र

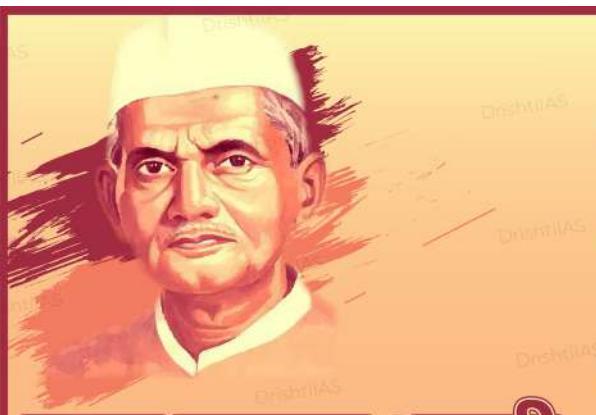
- मृदंगम
- मंजीरा
- वायलिन या वीणा

एकल प्रदर्शन

मङ्कू शब्दम: एक मेढ़क की कहानी।
तरंगम: नर्तक अपने कर्तव को एक पीतल की तश्तरी के किनारे पर पाँव रखकर तथा अपने सिर पर एक जल पात्र या दीयों के एक सेट को संतुलित रखते हुए प्रस्तुत करता है।
जल वित्र नृत्यम: नर्तक/नर्तकी अपने पैर के अंगुठों से सतह पर वित्र खींचता/खींचती है।

प्रसिद्ध प्रतिपादक

- राधा रेड़ी
- यामिनी
- इंद्राणी रहमान
- राजा रेड़ी
- कृष्णमूर्ति



लाल बहादुर शास्त्री

शांति पुरुष

परिचय

- जन्म: 2 अक्टूबर, 1904 मुग्लसराय (उत्तर प्रदेश)
- काशी विद्यापीठ: दर्शनशास्त्र तथा नीतिशास्त्र में उपाधि
- परिदृश्य नारा: 'जय जयान जय किसान'
- भारत रत्न (1966): भरणीपत्रात
- आचिवन सदस्य: लोक सेवा मंडल (लाला लाजपत राव ढारा स्थापित)

राजनीतिक जीवन

- 1928: भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस में शामिल
- 1930: स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेना शुरू किया

आजादी के बाद का राजनीतिक जीवन

- 1935: यूपी प्रादेशिक कॉंग्रेस कमेटी (पीसीसी) के महासचिव
- 1940: अधिकारित सत्याग्रह में भाग लिया और जेल भी गए
- 1942: जेल से रिहा; भारत आंदोलन में उत्तमपूर्वक भाग लिया

भारत के प्रधानमंत्री (1964-66)

- 1964: भारत गणराज्य के हितोंय प्रधानमंत्री
- 1964: श्रवण क्रांति की पालन की
- 1965: राष्ट्रीय डेवरी विकास बोर्ड (एनडीटीबी) की स्थापना की।
- 1965: हरिया क्रांति के द्वारा पहल की।

कार्यकाल में युद्ध

- 1962: चीन के साथ युद्ध
- 1965: पाकिस्तान के साथ युद्ध

मृत्यु

- 11 जलवटी, 1966: ताशकंद, उज़्बेकिस्तान में
- पाकिस्तान के साथ वर्ष 1965 के युद्ध की समाप्ति हेतु शांति समिधि पर हस्ताक्षर करने के दीक एक दिन बाद
- 1978: ए.ए.ए. बर्मा द्वारा एक पुरुष 'लिलिता' के और्दू प्रकाशित की गई थी
- पुरुष में उनकी मृत्यु की दुलाद कहानी का आझायन उनकी पत्नी लिलिता देवी द्वारा किया गया है
- 1977: राज नारायण सरिंगात - शास्त्री जी की रहन्यमती मृत्यु की जांच करने के लिये
- विजय यात्रा: शास्त्री जी का समाधि रथयात्रा
- आई.ए.एस. प्रशिक्षण संस्थान, नसूरी: इसका नाम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलनीएसएनए) रखा गया है

“अनुशासन और एकजुट कार्रवाई राष्ट्र के लिये शक्ति के वास्तविक स्रोत हैं”

d | दृष्टि

मोहिनीअट्टम (केरल)

- इसे मोहिनी (भगवान विष्णु का एक अवतार) का नृत्य भी कहा जाता है।
- मूल रूप से नृत्यांगनाओं द्वारा किया जाने वाला नृत्य।
- पैरों की थाप नहीं होती है।
- कदमताल सौम्य होती है।
- विष्णु के स्त्रैण नृत्य (स्त्री) की कहानी का वर्णन।

प्रस्तुतिकरण

अधिकांशतः
एकल नृत्य।

नृत्य में लास्य पहलू
(सौदर्य, लालित्य) का
प्रभुत्व होता है।

कथकली के उत्साह के
साथ-साथ भरतनाट्यम का
लालित्य और कोमलता
का समावेश।

प्रसिद्ध मलयाली कवि
वी.ए.ज. भेनन ने कल्याणी
अम्मा के साथ इसे पुनर्जीवित
किया।

मोहिनीअट्टम का उल्लेख

- मङ्गमंगलम नारायण नंबूदिरी द्वारा 1709 में लिखित “व्यवहारमाला” में।
- बाद में कवि कुंजन नम्बियार द्वारा लिखित “घोषयात्रा” में।

वाद्ययंत्र

एडवका (मुरुद्य)

मृदंगम

वीणा

बाँसुरी

कुजिच्चालम
या मंजीरा

वेशभूषा

- केरल की कसाबु साड़ी।
- श्रेत और श्रेताभ (धूमिल सफेद) मुख्य रंग तथा सुनहरे रंग के बेल-बूटे की डिजाइनों की उपस्थिति।
- घंटियों (धुँधल) की चमड़े की पट्टी।

‘अटवकुल या अटावुस’ चालीस मूल नृत्य गतियों का संग्रह है।



नियोबैंक (NEOBANK)

परिचय

- नियोबैंक एक तरह का डिजिटल बैंक है जिसकी कोई शाखा नहीं होती है। किसी विशिष्ट स्थान पर भौतिक रूप से उपस्थित होने के बजाय, नियोबैंकिंग पूरी तरह से ऑनलाइन है।
- ये परिचालन लागत को कम करते हुए ग्राहकों को व्यक्तिगत सेवाएँ प्रदान करते हैं। ऐसे ग्राहकों को अपयोगिकी और कृत्रिम वुड्डिमत्ता का उपयोग करते हैं।
- नियोबैंक ने पारंपरिक बैंकों के जटिल बुनियादी ढाँचे और 'क्लाइंट ऑनबोर्डिंग' प्रक्रिया को चुनौती देते हुए 'चैलेंजर बैंक' के टैग के साथ वित्तीय प्रणाली में प्रवेश किया था।
- उदाहरण: रेजरपेएक्स (RazorpayX), जुपिटर (Jupiter), नियो (Niyo), ओपन (Open) आदि।

डिजिटल बैंक बनाने का नियोबैंक

- डिजिटल बैंक प्रायः बैंकिंग क्षेत्र में स्थापित और विनियमित विंडो आधारित ऑनलाइन कंपनी है।
- इसी ओर नियोबैंक, बिना किसी भौतिक शाखा के स्वतंत्र रूप से या पारंपरिक साझेदारी में पूरी तरह से ऑनलाइन रूप में मौजूद होता है।

चुनौतियाँ

नियामक बाधाएँ, अवैयक्तिक, सीमित सेवाएँ, डेटा प्राइवेसी

लाभ

कम लागत, सुविधाजनक, गति, पारदर्शिता, गहन अंतर्दृष्टि

विनियमन

- भारत में इन फर्मों के पास स्वयं का कोई बैंक लाइसेंस नहीं है, ये लाइसेंस प्राप्त सेवाएँ प्रदान करने के लिये बैंक भागीदारों पर निर्भर हैं।

आवश्यकता

- स्मार्टफोन उपलब्धता: वर्ष 2020 तक भारत में स्मार्टफोन के उपयोग की दर 54% थी, जो वर्ष 2040 तक 96% तक बढ़ने का अनुमान है। 80% आवादी के पास कम-से-कम एक बैंक खाता होने के बावजूद वित्तीय समावेशन के स्तर में अभी तक सुधार नहीं हुआ है।



ओडिसी (ଓଡିଶା)



“

- आधार: नाट्यशास्त्र तथा अभिनय दर्पण।
- निरूपण: लालित्य, कामुकता एवं सौदर्य से पूर्ण।
- इसे 'सचल मृति' के रूप में भी जाना जाता है।
- ओडिसी नृत्य के प्रारंभिक उदाहरण: उदयगिरी-खंडगिरी की गुफाएँ।
- मुख्य रूप से 'महारियों' द्वारा किया जाता है।
- संरक्षण: राजा खारवेल द्वारा।
- बिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत, ओडिसी नृत्य की संगत करता है।

”

“

ओडिसी नृत्य के प्रमुख तत्त्व

- मंगलाधरण:
- नृत्य की शुरुआत।
- इसमें पृथ्वी माता को पुष्ट अर्पण।
- बादू नृत्य:
- इसमें बिंबंग और चौक मुद्राएँ शामिल होती हैं।
- पल्लवी:
- चेहरे के भावों की प्रमुखता।
- संगीतात्मक संयोजन का दृश्यात्मक प्रदर्शन।
- यादिङ्गम:
- समापन से पहले शुद्ध नृत्य।

”

“

प्रसिद्ध प्रतिपादक

- गुण एंकज चरण दास
- गुण केलघरण महापात्र
- सोनल मानसिंह
- शेरौन लोवेन (अमेरिका)
- आनंदिनी दास (अर्जेंटीना)

”

“

नरताला

- ओडिसी नृत्य का एक रूप।
- इसका प्रदर्शन राज दरबारों में किया जाता था।
- प्रदर्शन के प्रमुख विषय
- भगवान विष्णु के विभिन्न अवतार।
- जयदेव द्वारा रचित गीत-गोविन्द के पद।
- दो प्रमुख मुद्राएँ
- बिंबंग: शरीर गते, घड़ और घुटने पर मुद्रा होता है।
- चौक: यह एक वर्ण (चौकोर) की स्थिति है।

”

”

समापन या अतिम अंश के दो प्रकार

- गोका: मुकिं दर्शने वाली आनंदपूर्ण लय-ताल।
- त्रिकंड मनुरा: कलाकार देवताओं, दर्शकों और मंच से बाहर निकलने की अनुमति लेते हैं।
- परिधान
- सुपरिकृत केश-विव्यास
- चाँदी के आभूषण
- लंबा कंठहार



वाद्ययंत्र

ढोल

पखावज

बाँसुरी
मंजीरा

सितार

ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ONDC)

ONDC क्या है?

ONDC सरकार द्वारा समर्थित एक प्लेटफॉर्म है जो सभी के लिये स्वतंत्र रूप से उपलब्ध है। इसका उद्देश्य ई-कॉमर्स को बस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद और बिक्री वाले प्लेटफॉर्म को दिग्नें मॉडल से ओपन नेटवर्क में स्थानांतरित कर इसे सभी के लिये सुलभ बनाना है। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को एक ही प्लेटफॉर्म के माध्यम से सभी भागीदार ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से उत्पादों का क्रय करने में सक्षम बनाना है। यह वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत उद्योग और आंतरिक व्यापार संबद्धन विभाग (DPIIT) की एक पहल है।

प्लेटफॉर्म कोट्रिट मॉडल क्या है?

प्लेटफॉर्म एक व्यापार मॉडल है जो दो या दो से अधिक अन्योन्याश्रित समूहों, आमतौर पर खरीदारों और विक्रेताओं के बीच आदान-प्रदान की सुविधा द्वारा मूल्य प्राप्त करता है। एक ही प्लेटफॉर्म के माध्यम से होने वाले लेन-देन के लिये खरीदारों और विक्रेताओं को एक ही ऐप पर उपस्थित होना चाहिये। उदाहरण के लिये, किसी खरीदार को अमेज़न (Amazon) पर किसी विक्रेता से उत्पाद खरीदने के लिये अमेज़न के ही ऐप या वेबसाइट पर जाना होगा।

लाभ

यह कैटलॉगिंग, इन्वेंट्री प्रबंधन, ऑर्डर प्रबंधन और ऑर्डर पूर्ति जैसे कार्यों का मानकीकरण करेगा, जिससे नेटवर्क पर छोटे व्यवसायों को हूँड पाना तथा व्यवसाय का संचालन करना और अधिक आसान हो जाएगा। खरीदारों के लिये अधिक विक्रेताओं तक पहुँच का विकल्प होगा और हाइपर-लोकल रिटेलर्स तक एकसमस्त के चलते सामानों को डिलीवरी भी तेज़ी से हो सकेगी।

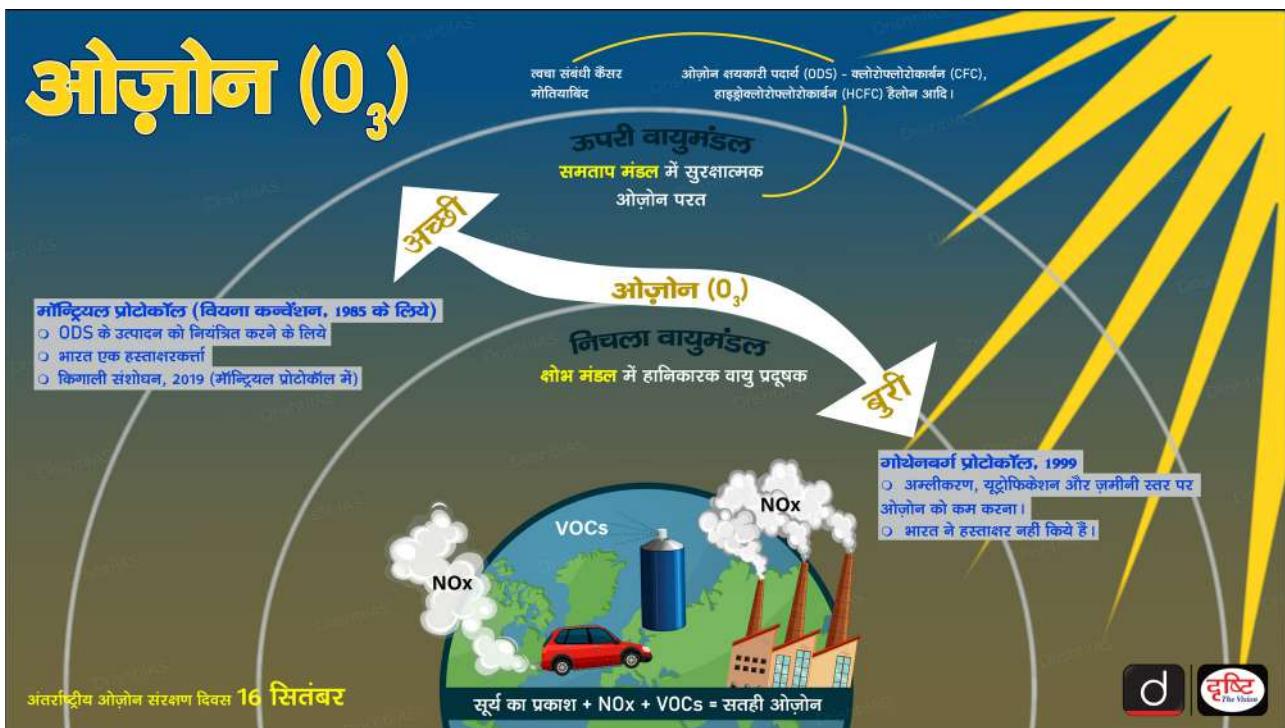
ONDC कैसे अलग है?

ONDC मॉडल डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस (UPI) की सफलता को दोहराने का प्रयास है। ONDC के तहत वह परिकल्पना की गई है कि किसी भी भागीदार ई-कॉमर्स साइट (उदाहरण के लिये, अमेज़न) पर पंजीकृत खरीदार किसी अन्य ग्राहितागी ई-कॉमर्स साइट (उदाहरण के लिये, फिलपार्ट) पर विक्रेता से सामान खरीद सकता है। ओपन नेटवर्क की अवधारणा खुदरा क्षेत्र से अलग किसी भी डिजिटल कॉमर्स डोमेन तक विस्तारित है जिसमें थोक बिक्री, परिवहन, खाद्य वितरण, रसद, यात्रा, शहरी सेवाएँ आदि शामिल हैं।

संभावित मुद्दे

साइन अप के लिये पर्याप्त संख्या में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की उपलब्धता, ग्राहक सेवा से संबंधित मुद्दे और भुगतान एकीकरण।





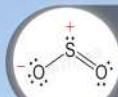
वायु प्रदूषक



क्षणिक प्रदूषक/प्रदृशक नीटर (PM):

- PM10: ऐसे कण जो श्वास के माध्यम से शरीर में प्रवेश करते हैं, इनका व्यास सामान्यतः 10 मिमी, या उससे भी कम होता है।
- PM2.5: ऐसे सूखे कण जो श्वास के माध्यम से शरीर में प्रवेश करते हैं, इनका आकार सामान्यतः 2.5 मिमी, या उससे भी कम होता है।
- झोंक: ये इनके उत्पादन नियमण स्थलों, कच्ची मइको, खेतों/पैदानों तथा आग से उत्पन्न होते हैं।
- प्रभाव: हड्डी की खड़कतों का अनियंत्रित होना, अस्थमा का और गंभीर हो जाना तथा फेफड़ों की कार्यक्षमता में कमी।

नोट: इन प्रमुख वायु प्रदूषकों को वायु गुणवत्ता सूचकांक में शामिल किया गया है जिसके लिये अल्पकालिक गश्टीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक निर्धारित किये गए हैं।



सल्फर डाइऑक्साइड (SO₂):

- परिचय: यह जौशरम ईंधन (तेल, कोयला और प्रकृतिक गैस) के उपयोग से उत्पन्न होता है तथा बल के साथ अभिक्रिया कर अस्थमा करता है।
- प्रभाव: श्वास संबंधी समस्याओं का कारण बनता है।



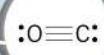
ओजोन (O₃):

- परिचय: सूर्य के प्रकाश में अभिक्रिया के तहत अन्य प्रदूषकों (छोड़ और टॉक) से बनने वाला द्वितीयक प्रदूषक।
- प्रभाव: अंधे और श्वास संबंधी श्लेष्म जिल्हों में जलन होना तथा अस्थमा के लिए।



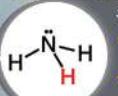
नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (NO₂):

- परिचय: यह तब बनता है जब नाइट्रोजन ऑक्साइड (छोड़) और अन्य नाइट्रोजन ऑक्साइड (नाइट्रस एसिड और नाइट्रिक एसिड) हावा में अन्य रसायनों के साथ प्रतिक्रिया करते हैं।
- प्रभाव: श्वास रोग साथ ही यह अस्थमा को भी बढ़ा सकता है।



कार्बन मोनो ऑक्साइड (CO):

- परिचय: यह कार्बन युक्त यौगिकों के अमृत दहन में प्राप्त एक उत्पाद है।
- प्रभाव: मार्गित की ओर आमोनिया का अपायोग पहुंच के कारण धकन होता है, प्रम को स्थिति बिता होना और बकलन आना।



अमोनिया (NH₃):

- परिचय: आमोनी एसिड और अन्य यौगिकों के चयापचय द्वारा उत्पादित जिनमें नाइट्रोजन उत्पादन होता है।
- प्रभाव: आंखें, नाक, गले और श्वासन मार्ग में तुरंत जलन और इसके परिणामस्वरूप अस्थमा, कफ़दा की झाँट हो सकती है।



शीरा/लेड (Pb):

- परिचय: चारों, पर्यावरण और लोहे जैसी खाद्यों के निकारण के कारण आम सर्वाधित अस्त्रका से अर्थात् उत्पाद के स्पष्ट में मुक्त होता है।
- प्रभाव: पर्यावरण, कमज़ोरी और गुरुत तथा मर्मिक की शक्ति।

डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर



(14 अप्रैल, 1891–06 दिसंबर, 1956)

बाबासाहेब अंबेडकर
भारतीय संविधान के जनक



योगदान

- हिंदुओं के खिलाफ वर्ष 1927 में महाड़ सत्याग्रह का नेतृत्व
- तीनों गोलमेज सम्मेलनों में भाग लिया
- दलित वर्गों के लिये पृथक् निर्वाचक मंडल के विचार को त्यागने के लिये महात्मा गांधी के साथ वर्ष 1932 के पूना पैक्ट पर हस्ताक्षर किये
- प्रातीय विधायिकाओं में वचित वर्गों के लिये आरक्षित सीटों को 71 से बढ़ाकर 147 और केंद्रीय विधानसभा में 18% कर दिया गया था।
- जमू-कश्मीर के विशेष दर्जे का विरोध (अनुच्छेद 370)
- समाज नागरिक संहिता का समर्थन
- अनुच्छेद 32 को “संविधान की आत्मा और इसके हृदय” के रूप में संदर्भित किया

संक्षिप्त परिचय

- एक समाज सुधारक, न्यायविद, अर्थशास्त्री, लेखक और तुलनात्मक धर्मों के विचारक
- वायसराय की कार्यकारी परिषद (1942) में श्रम मामलों के जानकार सदस्य
- नए संविधान के लिये मसौदा समिति के अध्यक्ष
- भारत के प्रथम विधि मंत्री
- मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित (1990)

त्याग-पत्र और बौद्ध धर्म

- हिंदू कोड बिल पर मतभेद के कारण वर्ष 1951 में उन्हें कैविनेट से त्याग-पत्र देना पड़ा
- बौद्ध धर्म को अपनाया; उनकी मृत्यु को महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है

महत्वपूर्ण पत्रिकाएँ

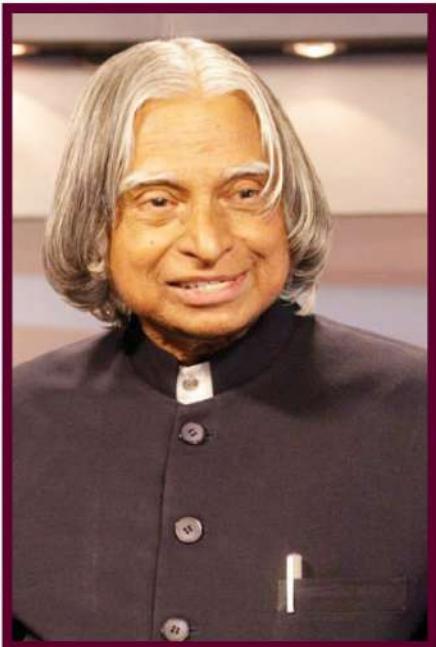
- मूकनायक (1920)
- बहिष्कृत भारत (1927)
- समता (1929)
- जनता (1930)

संगठन

- ‘बहिष्कृत हितकारिणी सभा’ की स्थापना (1923)
- स्वतंत्र लेबर पार्टी की स्थापना (1936)
- शेड्यूल कास्ट फेडरेशन की स्थापना (1942)

पुस्तकें

- जाति का विनाश (Annihilation of Caste)
- बुद्ध या कार्ल मार्क्स (Buddha or Karl Marx)
- अछूत: वे कौन थे और अछूत कैसे बने (The Untouchable: Who are They and Why They Have Become Untouchables)
- हिंदू महिलाओं का उदय और पतन (The Rise and Fall of Hindu Women)



डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ("मिसाइल मैन ऑफ इंडिया")

“दृढ़ संकल्प वह शक्ति है जो हमें हमारी सभी कुंठओं और बाधाओं के माध्यम से देखती है। यह हमारी इच्छाशक्ति के निर्माण में मदद करती है जो सफलता का आधार है।”

संक्षिप्त परिचय

- ★ जन्म: 15 अक्टूबर, 1931 रामेश्वरम (तमिलनाडु)
- ★ इनके जन्मदिवस को राष्ट्रीय नवाचार दिवस (National Innovation Day) तथा विश्व विद्यार्थी दिवस (World Students' Day) के रूप में मनाया जाता है।
- ★ भारत के 11वें राष्ट्रपति (2002-2007)
- ★ मृत्यु: 27 जुलाई, 2015 शिलांग (मेघालय)

पुरस्कार

- पद्म भूषण (1981)
- पद्म विभूषण (1990)
- भारत रत्न (1997)
- वीर सावरकर पुरस्कार (1998)
- किंग चार्ल्स द्वितीय मेडल (2007)
- हूवर मेडल (2008)

प्रमुख योगदान

- फाइबरग्लास टेक्नोलॉजी के प्रणेता
- एकीकृत मार्गदर्शित मिसाइल विकास कार्यक्रम (IGMDP) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी।
- पोखरण-2 परमाणु परीक्षण का नेतृत्व इसरो के प्रक्षेपण यान कार्यक्रम, विशेष रूप से PSLV के विकास की व्यक्तिगत जिम्मेदारी
- टेक्नोलॉजी विजन 2020 नामक एक देशव्यापी योजना को प्रस्तुत किया
- देश के हल्के लड़ाकू विमान परियोजना में शामिल रहे।
- PURA (Providing Urban Amenities to Rural Areas) योजना के माध्यम से ग्रामीण समृद्धि लाने की मांग की

साहित्यिक रचनाएँ

- “विंग्स ऑफ फायर”, “इंडिया 2020-ए विजन फॉर द न्यू मिलेनियम”, “माय जर्नी”, “इग्नाइटेड माइंडस-अनलीशिंग द पॉवर विदिन इंडिया”, “इनडोमिटेबल स्पिरिट”, “गाइडिंग सोल्स”, “इनविजिनिंग एन एम्पॉवर्ड नेशन”, “इंसपाइरिंग थॉट्स” आदि।



अपोलो के परवर्ती मिशन

- नासा के आर्टेमिस मिशन को प्रसिद्ध अपोलो अंतरिक्ष कार्यक्रम की अगली पीढ़ी के रूप में जाना जाता है
- इसका लक्ष्य वर्ष 2025 तक मनुष्य को चंद्रमा पर भेजकर पुनः पृथ्वी पर वापस लाना है और बाद में एक आधार स्थापित करना है जो भविष्य में मंगल ग्रह के मानव अन्वेषण के लिये एक कदम के रूप में काम कर सकता है।

आर्टेमिस 1 चंद्रमा से 64000 किमी. दूर उड़ान भरने और पृथ्वी पर वापस आने से पहले चंद्रमा की सतह के भीतर 97 किमी. तक ओरियन कैप्सूल के प्रवेश हेतु 25 दिन की परीक्षण उड़ान पूरी करेगा।

आर्टेमिस 2 वर्ष 2024 में उड़ान भरेगा और चंद्रमा पर बिना किसी टचडाउन के चंद्रमा की कक्षा में तीन लोगों के दल को ले जाएगा।



आर्टेमिस 1 तीन परीक्षण डमी के साथ पहली उड़ान भरी है, यदि तीन-सप्ताह की परीक्षण उड़ान सफल हुई तो रॉकेट चालक दल के एक खाली कैप्सूल को चंद्रमा के चारों ओर एक चौड़ी कक्षा में ले जाएगा और फिर कैप्सूल दिसंबर में प्रशांत क्षेत्र में पृथ्वी पर वापस आ जाएगा।

आर्टेमिस 3 वर्ष 2025 के लिये निर्धारित है और यह अपोलो मिशन के बाद पहली बार अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर ले जाएगा।



जैवविविधता अभिसमय के पक्षकारों का 15वाँ सम्मेलन (CBD COP 15)



- जैवविविधता पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (CBD) 1993 - जैवविविधता के संरक्षण के लिये एक कानूनी रूप से बाध्यकारी संधि
- CBD के पक्षकारों का सम्मेलन अभिसमय का शासी निकाय है

पक्षकारों का सम्मेलन-COP

COP 1 (1994)

- नसाऊ, बहामास
- 29 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस के रूप में प्रस्तावित किया गया

EXCOP 1

- UN CBD COP की पहली विशेष बैठक
- कार्टाजेना, कोलंबिया (फरवरी 1999) और मॉन्टेन्यूल, कनाडा (जनवरी 2000)
- जैवसुरक्षा पर कार्टाजेना प्रोटोकॉल को अपनाया गया

COP 8 (2006)

- कुर्तीबा, ब्राजील
- ग्लोबल बायोडायवर्सिटी आउटलुक (GBO) रिपोर्ट 2 (वर्ष 2001 में GBO 1)

COP 5 (2000)

- नैरोबी, केन्या
- UNGA ने 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस के रूप में अपनाया

COP 10 (2010)

- नागोया, जापान
- नागोया प्रोटोकॉल (अनुवांशिक संसाधनों तक पहुँच और लाभों का समुचित एवं समान साझाकरण) को अपनाया गया
- जैवविविधता के लिये रणनीतिक योजना 2011-20 और आइची जैवविविधता लक्ष्य
- ग्लोबल बायोडायवर्सिटी आउटलुक (GBO) रिपोर्ट 3

COP 6 (2002)

- होगा, नीदरलैंड्स
- ग्लोबल टैक्सोनॉमी इनिशिएटिव, ग्लोबल स्ट्रेजी फॉर प्लांट कंजर्वेशन को अपनाया गया

COP 11 (2012)

- हैदराबाद, भारत

COP 14

- शर्म अल शेख, मिस्र

COP 15

चरण-I

- कुनमिंग, चीन में आयोजित किया गया (अक्टूबर 2021)
- थीम- पारिस्थितिक सभ्यता: पृथ्वी पर सभी जीवन के लिये एक साझा भविष्य का निर्माण (Ecological Civilization% Building a Shared Future for All Life on Earth)
- कुनमिंग बायोडायवर्सिटी फंड

चरण-II

- मॉन्टेन्यूल, कनाडा में आयोजित किया गया
- 2020 के बाद वैश्विक जैवविविधता रूपरेखा (Post 2020 Global Biodiversity Framework)- 4 लक्ष्य तथा 23 उद्देश्य, जिन्हें 2030 तक हासिल करना है
- 30 इल 30 लक्ष्य- 2030 तक स्थलीय, आंतरिक और तटीय और समुद्री क्षेत्रों का कम-से-कम 30 प्रतिशत प्रभावी ढंग से संरक्षित और प्रबंधित करना
- किसी भी देश ने अपनी सीमाओं के भीतर सभी 20 आइची लक्ष्यों (जो 2020 में समाप्त हुए) को पूरा नहीं किया

चीता (Cheetah)



सामान्य नाम: एशियाई चीता

वैज्ञानिक नाम: एसिनोनिक्स जुबेटस (*Acinonyx jubatus*)

- ⇒ एसिनोनिक्स जुबेटस जुबेटस (एशियाई चीता)
- ⇒ एसिनोनिक्स जुबेटस वेनाटिक्स (अफ्रीकी चीता)

विशेषताएँ:

- ⇒ विश्व का सबसे तेज दौड़ने वाला स्तनधारी
- ⇒ चीते अपनी क्षमता के बजाय गति के लिये जाने जाते हैं; जब ये अपने शिकार का पीछा करते हैं तो यह केवल **200-300** मीटर के लिये तथा **1** मिनट से कम अवधि का होता है।
- ⇒ शेर, लकड़बग्ध और तेंदुए जैसे अन्य शक्तिशाली शिकारियों से प्रतिस्पर्द्धा से बचने के लिये चीते मुख्य रूप से दिन के दौरान शिकार करते हैं।

अफ्रीकी चीता बनाम एशियाई चीता:

- ⇒ **अफ्रीकी:** हल्के भूरे और सुनहरे रंग की त्वचा; एशियाई चीते से मोटी
 - ❖ चेहरों पर धब्बों तथा रेखाओं की प्रथानता
 - ❖ पूरे अफ्रीका महाद्वीप में पाए जाते हैं
 - ❖ **IUCN रेडलिस्ट में स्थिति:** सुभेद्रा (*Vulnerable*)
- ⇒ **एशियाई:** अफ्रीकी चीतों से थोड़े छोटे
 - ❖ हल्के पीले रंग की त्वचा: शरीर के नीचे विशेष रूप से घेट पर अधिक बाल
 - ❖ केवल ईरान में पाए जाते हैं; देश द्वारा यह दावा किया जाता है कि अब यहाँ केवल **12** चीते शेष हैं।
- ⇒ **वर्ष 1952:** एशियाई चीता को आधिकारिक रूप से भारत से विलुप्त घोषित किया गया
 - ❖ **IUCN रेडलिस्ट में स्थिति:** घोर संकटग्रस्त (*Critically Endangered*)



एशियाई चीता



अफ्रीकी चीता

भारत में चीतों का पुनर्वास:

- ⇒ राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) की 19वीं बैठक में MoEF-CC द्वारा “भारत में चीता पुनर्वास के लिये कार्ययोजना” जारी की गई थी। (जनवरी 2022)
 - ❖ इसी तरह की एक कार्ययोजना सर्वप्रथम वर्ष **2009** में प्रस्तावित की गई थी।
- ⇒ सितंबर **2022** में नामीबिया से आठ चीतों को भारत में पुनर्वास हेतु लाया गया।
 - ❖ इन आठ चीतों को मध्यप्रदेश के कुनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान में स्थानांतरित किया जाएगा।
- ⇒ नामीबिया से भारत में चीतों का स्थानांतरण विश्व भर में किसी बड़े मांसाहारी जानवर की पहली स्थानांतरण परियोजना है।



विजेता

- ◆ कैरोलिन आर. बटोंजी, के. बैरी शार्पलेस और मोर्टन मेल्डल को 'क्लिक केमिस्ट्री' एवं बायोऑथोगोनल केमिस्ट्री के विकास के लिये' रसायन विज्ञान में 2022 का नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार

2022

- ◆ शार्पलेस (दूसरी बार जीते) ने 'क्लिक केमिस्ट्री' शब्द पर बड़े पैमाने पर काम किया। मेल्डल, ने स्वतंत्र रूप से 'ट्रायोजोल' नामक एक विशेष रासायनिक संरचना के बारे में खोज की जिसके कई महत्वपूर्ण अनुप्रयोग हैं। बटोंजी ने क्लिक प्रतिक्रियाओं को विकसित करने का काम किया जो जीवित जीवों के अंदर काम कर सकते थे, इसे 'बायोऑथोगोनल' प्रतिक्रियाएँ (एक शब्द जिसे उन्होंने गढ़ा था) कहा जाता है।
- ◆ वे रसायन को व्यवहारात्मक युग में ले आए हैं।

अनुसंधान के निष्कर्ष



- ◆ क्लिक केमिस्ट्री की अवधारणा:
 - ◆ क्लिक केमिस्ट्री की अवधारणा वर्ष 2000 के आसपास बैरी शार्पलेस द्वारा गढ़ी गई थी, उन्होंने पाया कि कार्बन परमाणुओं, कार्बनिक पदार्थों के निर्माण खंडों को अणुओं के निर्माण की प्रक्रिया में एक-दूसरे के साथ बंधन के लिये मजबूर करने के बजाय, छोटे अणुओं को पूर्ण कार्बन ढाँचे के साथ जोड़ना आसान है।
 - ◆ एजाइड-एल्काइन साइक्लोएडिशन:
 - ◆ मेल्डल ने पाया कि एल्काइन और एसाइल हैलाइड के बीच होने वाली अभिक्रिया में कॉपर आयनों को जोड़ने से अप्रत्याशित रूप से एक ट्राइजोल (एक स्थिर रिंग के आकार की रासायनिक संरचना) बनती है जो फार्मास्यूटिकल्स, डाइ और कृषि रसायनों में एक सामान्य विनिर्माण तत्व है।
 - ◆ एल्काइन और एजाइड मिलकर एक ट्राइजोल बनाते हैं। एजाइड एक N3 (नाइट्रोइड आयन) कार्बनिक यौगिक है, जबकि एल्काइन एक हाइड्रोकार्बन है जिसमें कम-से-कम एक कार्बन-कार्बन ट्रिपल बॉण्ड होता है।
 - ◆ बायोऑथोगोनल अभिक्रियाएँ:
 - ◆ ये अभिक्रियाएँ जीवों के अंदर कोशिका के सामान्य रसायन विज्ञान को बाधित किये बिना काम करती हैं।
 - ◆ नैनोटेक्नोलॉजी के संयोजन में इसके उपयोग से बायोमेडिसिन के विभिन्न क्षेत्रों में और विकास हो सकता है, जैसे कि अणविक बायोइमेजिंग, लक्षित वितरण, स्वस्थाने दवा सक्रियण (*in situ drug activation*), कोशिका-नैनोमटेरियल इंटरैक्शन का अध्ययन, बायोसेंसिंग आदि।
 - ◆ शार्पलेस और मेल्डल के काम का उपयोग करते हुए बटोंजी, ग्लाइकन का मानचित्रण करने के लिये एक कुशल और अभिनव विधि के साथ आए, जो कि सभी जीवित जीवों द्वारा बनाए गए कार्बोहाइड्रेट-आधारित बहुलक हैं।
 - ◆ बटोंजी कार्य का उपयोग ट्यूमर कोशिकाओं की सतह पर ग्लाइकन की पहचान करने और उनके सुरक्षात्मक तंत्र को अवरुद्ध करने के लिये किया जा रहा है जो प्रतिरक्षा कोशिकाओं को अक्षम कर सकते हैं।
 - ◆ उसकी बायोऑथोगोनल अभिक्रियाएँ अब कई अन्य अनुप्रयोगों के बीच अधिक लक्षित कैंसर उपचार में योगदान दे रही हैं।
 - ◆ वैक्टरमन रामकृष्णन रसायन विज्ञान (2009) में नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले एकमात्र भारतीय हैं। उन्होंने राइबोसोम की संरचना और कार्य के अध्ययन के लिए थॉमस ए. स्टीट्ज और एडा ई. योनाथ के साथ पुरस्कार साझा किया।



भारत के मुख्य न्यायाधीश (सर्वोच्च न्यायालय के प्रमुख)

CHIEF JUSTICE OF INDIA
(Head of the Supreme Court)



भारत के 49वें मुख्य न्यायाधीश (CJI):

◇ जस्टिस उदय उमेश ललित

अहंता:

◇ भारत का नागरिक हो।

◇ निम्नलिखित में से किसी एक अहंता को पूरा करता हो:

- ◆ किसी उच्च न्यायालय में या ऐसे दो या अधिक न्यायालयों में लगातार कम-से-कम 5 वर्षों तक न्यायाधीश रहा हो, अथवा
- ◆ किसी उच्च न्यायालय में या ऐसे दो या अधिक न्यायालयों में लगातार कम-से-कम 10 वर्षों तक अधिवक्ता रहा हो, अथवा
- ◆ राष्ट्रपति की राय में पारंगत विधिवेत्ता हो।
- ◇ संविधान ने सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिये न्यूनतम आयु-सीमा निर्धारित नहीं की है।
- ◆ सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश 65 वर्ष की आयु तक अपना पद धारण कर सकते हैं।

नियुक्ति:

- ◇ CJI की नियुक्ति संविधान के अनुच्छेद 124 (2) के तहत राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- ◇ प्रोटोकॉल के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश को CJI के रूप में नामित किया जाता है।
- ◇ सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश की सिफारिश के संबंध में आधिकारिक तौर पर मौजूदा CJI द्वारा विधि और न्याय मंत्रालय को सूचित किया जाता है, जिसे आगे प्रधानमंत्री को भेजा जाता है।
- ◆ प्रधानमंत्री राष्ट्रपति को सिफारिश पर सलाह देता है और राष्ट्रपति इसकी बाद में नियुक्ति करता है।

भूमिका:

◇ राष्ट्रपति और राज्यपालों की शपथ।

- ◆ “मास्टर ऑफ द रेस्टर”, CJI के पास सर्वोच्च न्यायालय में मामलों की सुनवाई के लिये बेंच गठित करने की शक्ति है। CJI तय करता है कि कौन सा न्यायाधीश किस मामले की सुनवाई करेगा और कब करेगा।
- ◇ CJI (सर्वोच्च न्यायालय के चार वरिष्ठतम न्यायाधीशों के कॉलेजियम के साथ) से राष्ट्रपति द्वारा सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिये परामर्श किया जाता है।
- ◇ CJI संविधान के अनुच्छेद 127 के तहत सर्वोच्च न्यायालय तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति करता है।
- ◇ राष्ट्रपति की मंजूरी से CJI दिल्ली से किसी अन्य स्थान पर सर्वोच्च न्यायालय की पीठ स्थानातरित कर सकते हैं।
- ◇ CJI केंद्र और राज्यों के बीच वित्तीय विवाद को सुलझाने के लिये मध्यस्थ नियुक्त कर सकता है।

हटाए जाने की प्रक्रिया:

- ◆ राष्ट्रपति के आदेश से
 - ◆ संसद द्वारा राष्ट्रपति को प्रस्तुत एक समावेदन के बाद ही किया जा सकता है।
 - ◆ संसद के प्रत्येक सदन के विशेष बहुमत द्वारा समर्थित (अर्थात उस सदन की कुल सदस्यता के बहुमत से और उस सदन के उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के कम-से-कम दो-तिहाई बहुमत से)।
- ◇ निकासन का आधार- सिद्ध कदाचार या अक्षमता (अनुच्छेद 124(4))।

सर्वोच्च न्यायालय ने वर्ष 2019 में फैसला सुनाया कि CJI का कार्यालय RTI अधिनियम, 2005 के दायरे में आता है।



चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS)



पृष्ठभूमि:

- ◆ **अनुशंसा:**
 - * के. सुब्रमण्यम् समिति 1999
 - * लैफिटेनेंट जनरल डीवी शेक्टकर (सेवानिवृत्त) समिति 2015
- ◆ **भारत के पहले CDS:** जनरल विपिन गवत (नियुक्ति 1 जनवरी, 2020 को)

योग्यता:

- ◆ कोई भी सेवारत या सेवानिवृत्त लैफिटेनेंट जनरल, एयर माशल और वाइस एडमिरल।
- ◆ नियुक्ति के समय आयु 62 वर्ष से कम होनी चाहिये।

नियुक्ति:

- ◆ मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति द्वारा नियुक्त।
- ◆ 3 वर्ष की अवधि अथवा 65 वर्ष की आयु (जो भी पहले हो) तक पद धारण करता है।

उत्तरदायित्व

सरकार को सिंगल पॉइंट सैन्य सलाह देना

देश के सामरिक समाधानों और परमाणु शास्त्रागार का बेहतर प्रबंधन

अंतर-सेवा मिज़दातों, खरीद की योजनाओं और परिचालानात्मक समस्याओं का समाधान करते हुए सेना, नौसेना और वायु सेना के बीच समर्जस्य

दीर्घकालिक रक्षा योजना और खरीद प्रक्रिया को सुव्यवसित करना रक्षा मंत्रालय के साथ सेवा मुख्यालय को एकीकृत करना और नागरिक-सैन्य विभाजन/अंतराल को कम करना

स्थापित करना।

भूमिकाएँ:

- ◆ चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी (COSC) का स्वायी अध्यक्ष और सैन्य मामलों के विभाग (DMA) का सचिव
- ◆ डिट्रीप्रेटेड डिफेंस स्टाफ का प्रभुवा
- ◆ सदस्यता:
 - * राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद्
 - * नाभिकोय केमांड प्राथिकरण
 - * डिफेंस साइबर एजेंसी
 - * डिफेंस स्पेस एजेंसी
 - * रक्षा अधिग्रहण परिषद्
 - * रक्षा योजना समिति
- ◆ CDS गणराजीक नेतृत्व को नियंत्र सलाह देने के लिये तीनों सेनाओं के प्रमुखों सहित किसी भी सैन्य कमान का प्रयोग नहीं करेगा।

सेवानिवृत्ति के बाद प्रावधान:

- ◆ वह किसी भी सरकारी पद पर आसीन होने के योग्य नहीं होगा।
- ◆ 5 साल की अवधि तक पूर्व अनुमोदन के बिना कोई निजी रोजगार नहीं।

CDS के पद वाले अन्य देश:

- ◆ इटली
- ◆ चीन
- ◆ युनाइटेड किंगडम
- ◆ जापान
- ◆ फ्रांस
- ◆ स्पेन
- ◆ कनाडा



जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक 2023 (CLIMATE CHANGE PERFORMANCE INDEX-CCPI)

जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक 2023:

- यह 57 देशों और यूरोपीय संघ के जलवायु संरक्षण संबंधी उपायों के प्रदर्शन पर नजर रखने के लिये एक स्वतंत्र निगरानी उपकरण के तौर पर कार्य करता है।

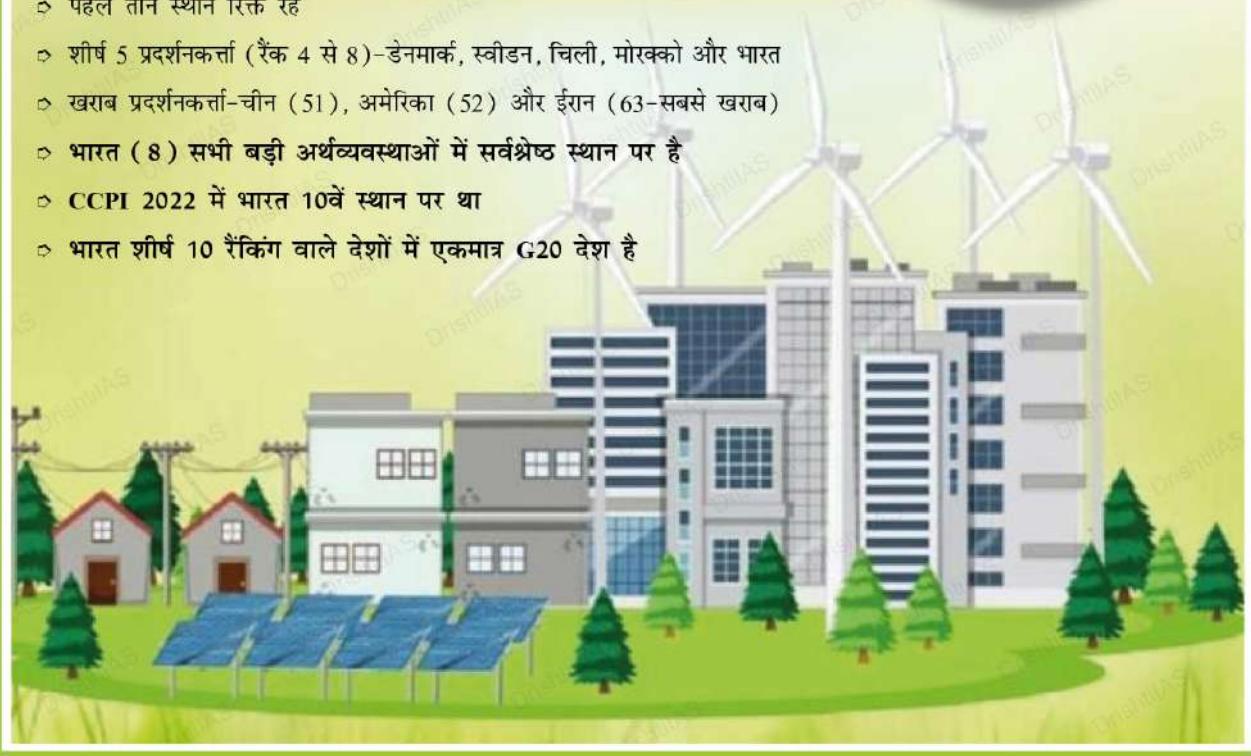
संयुक्त रूप से प्रकाशन:

- जर्मनवॉच, न्यू क्लाइमेट इंस्टीट्यूट और क्लाइमेट एक्शन नेटवर्क

CCPI 2023:

- पहले तीन स्थान रिक्त रहे
- शीर्ष 5 प्रदर्शनकर्ता (रैंक 4 से 8)-डेनमार्क, स्वीडन, चिली, मोरक्को और भारत
- खराब प्रदर्शनकर्ता-चीन (51), अमेरिका (52) और ईरान (63-सबसे खराब)
- भारत (8) सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सर्वश्रेष्ठ स्थान पर है
- CCPI 2022 में भारत 10वें स्थान पर था
- भारत शीर्ष 10 रैंकिंग वाले देशों में एकमात्र G20 देश है

4 मापदंड:





कॉलेजियम सिर्टम

- न्यायाधीशों की नियुक्ति और स्थानांतरण की प्रणाली
- सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों के माध्यम से विकसित हुआ, न कि संसद के एक अधिनियम द्वारा

न्यायाधीशों की नियुक्ति संबंधी संवैधानिक प्रावधान

अनुच्छेद 124 (2) और 217- सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति
राष्ट्रपति “सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के ऐसे न्यायाधीशों” से परामर्श करने के बाद नियुक्तियाँ करता है, जैसा कि वह आवश्यक समझे।
लेकिन संविधान इन नियुक्तियों को करने के लिये कोई प्रक्रिया निर्धारित नहीं करता है।

कॉलेजियम प्रणाली का विकास

प्रथम न्यायाधीश मामला (1981):

- इसने यह निर्धारित किया कि न्यायिक नियुक्तियों और तबादलों पर भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) के सुझाव की “प्रधानता” को “ठोस कारणों” के चलते अस्वीकार किया जा सकता है।
- इस निर्णय ने अगले 12 वर्षों के लिये न्यायिक नियुक्तियों में न्यायपालिका पर कार्यपालिका की प्रधानता स्थापित कर दी है।
- दूसरा न्यायाधीश मामला (1993):
 - सर्वोच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट करते हुए कॉलेजियम प्रणाली की शुरुआत की कि “परामर्श” का अर्थ वास्तव में “सहमति” है।
 - इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने आगे कहा कि यह CJI की व्यक्तिगत राय नहीं होगी, बल्कि सर्वोच्च न्यायालय के दो वरिष्ठतम न्यायाधीशों के परामर्श से ली गई एक संस्थागत राय होगी।

तीसरा न्यायाधीश मामला (1998):

- राष्ट्रपति द्वारा जारी एक प्रेजिडेंशियल रेफरेंस (Presidential Reference) (अनुच्छेद 143) के बाद सर्वोच्च न्यायालय ने पाँच सदस्यीय निकाय के रूप में कॉलेजियम का विस्तार किया, जिसमें CJI और उनके चार वरिष्ठतम सहयोगी शामिल होंगे।

राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (NJAC)

- यह कॉलेजियम प्रणाली को बदलने का एक प्रयास था। इसने न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिये आयोग द्वारा पालन की जाने वाली प्रक्रिया निर्धारित की।
- NJAC की स्थापना 99वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2014 द्वारा की गई थी।
- लेकिन NJAC अधिनियम को असंवैधानिक करार दिया गया और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को प्रभावित करने का हवाला देते हुए इसे रद्द कर दिया गया।

आलोचना

- अपारदर्शिता
- भाई-भतीजावाद की गुंजाइश
- कार्यपालिका का बहिष्करण
- नियुक्ति की कोई पूर्व निर्धारित प्रक्रिया नहीं



नेजल वैक्सीन: कोविड - 19 की समस्या का सरल समाधान ?

हाल ही में Sars-CoV-2 को लक्षित करने वाली नेजल वैक्सीन को मंजूरी दी गई है। ये वैक्सीन कोविड-19 जैसी विकट परिस्थिति में परिवर्तनकारी सिद्ध हो सकती हैं।

वैक्सीन उम्मीदवार

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के ऑफिसों के अनुसार, आठ इनजेशन ट्रोके विकास के क्रम में हैं। इनमें से दो को अब किसी न किसी रूप में स्वीकृति मिल गई है।

कॉन्वाइडेसिया एयर (Convidecia Air)

- निर्माता: कैन्सिनो बायोटोजिस्ट (CANSINO BIOLOGICS)
- प्लेटफॉर्म: Ad5 एडेनोवायरस आधारित इनहेल्ड वैक्सीन (नाक से श्वसन के माध्यम से दो जाने वाली वैक्सीन)
- जुलाई 2022 में, चीनी वैडानिकों ने एक प्री-प्रिंट अध्ययन प्रकाशित किया कि इनहेल्ड वैक्सीन की एक बुराक खुराक ने पारंपरिक बुराक शॉट की तुलना में कहीं अधिक एटीबॉडी प्रतिरक्षा प्रदान किया। इनहेल्ड वैक्सीन की खुराक के चार मन्त्रालय बाद, **92.5%** लोगों में ओपिंक्रान के डिलाफ एटीबॉडी मौजूद थी, जबकि जिन लोगों को इन्ड्राम्प्युलर वैक्सीन की तीन खुराक दी गई थी उनमें कोई एटीबॉडी मौजूद नहीं थी।



इन्कोवैक्स (Incovacc)

- निर्माता: भारत बायोटेक (BHARAT BIOTECH)
- प्लेटफॉर्म: Ad35 एडेनोवायरस आधारित इनजेशन वैक्सीन (नाक के जरिये दो जाने वाली)
- प्रिमियन वायोलाजिक और वाणियन यूनिवर्सिटी न्यूज़लॉ ऑफ ऐडमिसिनों के साथ संझेवारों में विकसित, इस खुराक को आरपरिक खुराक की तुलना में बेहतर सुरक्षा प्रदान करने वाल पाया गया है। इसमें फेफड़ी में स्लिम मिल्ली (mucous membranes) और उपकला कोशिकाओं (epithelial cells) को एटीबॉडी प्राप्त होती है जो इन्ड्राम्प्युलर वैक्सीन (मौसोप्रोथ्रोन वायोलाजिक) द्वारा सभव नहीं था।
- इनजेशन वैक्सीन नाक से दो जाने वाली वैक्सीन है। इसमें इसमें किसी नौडल की उपरोक्त नहीं किया जाता है।
- इनजेशन वैक्सीन को कुछ बहुं डालकर उसका टीकाकरण किया जाता है।

लाभ:

फेफड़ों को बेहतर सुरक्षा देते युवराजिस्टों के वैज्ञानिकों ने यह पाया कि उन्होंने जिस नेजल वैक्सीन का परीक्षण किया, उसमें फेफड़े में IgA एटीबॉडी का ग्राव भी होता है, जिससे यह बेहतर तरीके से सुरक्षित रहता है।

शरीर में व्यायाम का प्रवेश मणिकल: इन वैक्सीन को IgA एटीबॉडी की रूप जाता जाता है, जो श्लेष्म अन्त (mucous lining) को आवरण प्रदान करते हैं। यौवं कोनोनोवायरस समस्या पहली नाक और गले की श्लेष्म छिल्ली को संक्रमित करता है और उसके बाद आगे बढ़ता है ऐसे में नेजल वैक्सीन प्रथम स्तर पर ही संक्रमण की रोकने की समर्थन रखते हैं।

संक्रमकता में समावित कर्मी: मासेंप्रोतों में साझा जाने वाली वैक्सीन व्यक्ति को जो सोने से दूषण प्रदान करती है लेकिन संवायक अधिक द्वारा वायरस के प्रसार को प्रभावित की समित नहीं करती। नेजल वैक्सीन इस संक्रमकता को काफी हद तक कम करने की क्षमता रखते हैं जिससे कोविड को नई लाइट के जाने की समर्थन करते हैं।

चुनौतियाँ:

यद्यपि ये वैक्सीन काफी हद तक सुरक्षित हैं, लेकिन यह कहना मुश्किल है कि ये कोविड का स्टोक उपचार हैं। इनकी प्रभावकरिता पूरी तरह से जैव-इंजीनियरिंग और इनमें शामिल प्लेटफॉर्म पर निर्भर करती है।



चक्रवात

परिचय

चक्रवात एक कम दबाव वाला क्षेत्र होता है जिसके आस-पास तेजी से इसके केंद्र की ओर वायु परिसंचरण होते हैं।

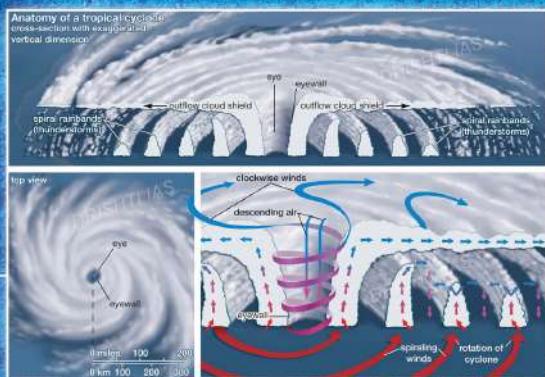
चक्रवात बनाम प्रतिचक्रवात

दबाव प्रणाली	केंद्र में दबाव की दिशा	हवा की दिशा का पैटर्न	
		उत्तरी गोलार्ध	दक्षिणी गोलार्ध
चक्रवात	निम्न	वामावर्त	दक्षिणावर्त
प्रतिचक्रवात	उच्च	दक्षिणावर्त	वामावर्त

वर्गीकरण

उष्णकटिबंधीय

चक्रवात; मकर और कर्क रेखा के बीच उत्पन्न होते हैं।



अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय/ समशीतोष्ण चक्रवात; शून्यीय क्षेत्रों में उत्पन्न होते हैं।

गठन के लिए शर्तें:

- * 27 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान वाली एक बड़ी समुद्री सतह।
- * कोरिओलिस बल की उपस्थिति।
- * ऊर्ध्वाधर/लंबवर्त हवा की गति में छोटे बदलाव।
- * पहले से मौजूद कमज़ोर निम्न-दबाव क्षेत्र या निम्न-स्तर-चक्रवात परिसंचरण।
- * समुद्र तल प्रणाली के ऊपर विचलन (Divergence)।

नामकरण:

- * नोडल प्राधिकरण: विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO)
- * हिंद महासागर क्षेत्र: बांग्लादेश, भारत, मालदीव, म्यांमार, ओमान, पाकिस्तान, श्रीलंका और थाईलैंड इस क्षेत्र में आने वाले चक्रवातों के नामकरण में योगदान करते हैं।

उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के लिये अलग-अलग नाम:

- * टाइफून: दक्षिण पूर्व एशिया और चीन
- * हरिकेन: उत्तरी अटलांटिक और पूर्वी प्रशांत
- * टॉर्नेडो: पश्चिम अफ्रीका और दक्षिणी संयुक्त राज्य अमेरिका
- * बिली-बिलीज: उत्तर पश्चिम ऑस्ट्रेलिया
- * उष्णकटिबंधीय चक्रवात: दक्षिण पश्चिम प्रशांत और हिंद महासागर

भारत में चक्रवात:

- * द्वि-वार्षिक चक्रवात मौसम: मार्च से मई और अक्टूबर से दिसंबर।
- * हाल के चक्रवात: ताउरे, वायु, निपार्सा और मेकानु (अरब सागर में) तथा असानी, अम्फान, फोनी, निवार, बुलबुल, तितली, यास और सितरंग (बंगाल की खाड़ी में)।



डिजिटल रूपये

- ◆ भारतीय रुपये का एक डिजिटल संस्करण।
- ◆ ई-रुपये के रूप में भी जाना जाता है, सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (CBDC)।
- ◆ निजी स्वामित्व वाली क्रिप्टो के विपरीत एक केंद्रीय स्वामित्व वाली डिजिटल मुद्रा।
- ◆ ऑफलाइन कार्यक्षमता प्रस्तावित कोई भी इंटरनेट के बिना लेनदेन कर सकता है।

दस देशों ने CBDC की शुरुआत कर दी है जिनमें सबसे पहला है वर्ष 2020 में बहामियन सैंड डॉलर तथा सबसे नवीनतम है जमैका का JAM&DEX।

लाभ

- ◆ वित्तीय प्रणाली में न्यूनतम व्यवधान।
- ◆ जांखिम से मुक्त: क्रिप्टो के साथ देखे गए जांखिमों के विपरीत यह लोगों को डिजिटल रूप में मुद्रा में लेनदेन का अनुभव प्रदान करता है,
- ◆ यथोचित अनामिता: भौतिक नकदी के समान छोटे मूल्य के लेनदेन के लिये यथोचित अनामिता प्रदान करता है।

ई-रुपये का क्रियान्वयन

- ◆ CBDC-खुदरा मोड: यह संभावित रूप से सभी के उपयोग के लिये उपलब्ध होगा जिसे CBDC-R भी कहा जाता है।
 - * यह नागरिकों के लिये डिजिटल भुगतान के सुरक्षित साधन की पेशकश कर सकता है।
 - * यह संभवतः नकदी के समान टोकन-आधारित हो सकता है।



- ◆ CBDC-थोक मोड: चुनिंदा वित्तीय निकायों तक सीमित पहुँच के लिये, जिसे CBDC-W भी कहा जाता है।
 - * निपायन प्रणालियों को अधिक कुशल और सुरक्षित बनाने का लक्ष्य।
 - * यह खाता-आधारित हो सकता है।

मुद्दे

- ◆ साइबर सुरक्षा
- ◆ गोपनीयता और डेटा उपयोग का मुद्रा
- ◆ डिजिटल अंतराल
- ◆ अन्य बाजार के प्रतिस्पर्धियों जैसे बीजा, मास्टरकार्ड आदि की तुलना में अप्रतिस्पर्धी कदम।

मूल संरचना का सिद्धांत

Doctrine of Basic Structure

- मूलविधान
 - जर्मनी का संविधान।
- ऐतिहासिक निर्णय
 - केशवानंद भारती मामला, 1973 ('संविधान की मूल संरचना' वाक्यांश का पहली बार प्रयोग किया गया था)।
- मूल संरचना के तत्त्व
 - संविधान की सर्वोच्चता, संवैधीय प्रणाली, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, संविधान में संशोधन करने की सीमित शक्ति, अनुच्छेद 32, 136, 141 और 142 के तहत सर्वोच्च न्यायालय की शक्तियाँ, अनुच्छेद 226 और 227 के तहत उच्च न्यायालयों की शक्तियाँ ...

महत्त्व

- संविधान के केंद्रीय आदानों को कमज़ोर करने के लिये एक बहुसंख्यक सरकार की शक्ति को सीमित करता है।

आलोचना

- "मूल संरचना" का भारतीय संविधान में कहीं भी उल्लेख नहीं मिलता है। इसके अलावा न्यायपालिका द्वारा मूल संरचना की कोई विशेष परिभाषा नहीं दी गई है।
- मूल संरचना के नाम पर सर्वोच्च न्यायालय ने अत्यधिक शक्ति ग्रहण कर ली है।

क्रमिक विवरास	
शंकरी प्रसाद मामला (1951) और सज्जन सिंह मामला (1965)	सर्वोच्च न्यायालय ने माना कि अनुच्छेद 368 के तहत संविधान में संशोधन करने की पूर्ण शक्ति संसद के पास है।
गोलक नाथ बनाम पंजाब राज्य, 1967	संसद मौलिक अधिकारों में संशोधन नहीं कर सकती है और यह शक्ति केवल एक संविधान सभा के पास है; 24वां संशोधन अधिनियम, 1971 पेश किया गया।
केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य, 1973	संसद संविधान के किसी भी हिस्से में संशोधन कर सकती है, लेकिन यह संविधान के मूल ढाँचे या आवश्यक विशेषताओं को नहीं बदल सकती है।
इंदिरा नेहरू गांधी बनाम राज नारायण, 1975	आधारमूल ढाँचे के सिद्धांत की फिर से पुष्ट हुई और 39वें संशोधन अधिनियम (1975) के प्रावधान (प्रधानमंत्री और अध्यक्ष से जुड़े चुनावी विवादों को सभी न्यायालयों के अधिकार बेत्र से बाहर रखते हुए) को अमान्य कर दिया गया।
मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ, 1980	मौलिक अधिकारों और राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत के बीच न्यायिक पुनर्विलोकन और सामंजस्य को बुनियादी ढाँचे में जोड़ा गया।
बामन राव बनाम भारत संघ, 1981 मामला	सर्वोच्च न्यायालय ने माना कि सिद्धांत केशवानंद भारती मामले में निर्णय की तारीख के बाद लागू किये गए संवैधानिक संशोधनों पर लागू होंगा।
इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ मामला, 1992	विधि के शासन को बुनियादी ढाँचे का एक हिस्सा पोषित किया गया।
एस.आर बोम्मई बनाम भारत संघ, 1994	संघवाद, धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र, राष्ट्र की एकता और अखंडता और सामाजिक न्याय को संविधान की आधारभूत संरचना के रूप में दोहराया गया।



भारत की 15वीं राष्ट्रपति

द्रौपदी मुर्म्

- ◆ भारत की पहली जनजातीय राष्ट्रपति
- ◆ प्रतिमा पाटिल के बाद दूसरी महिला राष्ट्रपति
- ◆ वह ओडिशा के मध्यूंडंज ज़िले से हैं और संथाल जनजाति (गोड तथा झील के बाद भारत की तीसरी सबसे बड़ी जनजाति) से संबंधित हैं।

राष्ट्रपति कौन होता है?

- ◆ भारतीय गणराज्य का प्रमुख तथा भारत का प्रथम नागरिक।
- ◆ निर्वाचक: संसद के दोनों सदनों के सास्कर्ण और राज्य विधानसभाओं तथा दिल्ली एवं पुदुचेरी विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्यों से मिलकर बने एक निर्वाचक मंडल द्वारा। (लेकिन राज्यसभा, लोकसभा और विधानसभाओं के मनोनीत सदस्य तथा परिषदों के सदस्य निर्वाचन में आग नहीं लेते हैं)
- ◆ संवैधानिक प्रावधान: अनुच्छेद 54 - 62

राष्ट्रपति की शक्तियाँ:

- ◆ विधायी शक्तियाँ:
 - ◆ लोक सभा को विधिटिल करने की शक्ति
 - ◆ किसी विधेयक को पारित करने के लिये अंतिम सहमति देता है
 - ◆ जल संसद सभा में न हो तो अंत्यादेश जारी करने की शक्ति
 - ◆ संसद के दोनों सदनों की सुयुक्त बैठक बुलाने की शक्ति
- ◆ नियुक्ति संबंधी शक्तियाँ:
 - ◆ प्रधानमंत्री, भारत के मुख्य न्यायाधीश और सर्वोच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधीशों, राज्य के राज्यपाल, अन्य देशों के राजदूतों, महान्यायवादी आदि की नियुक्ति करता है।
- ◆ संन्य शक्तियाँ:
 - ◆ सभी भारतीय सेनाओं का प्रमुख होता है।
 - ◆ थल सेना, नौसेना और वायु सेना के प्रमुखों की नियुक्ति करता है।
 - ◆ प्रधानमंत्री की अध्यक्षता से मंत्रिपरिषद की सलाह पर विनाशी भी देश के साथ युद्ध की घोषणा करने या शांति स्थापित करने की शक्ति।
 - ◆ अन्य देशों के साथ संधियाँ उसके नाम पर हस्ताक्षरित की जाती हैं।
- ◆ क्षमादान शक्ति (अनुच्छेद 72):
 - ◆ उन समाजों में क्षमादान दे सकता है जिनमें सज्ञा-कट्रीय विधियों के विस्तृद्ध अपराध के लिये दी गई हो, संन्य न्यायालय में दी गई हो या दंड का स्वरूप प्राण दंड हो।
- ◆ आपातकालीन शक्तियाँ:
 - ◆ अनुच्छेद 352, 356 और 360 के तहत तीन प्रकार की आपात विधियों की घोषणा कर सकते हैं: राष्ट्रीय, राज्य और वित्तीय आपातकाल के समय अलग-अलग राज्यों द्वारा पूरे देश पर शासन कर सकता है।

रोचक तथ्य

- ◆ राजेंद्र प्रसाद भारत के पहले राष्ट्रपति थे। वह लगातार दो कार्यकाल तक सेवा देने वाले एकमात्र राष्ट्रपति भी हैं।
- ◆ जाकिर हुसैन भारत के तीसरे राष्ट्रपति और पहले मुस्लिम राष्ट्रपति थे। वह भारत के सबसे कम समय तक (2 वर्ष से कम) सेवा देने वाले राष्ट्रपति थे।
- ◆ अब तक दो राष्ट्रपति, डॉ. जाकिर हुसैन और कर्णधर द्वादश अंती अहमद (पांचवें राष्ट्रपति) की अपने कार्यकाल के दौरान मृत्यु हो चुकी है।
- ◆ जब मई 1969 में राष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन की मृत्यु हुई, तो तकालीन उपराष्ट्रपति वी. वी. निरि राष्ट्रपति के रूप में कार्य कर रहे थे।
- ◆ इसके तुलने वाली वी.वी. निरि ने राष्ट्रपति का युग्म लड्जे के लिये इस्तीफा दे दिया। वह भारत के मुख्य न्यायाधीश, एम. दिवायदुल्ला ने 20 जुलाई, 1969 से 24 अगस्त, 1969 तक कार्यालयके राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया।

राष्ट्रपति से संबंधित महत्वपूर्ण अनुच्छेद:

- ◆ अनुच्छेद 52: भारत के राष्ट्रपति
- ◆ अनुच्छेद 53: संघ की कार्यकारी शक्तियाँ
- ◆ अनुच्छेद 72: राष्ट्रपति की क्षमादान इत्यादि की शक्ति तथा कतिपय मामलों में दंड का स्थगन, माफी अथवा कम कर देना
- ◆ अनुच्छेद 74: मंत्रिपरिषद का राष्ट्रपति को परामर्श एवं सहयोग प्रदान करना
- ◆ अनुच्छेद 85: संसद के सब, संवादसान तथा बैंग करना
- ◆ अनुच्छेद 111: संसद द्वारा पारित विधेयकों पर सहमति प्रदान करना
- ◆ अनुच्छेद 112: संघीय बजट (वार्षिक वित्तीय वितरण)
- ◆ अनुच्छेद 123: राष्ट्रपति की अंत्यादेश जारी करने की शक्ति
- ◆ अनुच्छेद 143: राष्ट्रपति की सर्वोच्च न्यायालय से सलाह लेने की शक्ति

पूर्व राष्ट्रपति

डॉ. बी.र. अमेडकर (1950-1962)	डॉ. जाकिर हुसैन (1962-1967)	डॉ. कर्णधर द्वादश (1967-1969)	डॉ. कार्यकारी बैंग (1969-1974)	डॉ. परमार्थ अंती अहमद (1974-1977)	डॉ. मोहम्मद मासोदी (1977-1982)	ग्रामी. जैम सिंह (1982-1987)
डॉ. अर्जुन द्वादश (1987-1992)	डॉ. वल्लभ द्वादश साही (1992-1997)	डॉ. क.र. नारायण (1997-2002)	डॉ. ए.पी.ए. अंत्यादेश (2002-2007)	श्रीमति. पालिला वारिंग (2007-2012)	डॉ. प्रवाल महावीर (2012-2017)	श्रीमति. रामगण्ठन (2017-2022)



योगदान

बेन एस. बर्नानिके:

- बेन बर्नानिके ने 1930 के दशक की महामंदी का विश्लेषण किया, जो आधुनिक इतिहास में सबसे खराब आर्थिक संकट था और यह प्रदर्शित किया कि कैसे असफल बैंकों ने मंदी में निर्णायक भूमिका निभाई।
- उन्होंने बताया कि कैसे बैंक सुविधाओं का जारी रहना इस गहरे और दीर्घकालिक संकट में एक निर्णायक कारक था।
- उन्होंने बैंक के सुचालित विनियमन के महत्व को समझाने में भी मदद की।
 - * बर्नानिके उस समय अमेरिकी केंद्रीय बैंक, फेडरल रिजर्व के प्रमुख थे, जब 2008 का संकट उत्पन्न हुआ था और उन्होंने “अनुसंधान से प्राप्त अपने ज्ञान से नीति निर्माण” में मदद की थी।

डालस डब्ल्यू. डायमंड और फिलिप एच. डायबविंग:

- डायमंड और डायबविंग दोनों ने सैद्धांतिक मॉडल विकसित करने के लिये मिलकर काम किया ताकि यह समझ सके कि बैंकों की उपस्थिति क्यों आवश्यक है, समाज में उनकी भूमिका उन्हें अपने आसन पतन के बारे में अफवाहों के प्रति किस प्रकार संवेदनशील बनाती है और समाज इस भेद्यता को कैसे कम कर सकता है। ये अंतर्दृष्टियाँ आधुनिक बैंक विनियमन की नींव रखती हैं।
- उन्होंने सरकार की ओर से जमा बीमा के रूप में बैंक की भेद्यता का समाधान प्रस्तुत किया।
- डायमंड ने यह भी दिखाया कि बचतकर्ताओं और उधारकर्ताओं के बीच मध्यस्थ के रूप में बैंक उधारकर्ताओं की साथ का आकलन करने एवं यह सुनिश्चित करने के लिये अनुकूल हैं कि ऋण का उपयोग अच्छे निवेश हेतु किया जाता है।

विजेता

- बेन एस. बर्नानिके, डालस डब्ल्यू. डायमंड और फिलिप एच. डायबविंग
- बैंकों की अस्थिरता और बैंकिंग संकट के दीर्घकालिक परिणामों के पीछे का कारण
- बैंकों की स्थिति में गिरावट से नुकसान
- अर्थव्यवस्था में गिरावट के बाद नए बैंक स्थापित करने में विफलता

महत्व

- अनुसंधान समाज के लिये गंभीर परिणामों के साथ दीर्घकालिक मंदी की स्थिति में विकसित होने वाले वित्तीय संकट के जोखिम को कम करता है।

भारतीय नोबेल पुरस्कार विजेता

- 1998 में, अमर्ल्य सेन को “कल्याणकारी अर्थशास्त्र में उनके योगदान के लिये” अर्थशास्त्र के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- 2019 में, अधिर्जीत बनर्जी को बैंकिंग गरीबी को कम करने के लिये उनके प्रयोगात्मक कार्य हेतु उनकी पत्नी एस्थर डुफ्लो और हार्वर्ड विश्वविद्यालय के मिशेल क्रेमर के साथ अर्थशास्त्र के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

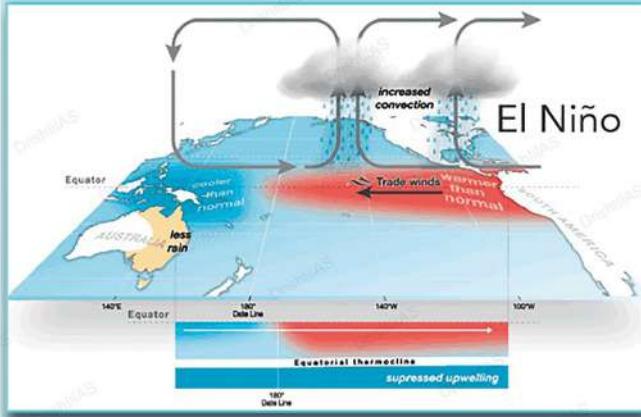
अल नीनो और ला नीना

El Niño and La Niña

अल नीनो

परिचय

- समुद्र की सतह का गर्म होना/समुद्र की सतह का तापमान औसत तापमान से अधिक होना
- पूर्वी पवने या तो कमज़ोर हो जाती हैं या विपरीत विश्वा में बहने लगती हैं
- पहली बार 1600 के दशक में पेरू के मछुआरों द्वारा देखा गया
- इसे पहली बार 1600 के दशक में पेरू के मछुआरों द्वारा पहचाना गया था
- यह परिवर्टना ला नीना की तुलना में अधिक घटित होती है



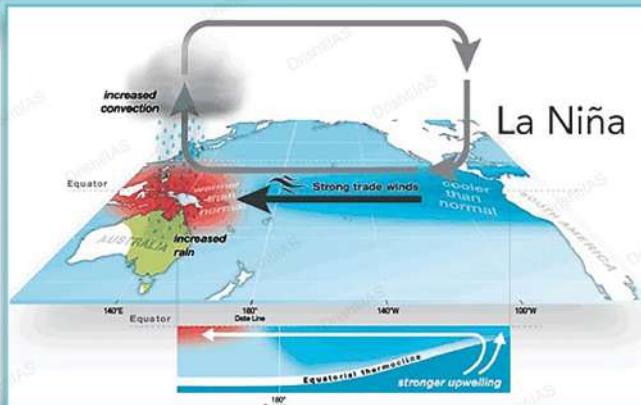
प्रभाव

- दक्षिण अमेरिका में अत्यधिक बर्षा (तटीय बाढ़ और कटाव)
- इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया में सूखा; बनानि
- दक्षिण और मध्य अमेरिका के पश्चिमी तट के समीप पोषक तत्त्वों से भरपूर ठंडे जल की अपवेलिंग में कमी आती है
- कमज़ोर मानसून और यहाँ तक कि भारत तथा दक्षिण पूर्व एशिया में सूखे की स्थिति

ला नीना

परिचय

- इसे एल एंटी-एल नीनो, या बस "एक शीतकालीन घटना" भी कहा जाता है
- भूमध्य रेखा के निकट सामान्य पूर्वी पवने और श्री मजबूत हो जाती हैं
- अल नीनो, जो आमतौर पर एक वर्ष से अधिक समय तक नहीं रहता है, के विपरीत इसकी अवधि 1-3 वर्ष तक हो सकती है



प्रभाव

- दक्षिण अफ्रीका में आरी बारिश, ऑस्ट्रेलिया में ध्वनिवाह बाढ़
- दक्षिण अमेरिका में सामान्य से अधिक सूखे की स्थिति
- अमेरिका के पश्चिमी तट पर अपवेलिंग में वृद्धि होती है, जिससे पोषक तत्त्वों से भरपूर ठंडा जल सतह पर आ जाता है।

महासागरीय नीनो सूचकांक (Oceanic Nino Index-ONI)

- यह पूर्व-मध्य प्रशांत महासागर में सामान्य समुद्री सतह के तापमान में विचलन की माप है।
- यह वह मानक साधन/उपाय है जिसके द्वारा प्रत्येक अल नीनो प्रकरण का निर्धारण, अनुमान और पूर्वानुमान किया जाता है।



दृष्टि
The Vision

भारत निर्वाचन आयोग (Election Commission of India-ECI)



ECI

- एक स्वायत्त संवैधानिक निकाय है जो भारत में संघ और राज्य चुनाव प्रक्रियाओं का संचालन करता है।
- लोकसभा, राज्यसभा, राज्य विधानसभाओं, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव का संचालन
- स्थापना- 25 जनवरी 1950 (राष्ट्रीय मतदाता दिवस)

संवैधानिक प्रावधान

भाग XV-अनुच्छेद 324 से 329

संरक्षण

- 1 मुख्य चुनाव आयुक्त और 2 चुनाव आयुक्त राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किये जाते हैं
- कार्यकाल- 6 वर्ष, या 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो
- सेवानिवृत्त चुनाव आयुक्त- सरकार द्वारा पुनर्नियुक्ति के लिये पात्र।
- मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाना- सदन की कुल संख्या के 50% से अधिक के समर्थन से उपस्थित और मतदान करने वाले 2/3 सदस्यों के बहुमत के साथ सिद्ध कदाचार या अक्षमता के आधार पर प्रस्ताव

प्रमुख भूमिकाएँ और जिम्मेदारियाँ

- चुनावी निर्वाचन क्षेत्रों का निर्धारण
- मतदाता सूची तैयार करना और समय-समय पर उसका पुनरीक्षण करना
- चुनाव कार्यक्रम और तारीखों को अधिसूचित करना
- राजनीतिक दलों को पंजीकृत करना और उन्हें राष्ट्रीय या राज्य दलों का दर्जा देना
- राजनीतिक दलों के लिये आदर्श आचार सहिता (एमसीसी) जारी करना
- संसदों की अयोग्यता से संबंधित मामलों पर राष्ट्रपति को सलाह देना

चुनौतियाँ

- मुख्य चुनाव आयुक्त का छोटा कार्यकाल
- नियुक्तियों में कार्यकारी प्रभाव
- वित्त के लिये केंद्र पर निर्भरता
- स्वतंत्र स्टाफ की कमी





अल नीनो-दक्षिणी दौलत (ENSO)

● ENSO:

- पूर्व-मध्य भूमध्यरेखीय प्रशांत में महासागर और बायुमंडल के बीच तापमान में उत्तर-चढ़ाव का वर्णन करता है

● महत्व:

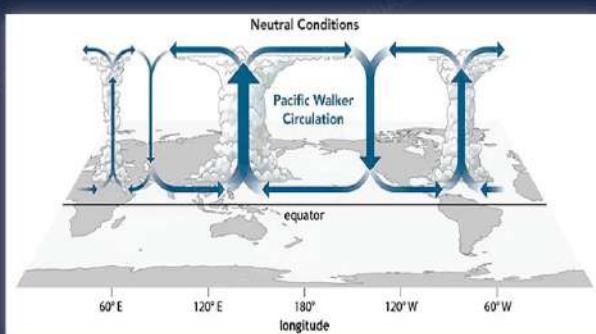
- वैश्विक बायुमंडलीय परिसंचरण को बदलने की क्षमता, दुनिया भर में तापमान और वर्षा को प्रभावित करती है

● ENSO के चरण:

- दो विपरीत चरण: अल नीनो और ला नीना
- निरंतरता का मध्य: तटस्थ

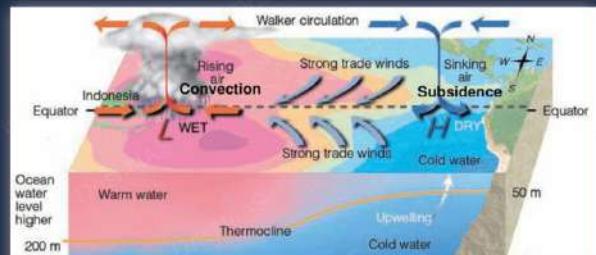
वॉकर परिसंचरण (WC)

- भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में बायु प्रवाह की एक बायुमंडलीय प्रणाली है।
- उण्टाकटिवर्धीय प्रशांत में व्यापारिक हवाएँ पूर्व से पश्चिम की ओर बहती हैं: हवा परिचमी प्रशांत के गर्म पानी से ऊपर उठती है तथा ऊंचाइ पर पूर्व की ओर बहती है और पूर्वी प्रशांत पर इसका अवरोहण होता है।
- WC और ENSO:
 - एक कमज़ोर/स्थिर WC एल नीनो उत्पन्न करता है
 - ला नीना मजबूत WC का परिणाम है



प्रशांत महासागर में सामान्य (गैर ENSO) स्थितियाँ

- व्यापारिक हवाएँ (पूर्वी हवाएँ) भूमध्य रेखा के साथ पश्चिम की ओर बहती हैं, जो दक्षिण अमेरिका से एशिया की ओर गर्म पानी को लेकर आती है।
- उस गर्म पानी को प्रतिस्थापित करने के लिए, ठंडा पानी गहराई से ऊपर की ओर आता है, जिसे अपवेलिंग कहते हैं।
- अल नीनो और ला नीना दो जलवायु पैटर्न हैं जो इन सामान्य स्थितियों को विवर में देते हैं।
- अल नीनो के दौरान, समृद्ध में दबाव पूर्वी प्रशांत में कम और पश्चिमी प्रशांत में अधिक होता है जबकि ला नीना के दौरान विपरीत होता है।
- पूर्वी और पश्चिमी उण्टाकटिवर्धीय प्रशांत के बीच बायुमंडलीय दबाव में इस दृश्य को दर्शाना दोलन (SO) कहा जाता है।





आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के लिये आरक्षण

EWS आरक्षण

- एस.आर. सिन्हो आयोग (2010) की सिफारिशों पर आधारित
- इसे 103वें संविधान संशोधन (2019) के तहत प्रस्तुत किया गया जिसने संविधान में अनुच्छेद 15(6) तथा 16 (6) को जोड़ा
- नौकरियों तथा शैक्षणिक संस्थानों में EWS के लिये 10% आरक्षण का प्रावधान करता है
- कोंद्र और राज्य दोनों EWS को आरक्षण प्रदान कर सकते हैं

भारत में जाति आधारित आरक्षण

- संविधानिक प्रावधान:
 - सरकारी शिक्षण संस्थान: अनुच्छेद 15-(4), (5), और (6)
 - सरकारी नौकरियाँ: अनुच्छेद 16-(4) और (6)
 - विधानमंडल (राज्य/संघ): अनुच्छेद 334
- OBC आरक्षण: मंडल आयोग की रिपोर्ट (1991) में प्रस्तुत किया गया
- ब्रीमी लेयर की अवधारणा केवल OBC आरक्षण (न कि SC/SC) में मौजूद है
- जाति आधारित आरक्षण की सीमा का निर्धारण: 50% (दिल्ली साहनी वाद 1992 में)
- आरक्षण पर सर्वोच्च न्यायालय का पहला बड़ा फैसला: चंपकम दोरेराजन वाद, 1951

01

02

03

04

आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग (EWS)

- अनारक्षित श्रेणी के लोग जिनकी वार्षिक आय 8 लाख रुपए से कम है
- संपत्ति का स्वामित्व: कृषि भूमि 5 एकड़ी से कम; आवासीय भूमि 200 वर्गमीटर से कम

EWS पर सर्वोच्च न्यायालय का रुख

- सर्वोच्च न्यायालय ने 103वें संशोधन की वैधता को वरकरार रखा है
- बहुमत का दृष्टिकोण: EWS कोटा/आरक्षण संविधान के मूल ढाँचे का उल्लंघन नहीं करता है
- अल्पसंख्यक दृष्टिकोण: यह अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के बीच निर्धनतम लोगों को बाहर करता है



दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट; इसका आयोजन प्रत्येक 4 वर्ष की अवधि में किया जाता है।

◦ **FIFA:**

- फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन (Fédération internationale de Football Association)
- दुनिया में फुटबॉल का सर्वोच्च शासी निकाय
- 1904 में स्थापित
- मुख्यालय- च्यारिंग (सिवटजरलैंड)

अधिकल भारतीय फुटबॉल संघ (AIFF) - यह संगठन भारत में फुटबॉल के खेल का प्रबंधन करता है।

◦ **FIFA विश्व कप:**

- प्रथम विश्व कप- वर्ष 1930 में उरुग्वे में आयोजित; उरुग्वे में जीता।
- द्वांस्को-जूल्स रिमेट द्वांस्को (1930-70); फीफा विश्व कप द्वांस्को (1970 से वर्तमान तक)
- जूत्स रिमेट-एक फ्रांसीसी व्यक्ति जिसने फुटबॉल टूर्नामेंट प्रस्तावित किया।

फीफा विश्व कप 2022

कठर में आयोजित-फीफा विश्व कप की मेजबानी करने वाला पहला अरब गण्ड्र



फीफा विश्व कप में पहली बार सेमी-ऑटोमेटेड ऑफसाइड टेक्नोलॉजी (SAOT) और कनेक्टेड बॉल्स टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है।

विजेता

अर्जेंटीना ने तीसरी बार जीत हासिल की (फ्रॉम्स को हाहाया) (पहले 1978 और 1986 में)

पहले फीफा विश्व कप (1930) के समय कोई आधिकारिक गेंद नहीं थी और दोनों फाइनलिस्ट, उरुग्वे (टी मॉडल बॉल-T Model Ball) और अर्जेंटीना (टिएन्टो-Tiento), अपनी-अपनी गेंदें लेकर आए थे।



पुरस्कार

- गोल्डन बृट (सबसे अधिक गोल)- किलियन एम्बायर्स (फ्रॉम्स)
- गोल्डन ग्लोब-एमिलियानो मार्टिनेज (अर्जेंटीना)
- गोल्डन बॉल (टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी)- लियोनेल मेसी (अर्जेंटीना)
- यथा खिलाड़ी-एंजो फर्नांडोज (अर्जेंटीना)
- फीफा फैवर एंस अवार्ड-इंग्लैंड



◦ **आधिकारिक बॉल:**

- अल रिहा (यात्रा)- इन बहुत द्वारा यात्रा वृत्तांत का संदर्भ
- अल हिल्म (सप्ना)- सेमीफाइनल और फाइनल के लिये आधिकारिक गेंद

◦ **आधिकारिक प्रतीक:**

- लाईब (अरबी भाषा में 'लाईब' (La'eeb) का अर्थ 'सुपर-स्किल्ड प्लेयर' होता है।)



वित्त आयोग

वित्त आयोग भारत में राजकोषीय संघवाद का संतुलन चक्र है

-भारतीय संविधान

अनुच्छेद 280 (भारतीय संविधान का भाग XII)

अर्थ न्यायिक निकाय के रूप में वित्त आयोग का गठन

गठन:

भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक 5 वर्ष की अवधि के भीतर

एक सिविल कोर्ट की शक्तियाँ

सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 के अनुसार

सदस्य:

- अध्यक्ष + 4 सदस्य (एक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सहित)- राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त
- योग्यता तय करने का अधिकार-संसद
- कार्यकाल: जैसा कि राष्ट्रपति द्वारा निर्दिष्ट किया गया है
- पुनर्नियुक्ति: पुनर्नियुक्त किये जा सकते हैं

वित्त आयोग की सिफारिशें केवल सलाहकारी हैं और सरकार के लिये बाध्यकारी नहीं हैं

- पहला वित्त आयोग (1952-57)
 - अध्यक्ष- के. सी. नियोगी
- दूसरा वित्त आयोग (1957-62)
 - अध्यक्ष- के. संथानम
- पंद्रहवाँ वित्त आयोग (2021-2026)
 - अध्यक्ष- एन.के. सिंह
- राज्य वित्त आयोग
 - राज्यपाल द्वारा प्रत्येक 5वें वर्ष में गठित (अनुच्छेद 243)
 - पंचायतों और नगर पालिकाओं की वित्तीय स्थिति की समीक्षा

राष्ट्रपति को FC द्वारा निम्नलिखित सिफारिशों की जाती हैं:

- केंद्र और राज्यों के बीच शुद्ध कर आय का वितरण
- केंद्र द्वारा राज्यों को सहायता हेतु अनुदान का निर्धारण
- राष्ट्रपति द्वारा इसे भेजे गए अन्य वित्तीय मामले
- राज्य वित्त आयोग द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर पंचायतों एवं नगरपालिकाओं के संसाधनों की आपूर्ति हेतु राज्य की संचित निधि में संवर्द्धन के लिये आवश्यक कदमों की सिफारिश करना।



Drishti IAS

वित्तीय समावेशन सूचकांक (Financial Inclusion Index)

जारीकर्ता:

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI)
- कोई 'आधार वर्ष' नहीं
- शुरुआत: वर्ष 2021 में
- प्रकाशन का समय: प्रत्येक वर्ष जुलाई माह

सूचकांक में शामिल क्षेत्र:

- बैंकिंग
- निवेश
- बीमा
- डाक एवं पेशन क्षेत्र

मापदंड:

- पहुँच (35%)
- उपयोग (45%)
- गुणवत्ता (20%)

2022 के निष्कर्ष:

- भारत का वित्तीय समावेशन सूचकांक वर्ष 2021 के 53.9 से बढ़कर वर्ष 2022 में 56.4 हो गया है।

वित्तीय समावेशन हेतु पहलें:

- प्रधानमंत्री जन धन योजना
- डिजिटल पहचान (आधार)
- राष्ट्रीय वित्तीय शिक्षा केंद्र (NCFE)
- वित्तीय साक्षरता केंद्र (CFL) अभियान

वित्तीय समावेशन क्या है?

- सरकार अभिकर्ताओं द्वारा पारदर्शी तरीके से कमज़ोर समूहों के लिये आवश्यक वित्तीय उत्पादों और सेवाओं तक सरती कीमत पर पहुँच सुनिश्चित करना।
- यह अवधरणा सर्वप्रथम 2005 में RBI द्वारा प्रस्तुत की गई थी।
- वित्तीय बैंक घरम गरीबी को कम करने और साझा समृद्धि को बढ़ावा देने के लिये वित्तीय समावेशन को एक महत्वपूर्ण उपकरण मानता है।




वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (Financial Action Task Force-FATF)

परिचय

- * ग्लोबल मनी लॉन्डिंग और आतंकवादी वित्तपोषण का निगरानीकरण

स्थापना:

- * जुलाई 1989, पेरिस में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान

उद्देश्य:

- * मनी लॉन्डिंग, आतंकवादी वित्तपोषण का मुकाबला करना और सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार के वित्तपोषण का विरोध करना।

सदस्य:

- * 37 सदस्य क्षेत्राधिकार और तो क्षेत्रीय संगठन (यूरोपियन कमीशन व खाड़ी सहयोग परिषद)
- * इंडोनेशिया एक पर्यवेक्षक देश है।

मुख्यालय:

- * सचिवालय पेरिस में आधिक सहयोग और विकास संगठन (OECD) मुख्यालय में स्थित

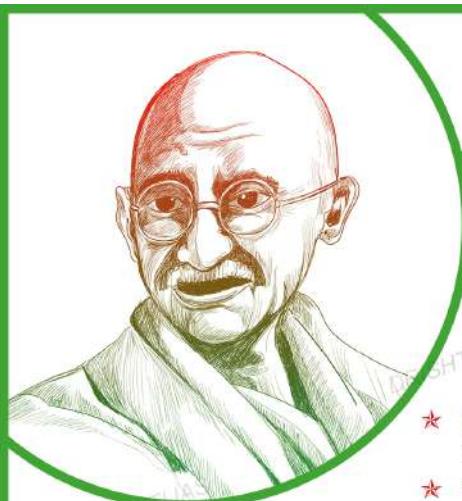
ब्रेलिस्ट होने के परिणाम:

- * FATF (IMF, World Bank, ADB) से संबद्ध वित्तीय संस्थानों से आर्थिक प्रतिवधि
- * वित्तीय सम्पादनों और देशों से ऋण प्राप्त करने में समर्थन
- * अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में कमी
- * अंतर्राष्ट्रीय वहिकार

भारत और FATF:

- * भारत वर्ष 2006 में एक पर्यवेक्षक देश बन गया।
- * भारत वर्ष 2010 में FATF का 34वाँ सदस्य बना।
- * भारत इसके क्षेत्रीय साझेदारों, एशिया पैसिफिक ग्रुप (APG) और यूरोपियन ग्रुप (EAG) का भी सदस्य है।

- ◆ FATF की सूचियाँ:
 - * ग्रे लिस्ट:
 - ❖ इसका मतलब है- “बढ़ी हुई विचारनी सूची”
 - ❖ इसमें आतंकी वित्तपोषण और मनी लॉन्डिंग का समर्थन करने के लिये सुरक्षित स्थल माने जाने वाले देशों को शामिल किया जाता है।
 - ❖ संवर्जित देश के लिये एक चेतावनी के रूप में कार्य करता है कि उसे बैंक लिस्ट में शामिल किया जा सकता है।
 - * बैंक लिस्ट:
 - ❖ असहयोगी देश या क्षेत्र (Non-Cooperative Countries or Territories-NCCT) शामिल हैं ये देश आतंकी फंडिंग और मनी लॉन्डिंग गतिविधियों का समर्थन करते हैं।
 - ❖ देश- ईरान, उजर कोरिया और प्याँगां



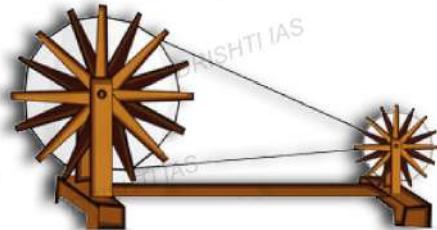
मोहनदास करमचंद गांधी

संक्षिप्त परिचय

- ★ जन्म: 2 अक्टूबर, 1869; पोरबंदर (गुजरात).
- ◆ 2 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- ★ प्रोफाइल: बकील, राजनीतिज्ञ, सामाजिक कार्यकर्ता, लेखक तथा राष्ट्रवादी आंदोलनों के नेतृत्वकर्ता।
- ◆ राष्ट्रपिता (सबसे पहले नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने इस नाम से संबोधित किया)।
- ★ विचारधारा: अहिंसा, सत्य, ईमानदारी, प्रकृति की देखभाल, करुणा, दलितों के कल्याण आदि के विचारों में विश्वास करते थे।
- ★ राजनीतिक गुरु: गोपाल कृष्ण गोखले
- ★ मृत्यु: नाथूराम गोडसे द्वारा गोली मारकर हत्या (30 जनवरी, 1948)।
- ◆ 30 जनवरी को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- ★ नोबेल शांति पुरस्कार के लिये पाँच बार नामित किया गया।

दक्षिण अफ्रीका में गांधी (1893–1915)

- ★ नस्लवादी शासन (मूल अफ्रीकी और भारतीयों के साथ भेदभाव) के खिलाफ सत्याग्रह।
- ★ दक्षिण अफ्रीका से उनकी वापसी के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस (PBD) मनाया जाता है।



भारत के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान

- ★ छोटे पैमाने के विभिन्न आंदोलन जैसे- चंपारण सत्याग्रह (1917), प्रथम सविनय अवज्ञा, अहमदाबाद मिल हड्डताल (1918)- पहली भूख हड्डताल और खेड़ा सत्याग्रह (1918)- पहला असहयोग।
- ★ राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन: रॉलेट एक्ट के खिलाफ (1919), असहयोग आंदोलन (1920-22), सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930&34), भारत छोड़ा आंदोलन (1942)।
- ★ गांधी-इरविन समझौता (1931): गांधी और लॉर्ड इरविन के बीच जिसने सविनय अवज्ञा की अवधि के अंत को चिह्नित किया।
- ★ पूना पैकेट (1932): गांधी और बी.आर. अंबेडकर के बीच; इसने वर्चित बर्गों के लिये अलग निर्वाचक मंडल के विचार को छोड़ दिया (सांप्रदायिक पंचाट)।

पुस्तकें

हिंद स्वराज, माय एक्सपरिमेंट विथ ट्रुथ (आत्मकथा)

साप्ताहिक पत्रिकाएँ

हरिजन, नवजीवन, यग इंडिया, इंडियन ओपिनियन

गांधी शांति पुरस्कार

भारत द्वारा गांधीवादी तरीकों के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन के लिये दिया जाता है।



उद्धरण

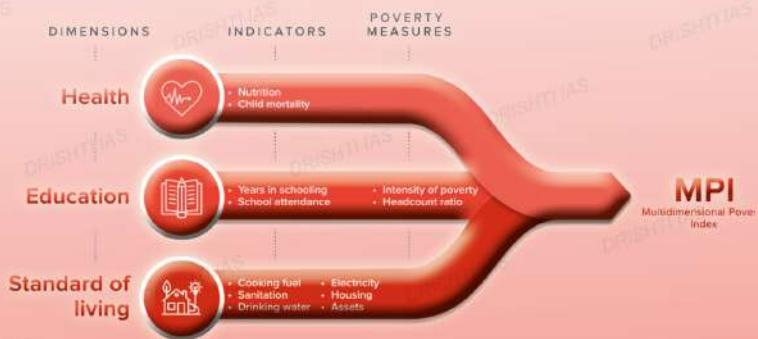
- ★ “खुशी तब मिलेगी जब आप जो सोचते हैं, जो कहते हैं और जो करते हैं, सामंजस्य में हों।”
- ★ “कमजोर व्यक्ति कभी क्षमा नहीं कर सकता, क्षमा करना शक्तिशाली व्यक्ति का गुण है।”
- ★ “आपको मानवता में विश्वास नहीं खोना चाहिये। मानवता सागर के समान है; यदि सागर की कुछ बैंद्रें गंदी हैं, तो पूरा सागर गंदा नहीं हो जाता।”



वैशिवक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI) 2022

- पहली बार 2010 में लॉन्च किया गया।
- शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर के क्षेत्रों में गरीब लोगों के सापेने आने वाले कई अभावों को दर्शाता है।
- MPI, 0 से 1 के बीच होता है और इसका उच्च मान उच्च गरीबी का संकेत देता है।
- जारीकर्ता: संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) और ऑक्सफोर्ड पॉवर्टी एंड ह्यूमन डेवलपमेंट इनीशिएटिव (OPHI)

आयाम और संकेतक -



वैशिवक परिदृश्य -

- 120 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से ग्रस्त हैं।
- उनमें से लगभग आधे 18 वर्ष से कम उम्र के हैं।
- उनमें से अधिकांश उप-सहारा अफ्रीका (57.9 करोड़) में रहते हैं, इसके बाद दक्षिण एशिया (38.5 करोड़) का स्थान आता है।
- भारत में अब तक दुनिया भर में सबसे अधिक गरीब लोग हैं, उसके बाद नाइजीरिया का स्थान है।

भारतीय परिदृश्य -

- 22.8 करोड़ बहुआयामी गरीब हैं (9.7 करोड़ बच्चों सहित)।
- 2005-06 और 2019-21 के बीच गरीबों की संख्या में लगभग 41.5 करोड़ की गिरावट आई।
- MPI का मान 2005-06 के 0.283 से गिरकर 2019-21 में 0.069 हो गया और गरीबी का स्तर 55.1% से गिरकर 16.4% हो गया।
- 2015-16 में सबसे गरीब राज्य बिहार में MPI के मान में निरपेक्ष रूप से सबसे तेजी से कमी देखी गई।
- सापेक्ष दृष्टि से सबसे तेज कमी गोवा में थी, इसके बाद जम्मू और कश्मीर, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान का स्थान रहा।



वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2022

● वैश्विक भुखमरी सूचकांक

- ▶ वैश्विक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर भुखमरी की स्थिति को मापता है और ट्रैक करता है।
- ▶ वार्षिक रिपोर्ट; पहली बार 2006 में प्रकाशित हुआ।

● प्रकाशन

- ▶ कंसर्न बर्ल्डवाइड और वेलथुंगरहिल्फ द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित।

● GHI संकेतक

- ▶ अल्पपोषण: अपर्याप्त कैलोरी सेवन वाली जनसंख्या।
- ▶ चाइल्ड वेरिटेंग: ऊँचाई के हिसाब से वजन कम होना।
- ▶ चाइल्ड स्टंटिंग: उम्र के हिसाब से वजन कम होना।
- ▶ बाल मृत्यु दर: पाँच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर।

● स्कोरिंग:

- ▶ चार संकेतकों के मूल्यों के आधार पर GHI 100-बिंदु पैमाने पर भूख का निर्धारण करता है जहाँ 0 सबसे अच्छा स्वास है (शून्य भूख) और 100 को सबसे खराब माना जाता है।



● GHI 2022

- ▶ वैश्विक औसत स्कोर: 18.2 (मध्यम)
- ▶ भारत की रैंक और स्कोर: 107/121 और 29.1 (गंभीर)
- ▶ भारत के पड़ोसी: भारत का स्थान श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश और पाकिस्तान से नीचे है।
 - ❖ 5 से कम के स्कोर के साथ चीन शीर्ष 17 देशों में शामिल है।



आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलें-जीएम फसलें (Genetically Modified Crops-GM Crops)

परिचय:

- पौधों के आनुवंशिक संशोधन का अर्थ है पौधे के जीनोम में DNA के एक विशिष्ट खंड को शामिल करना, जिससे इसे नई या अलग विशेषताएँ प्राप्त होती हैं।
- इस प्रकार संशोधित फसलों को डायमेनिक फसल भी कहते हैं।

उद्देश्य:

- उत्पाद में वृद्धि
- शक्तिशालीय (herbicides) के प्रति सहिष्णुता में वृद्धि
- पोषण मात्रा में सुधार
- रोग-सुख वे खिलाफ प्रतिरोध प्रदान करना

विशिष्ट रूप से खेती:

- जीएम फसलों की खेती करने वाले शीर्ष 5 देश- संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्राजील, अर्जेंटीना, भारत और कनाडा।
- प्रमुख जीएम फसलें- सोयाबीन, बक्का, कपास तथा कैनोला

भारत में जीएम फसलें:

- बीटी कपास- एकमात्र जीएम फसल जिसे मंजुरी मिली है (भारत के कुल कपास क्षेत्र का 90%) (गुलाबी बीलवर्म के खिलाफ प्रतिरोध)
- एचटी बीटी कपास- ग्लाइकोसेट (शक्तिशाली) के खिलाफ प्रतिरोध
- डीएमएच-11 सरसों- व्याकरणीय उपयोग (उच्च उपयोग) के लिये अनुमति
- गोल्डन राइस- जीएम चावल की संभवत: सबसे अच्छी किस्म (विटामिन A वितानी)
- जीएम बीज की लागत में हेराफेरी
- बीजों से अवश्यक परिणाम प्राप्त नहीं होते हैं
- कोट-प्रतिरोधी पौधे गैर-लक्षित प्रजातियों को भी तुकसान चढ़ाते हैं
- इटार्मिक्सिंग से प्राकृतिक पौधों के आनंदिक महत्व का अतिक्रमण होता है

जीएम फसलों का विनियमन

संवैधानिक प्रावधान

- पर्यावरण मंत्रालय अधिनियम (1986) के अंतर्गत खतरनाक सूक्ष्म जीव (HMG) आनुवंशिक रूप से अंतर्यापिक जीव अथवा कोशिकाओं का उत्पादन, उपयोग, आयात, नियांत्रण और भड़ारण नियमावली, 1989

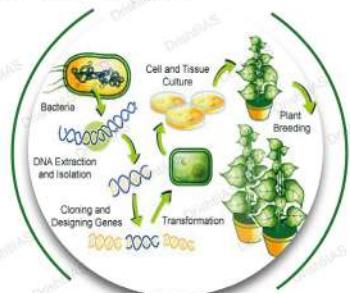
संवैधानिक नियाम:

- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन भवान्तर्य के अधीन जीनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकनज नियमिति (GEAC)- जीएम फसलों के वाणिज्यिक नियमन को प्रशासित करती है।

- पुन: संयोजक डीएनए स्लाहकार समिति (RDAC)
- संस्थापत जैव सुरक्षा समिति (BSC)
- आनुवंशिक हेल्फर पर समीक्षा समिति (RCGM)
- राज्य जैव प्रैदूषिकों समन्वय समिति (SBCC)

जैव सुरक्षा पर काटोजेना प्रोटोकॉल (2000)

- यह आधुनिक जैव प्रैदूषिकों से उत्पादित जीवित संशोधित जीवों (Living Modified Organisms) द्वारा उत्पन्न संभावित जोखियों से जैविक विविधता को रखा करने का उद्देश्य रखता है।
- भारत इस प्रोटोकॉल का एक हस्ताक्षरकर्ता है।







राज्यपाल (भाग-2)

गवर्नर्स कमेटी (1971)

- इसने केंद्र को राज्य की राजनीतिक स्थिति के बारे में एक नियमित रिपोर्ट भेजने के लिये राज्यपाल का उपरदायित्व निर्धारित किया।
- यह रिपोर्ट आगे चलकर अनुच्छेद 356 (राज्यपति शासन) को लागू करने का कारण बन सकती है।

प्रमुख मुद्दे

- अनुच्छेद 356 को लागू करने में राज्यपाल की भूमिका - केंद्र द्वारा प्रायः इसका दुरुपयोग।
- मतभेद की स्थिति में राज्यपाल-राज्य सरकार की भूमिका/कार्यों के संबंध में कोई प्रावधान नहीं किया गया है।
- राज्यपाल की शक्तियों के प्रयोग के संदर्भ में कोई संवैधानिक दिशानिर्देश नहीं।
- अवसर राज्य सरकारों द्वारा संघर्षपाल के संदर्भ में केंद्र के एजेंट, कठपुतली और रबर स्टैम जैसे नकारात्मक शब्दों का उपयोग किया जाता है।

महत्वपूर्ण आटोगों द्वारा की गई सिफारिशें

- प्रासादीक सुधार आयोग (1968):
 - अनुच्छेद 356 के संबंध में राज्यपाल की रिपोर्ट वस्तुनिष्ठ होनी चाहिये और इसे राज्यपाल द्वारा अपने विवेक से तैयार किया जाना चाहिये।
- राजनीति समिति (1971):
 - संवैधानिक से अनुच्छेद 356 और 357 को रख कर दिया जाए लेकिन केंद्र की भूमिका की रिपोर्ट के विवरद्वारा आवश्यक प्रावधानों को बनाए रखें।
- संवैधानिक आयोग (1988):
 - अनुच्छेद 356 को दुरुपयोग बहुत ही दुर्लभ मामलों में किया जाना चाहिये।
- न्यायपत्र वी. चौलेया आयोग (2002):
 - अनुच्छेद 356 का उपयोग जोखिम अवधारण के रूप में निम्नलिखित प्रावधानों के अंतर्गत सभी प्रक्रियाओं को समाप्त करने के बारे ही किया जा सकता है:
 - अनुच्छेद 256 (संसद द्वारा बनाए गए कानूनों के अनुपालन में राज्य की कांगड़ारी शर्कि)
 - अनुच्छेद 257 (राज्य की कांगड़ारी शर्कि जो संघ की कांगड़ारी शर्कि यों की वापिस न करे)
 - अनुच्छेद 355 (राज्य सरकारों द्वारा संविधान के प्रावधानों का अनुपालन करें)
 - पुरुषी आयोग (2010):
 - अनुच्छेद 355 तथा 356 में संशोधन किया जाना चाहिये

- एस.आर. योग्याई निर्णय (1994):
 - संवैधानिक तंत्र की विफलता राज्य में साधन लाने में केवल एक कठिनाई को ही नहीं बल्कि एक आधारी असमर्थता को भी दर्शाती है। इस निर्णय में संवैधानिक तंत्र की विफलता को निम्नलिखित रूपों में वर्णित किया गया:
 - जनराजीक संकट
 - पौरीकरण असमर्थता
 - संघ कांगड़ारीयों के संवैधानिक निरेशों का वालान न करना
- नवायम रंजन निर्णय (2016):
 - राज्यपाल की विलेक्षण शर्कि (अनुच्छेद 163) मनमानी नहीं होनी चाहिये, लिक उचित कारण द्वारा विभासित होनी चाहिये
 - वी.पी. सिंधु वार (2010):
 - राज्यपाल को हटाने के गद्दरी के निर्णय को कानूनकरी और लैप माना जाएगा लेकिन यदि राज्यपाल न्यायालय का रख करता है, तो केंद्र को अपने निर्णय फैसले को सही सिद्ध करना होगा।

सर्वोच्च न्यायालय के महत्वपूर्ण निर्णय

• 01

• 02

• 03

• 04



राज्यपाल

(भाग-III)

राष्ट्रपति- अनुच्छेद 52-78 (भाग V); राज्यपाल- अनुच्छेद 153-167 (भाग VI)

राज्यपाल व राष्ट्रपति-समानताएँ

समानता का बिंदु	विशेषताएँ
प्रमुख	♦ दोनों अपने स्तर पर नाममात्र के कार्यकारी प्रमुख (संवैधानिक/शीर्षक प्रमुख) हैं
अध्यादेशों का प्रख्यापन	♦ दोनों के पास यह शक्ति है (अनुच्छेद 123- राष्ट्रपति; अनुच्छेद 213- राज्यपाल)
सिविल और आपराधिक कार्यवाही	♦ दोनों कार्यकाल के दौरान किसी भी आपराधिक कार्यवाही से मुक्त हैं; गिरफ्तार या कैद नहीं किया जा सकता। ♦ 2 महीने का नोटिस देकर सिविल कार्यवाही शुरू की जा सकती है।
पुनर्नियुक्ति/पुनर्निर्वाचन	♦ दोनों एक ही कार्यालय में पुनर्नियुक्ति/पुनर्निर्वाचन के पात्र हैं
नियुक्ति अधिकारी	♦ जिस प्रकार राष्ट्रपति राष्ट्रीय स्तर पर नियुक्तियाँ करता है वैसे ही राज्यपाल राज्य स्तर पर नियुक्ति करता है (लोक सेवा आयोग के सदस्य, न्यायालयों के न्यायाधीश, चुनाव आयुक्त आदि)।
विधानमंडल में भूमिका	♦ राज्य/संघ विधानमंडल को आहूत करने या सत्रावसान करने और राज्य विधानसभा/लोकसभा को भंग करने की शक्ति
वित्तीय शक्तियाँ	♦ राज्य/संघ स्तर पर वित्त आयोग का गठन करना
परिस्थितिजन्य विवेकाधीन शक्ति	♦ प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री की नियुक्ति (प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री की मृत्यु के मामले में या जब किसी दल के पास स्पष्ट बहुमत नहीं है) ♦ मन्त्रिपरिषद की बर्खास्तगी ♦ लोकसभा/राज्य विधायिका को भंग करना

राज्यपाल बनाम राष्ट्रपति

अंतर का बिंदु	राष्ट्रपति	राज्यपाल
निर्वाचन	अप्रत्यक्ष चुनाव	राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त
प्रसादपर्यंता का सिद्धांत	प्रसादपर्यंता के सिद्धांत की कोई अवधारणा नहीं	राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद पर बना रहता है
अनुसूचित क्षेत्रों की घोषणा	किसी भी क्षेत्र को अनुसूचित क्षेत्र के रूप में घोषित कर सकता है	भूमिका सलाह/परामर्श के अधीन
संविधान में संशोधन	विधेयक पर इसकी सहमति आवश्यक है	संविधान संशोधन में कोई भूमिका नहीं
क्षमादान शक्ति	मृत्युदंड की सजा/कोर्ट मार्शल द्वारा दी गई सजा को माफ कर सकता है	मृत्युदंड की सजा को माफ नहीं कर सकता; सैन्य मामलों में कोई भूमिका नहीं
संवैधानिक विवेकाधिकार	कोई संवैधानिक विवेकाधिकार नहीं	किसी विधेयक को सुक्षित रखने, राष्ट्रपति शासन लगाने और किसी निकटवर्ती केंद्रशासित प्रदेश के प्रशासन के संदर्भ में संवैधानिक विवेकाधिकार
महाभियोग की स्थिति	संविधान का उल्लंघन	कोई आधार निर्धारित नहीं



साहित्य अकादमी पुरस्कार

ज्ञानपीठ पुरस्कार के बाद भारत सरकार द्वारा दूसरा सर्वोच्च साहित्यिक
सम्मान-वर्ष 1954 में स्थापित

प्रदान किया जाता है:

- साहित्य अकादमी - नेशनल एकेडमी ऑफ लेटर्स द्वारा

पुरस्कार

- मान्यता प्राप्त भाषाओं में साहित्यिक कार्यों के लिये 24 पुरस्कार (8वीं अनुसूची से 22 + अंग्रेजी और राजस्थानी)
- इन्हीं भाषाओं में परस्पर साहित्यिक अनुवाद के लिये 24 पुरस्कार

पुरस्कार के लिये मानदंड:

- लेखक के पास अनिवार्य रूप से भारतीय राष्ट्रीयता होनी चाहिये।
- पुरस्कार के लिये पात्र पुस्तक/रचना का संबंधित भाषा और साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान होना चाहिये।

साहित्य अकादमी पुरस्कार 2022

- भाषा सम्मान:** संबंधित भाषाओं के प्रचार, आधुनिकीकरण या संवर्धन में उल्लेखनीय योगदान के लिये दिया जाता है
 - उदय नाथ ज्ञा को सम्मानित (पूर्वी क्षेत्र में शास्त्रीय और मध्यकालीन साहित्य में बहुमूल्य योगदान) किया गया है
- अनुवाद के लिये चुनी गई पुस्तकें:** याद वाशेम (एन. नल्लथम्बी), अकुपचा कविथलु (वरला आनंद) + 15 और



महत्वपूर्ण विजेता	कार्य
अनुराधा राय	ऑल द लाइब्रेरी नेवर लिव्ड (अंग्रेजी उपन्यास)
बद्री नारायण	तुमड़ी के शब्द (हिंदी काव्य पुस्तक)
श्री राजेंद्रन	काला पानी (तमिल उपन्यास)
प्रवीण बादेकर	उजव्या सोडेच्या बाहुल्या (मराठी उपन्यास)
अनीस अशफाक	ख्वाब सरब (उर्दू उपन्यास)
मनोज कुमार गोस्वामी	भूल सत्य (असमिया)



अन्य साहित्य अकादमी पुरस्कार

- साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार:** बाल साहित्य में लेखक के कुल योगदान के आधार पर।
 - 2022 के विजेता - हपन माई के लिये गणेश मरांडी (संथाली में पुस्तक)
- साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार:** यह 35 वर्ष और उससे कम आयु के लेखक द्वारा प्रकाशित पुस्तकों से संबंधित है।
 - 2022 के विजेता - मी संदर्भ पोखरतोय (मराठी कविता) के लिये पवन नलत

जलोबल जैंडर गैप 2022

जारीकर्ता विश्व आर्थिक मंच

शीर्ष प्रदर्शनकर्ता आइसलैंड

चार प्रमुख आयाम

- आर्थिक भागीदारी एवं अवसर
- शिक्षा प्राप्ति
- स्वास्थ्य एवं उत्तरजीविता
- राजनीतिक सशक्तीकरण

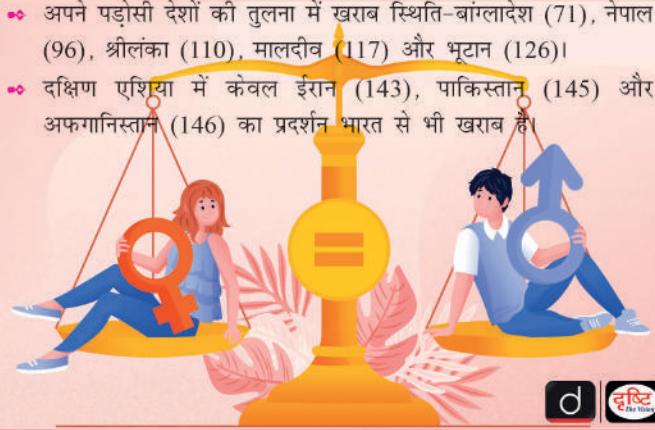
सबसे निम्न प्रदर्शनकर्ता अफगानिस्तान

प्रमुख निष्कर्ष

- लैंगिक समानता तक पहुँचने में 132 साल लगेंगे।
- कोविड का प्रभाव (Shecession): कोविड के चलते आई मंदी ने महिलाओं को प्रमुखता से प्रभावित किया है, इसका मुख्य कारण यह है कि महिलाओं की उपस्थिति उन क्षेत्रों में अधिक थी जो कोविड के कारण सर्वाधिक प्रभावित हुए जैसे- रिटेल तथा आतिथ्य (होस्पिटैबिलिटी) क्षेत्र।

भारत का स्थान- 135वाँ (146 देशों में)

- “स्वास्थ्य एवं उत्तरजीविता” के आयाम में विश्व में सबसे खराब प्रदर्शनकर्ता।
- समग्र स्कोर में सुधार (0.625 से 0.629) हुआ है। वर्ष 2021 में भारत 156 देशों में 140वें स्थान पर था।
- अपने पड़ोसी देशों की तुलना में खराब स्थिति-बांग्लादेश (71), नेपाल (96), श्रीलंका (110), मालदीव (117) और भूटान (126)।
- दक्षिण एशिया में केवल ईरान (143), पाकिस्तान (145) और अफगानिस्तान (146) का प्रदर्शन भारत से भी खराब है।





इंटरपोल

परिचय

- ◆ **आधिकारिक नाम:** अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन (International Criminal Police Organization-ICPO: INTERPOL)
- ◆ **स्थापना:** वर्ष 1923
- ◆ **सदस्य राज्य:** 195
 - ◆ भारत वर्ष 1956 से इसका सदस्य है।
- ◆ **मुख्यालय:** लियॉन, फ्रांस
- ◆ यह एक **अंतर-सरकारी संगठन** है।

उद्देश्य

- ◆ यह विभिन्न पुलिस बलों से प्राप्त सूचनाओं के संग्रह और प्रसार के माध्यम से दुनिया भर में पुलिस बलों की आपराधिक जाँच की सुविधा प्रदान करता है।
 - ◆ इसके पास गिरफ्तारी जैसी कानून प्रवर्तन शक्तियाँ नहीं हैं।

संरचना

- ◆ **अध्यक्ष** (इंटरपोल का प्रमुख) - 4 वर्ष के लिये चुना जाता है।
- ◆ **महासचिव** (दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों की देखरेख करता है) - 5 वर्ष के लिये चुना जाता है।
- ◆ **विशेष निदेशालय - साइबर अपराध, आतंकवाद, मादक पदार्थों की तस्करी, वित्तीय अपराध, पर्यावरण अपराध, मानव तस्करी आदि जैसे विशिष्ट मुद्दों से संबंधित है।**
- ◆ **महासभा:** सर्वोच्च शासी निकाय (वर्ष में एक बार बैठक)।
 - ◆ भारत ने वर्ष 2022 में इंटरपोल महासभा की मेजबानी की।

इंटरपोल के नोटिस

- ◆ इंटरपोल द्वारा जारी किया जाने वाला नोटिस सदस्य देशों में पुलिस को अपराध से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा करने में सहयोग या अलर्ट (Alert) के लिये अंतर्राष्ट्रीय अनुरोध होता है।

इंटरपोल नेशनल सेंट्रल ब्यूरो (NCB)

- ◆ NCB, इंटरपोल के लिये नामित संपर्क बिंदु होते हैं।
- ◆ भारत का इंटरपोल NCB - **केंद्रीय अन्वेषण जाँच ब्यूरो (CBI)**

इंटरपोल नोटिस



जैव विविधता विरासत स्थल



जैव विविधता विरासत स्थल (BHS)

जैव विविधता विरासत स्थल ऐसे पारिस्थितिक तंत्र होते हैं जिसमें अनृट, सुधेदा पारिस्थितिकी तंत्र स्थलीय, तटीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जल तथा समृद्ध जैव विविधता वाले अथवा अधिक विशेषता युक्त समुद्री पारिस्थितिक तंत्र शामिल होते हैं।

घोषणा करने वाला प्राधिकरण

'जैव विविधता अधिनियम, 2002' की धारा 37(1) के तहत, राज्य सरकार समय-समय पर स्थानीय निकायों के परामर्श से आधिकारिक गतिपत्र में जैव विविधता महत्व के क्षेत्रों को बीएचएस के रूप में अधिसूचित कर सकता है।

प्रतिवंध

बीएचएस का निर्माण स्थानीय समुदायों के प्रचलित प्रथाओं और उपयोगों पर कोई प्रतिवंध नहीं लगा सकता है। हालांकि उनकी स्वीकृति से कुछ प्रतिवंध लगे जा सकते हैं।

भारत में कुल BHS

नवंबर 2022 तक, भारत में 35 बीएचएस हैं।

प्रथम और नवीनतम शामिल BHS



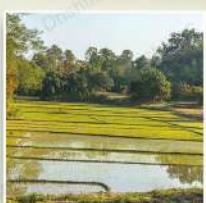
पहला

बोगलुरु, कर्नाटक में नल्लूर टैमरिंड ग्रोव (जनवरी 2007)

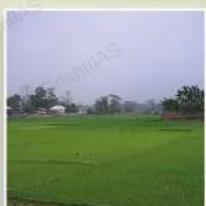


नवीनतम

मदुरै, तमिलनाडु में अरिट्टापट्टी (नवंबर 2022) (भारत का 35वाँ बीएचएस)



त्रिपुरा में डेबरी या छविमुद्दा
(सितंबर 2022)



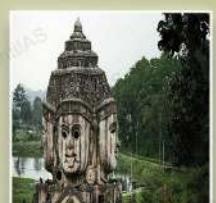
बेटलिंगशिब और त्रिपुरा में इसके
आसपास का क्षेत्र (सितंबर 2022)



असम में हाजोग कछुआ
झील (अगस्त 2022)



असम में बोरजुली वाल्ड
राइस साइट (अगस्त 2022)



मध्य प्रदेश में अमरकंठक
(जुलाई 2022)



जल जीवन मिशन (हर घर जल)

शुरुआत:

15 अगस्त, 2019



प्रमुख घटक:

- बॉटम-अप प्लानिंग
- महिला सशक्तीकरण

उद्देश्य:

- कार्यात्मक घरेलू जल कनेक्शन (FHTC) के माध्यम से वर्ष 2024 तक प्रत्येक ग्रामीण परिवार को प्रति व्यक्ति प्रति दिन 55 लीटर जल उपलब्ध कराना।

क्रियान्वयन:

- जलशक्ति मंत्रालय: नोडल मंत्रालय
- पानी समितियाँ: गाँव में जलाधार्ति प्रणाली की योजना तैयार करना, उसका क्रियान्वयन करना, प्रबंधन और रख-रखाव करना।
- सदस्य: 10-15 (कम-से-कम 50% प्रतिशत महिलाएँ)

- भविष्य की पीढ़ियों पर विशेष ध्यान
- कौशल विकास और रोजगार सृजन

- गोवा तथा दादरा और नगर हवेली व दमन और दीव (D-NH and D-D) देश में क्रमशः पहले 'हर घर जल' प्रमाणित राज्य और केंद्रशासित प्रदेश हैं।

वित्तीयन प्रतिरूप:

- केंद्र प्रायोजित योजना
 - केंद्र : हिमालयी तथा पूर्वोत्तर राज्य - 90:10
 - केंद्र : अन्य राज्य - 50:50
 - केंद्रशासित प्रदेशों के मामले में 100% केंद्र द्वारा



जल जीवन मिशन (शहरी)

परिचय

- इसकी घोषणा **बजट 2021-22** में की गई थी।
- सभी **4,378** वैधानिक कस्बों में कार्यात्मक नलों के माध्यम से सभी घरों में जल की आपूर्ति का सार्वभौमिक कवरेज प्रदान करने के लिये।
- यह वर्ष **2019** में शुरू की गई केंद्र की ग्रामीण जल आपूर्ति परियोजना (जल जीवन मिशन) के अनुरूप है।

उद्देश्य

- नल और सीवर कनेक्शन तक पहुँच सुनिश्चित सुरक्षित करना
- जल निकायों का नवीनीकरण
- जल की चक्रीय अर्थव्यवस्था का निर्माण करना
- 500** अमृत (AMRUT) शहरों में सीवेज/सेटेज प्रबंधन का कवरेज प्रदान करना
- सत्र॑ विकास लक्ष्य **6** (सभी के लिये स्वच्छ जल और स्वच्छता) को पूरा करना

केंद्र सरकार द्वारा वित्तीयन

- केंद्रशासित राज्यों के लिये: **100%**
- पूर्वोत्तर एवं पहाड़ी राज्यों के लिये: **90%**
- अन्य राज्यों के लिये:
 - 1** लाख से कम आबादी वाले शहर: **50%**
 - 1** लाख से **10** लाख तक की आबादी वाले शहर: **33.3%**
 - 1** मिलियन से अधिक जनसंख्या वाले शहर : **25%**

नोडल मंत्रालय

- आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

विशेषताएँ

- पेय जल सर्वेक्षण-**समान वितरण के लिये सर्वेक्षण
- शहरी स्थानीय निकायों की मजबूती पर विशेष जोर
- दोहरी पाइपिंग प्रणाली को बढ़ावा देना
- पीपीपी (सार्वजनिक-निजी भागीदारी) मॉडल को बढ़ावा देना
- जल के लिये एक प्रौद्योगिकी उप-मिशन
- जल संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए सूचना, शिक्षा और संचार (IEC) अभियान।

परिणाम आधारित वित्तीयन

- परियोजनाओं के लिये सरकार की ओर से वित्तपोषण **20:40:40** की तीन किस्तों में किया जाएगा।





पंडित जवाहरलाल नेहरू

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री

જन्म

14 नवंबर, 1889 को इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश में

मृत्यु

27 मई, 1964

स्वतंत्रता-पूर्व योगदान

- अधिकार भारतीय कॉन्सेस कमेटी (AICC) के महासचिव 1923
- वर्ष 1929-31 के दौरान, 'मौलिक अधिकार और आर्थिक नीति' संकल्प का मसौदा तैयार किया
- वर्ष 1928 में साइमन कमीशन के खिलाफ विरोध प्रवर्शन का नेतृत्व किया
- भारतीय राष्ट्रीय कॉन्सेस के लाहौर (1929) और लखनऊ सत्र (1936) की अध्यक्षता की।
- व्यक्तिगत सत्याग्रह के दूसरे सत्याग्रही (1940) (प्रथम-विदेश भावे)
- अधिकार भारतीय कॉन्सेस कमेटी के बैन्डे अधिवेशन (1942) में 'भारत छोड़ो' आंदोलन का प्रस्ताव पेश किया।
- सात बार कॉन्सेस के अध्यक्ष के रूप में चुने गए (1954 तक)

स्वतंत्रता के बाद का योगदान

- उद्देश्य संकल्प (संविधान का मसौदा तैयार करने के लिये मार्गदर्शक सिद्धांत) प्रस्तुत किया किए
- प्रथम पंचवर्षीय योजनाओं को लाए करके औद्योगिकरण को बढ़ावा दिया
- गुटनियरेश आंदोलन (NAM)- उनकी सबसे बड़ी भू-राजनीतिक उपलब्धि
- लोकतात्त्विक समाजवाद को बढ़ावा दिया
- सेना पर संसदीय सर्वोच्चत स्थापित की (भारत को एक और जुंडा सैन्यशासित तीसरी दुनिया निरंकुशता से रोका)
- निनलिखित की आधारशिला रखी:
 - भारत की अंतरिक्ष विजय के लिये वैज्ञानिक आधार
 - दौहरे ट्रैक वाले परमाणु कार्यक्रम

प्रसिद्ध भाषण

- नियति से साक्षात्कार (Tryst with Destiny)

पुस्तकें

- डिस्कवरी ऑफ इंडिया
- मिलम्स ऑफ वर्ल्ड हिस्ट्री
- एन ऑटेबायोग्राफी
- लेटर्स फ्रॉम अ फादर टू हिंज डॉटर

जैव शस्त्र और रासायनिक शस्त्र अभिसमय

Biological Weapon and Chemical Weapon Conventions



जैव शस्त्र अभिसमय (BWC) 1975

जैव शस्त्र सूक्ष्म जैविक एजेंटों (जैसे बैक्टीरिया, वायरस या कवक) या विषाक्त पदार्थों का उपयोग जान-बूझकर मनुष्यों, जानवरों या पौधों को मारने या उन्हें नुकसान पहुँचाने के लिये किया जाता है।

ओपरारिक नाम	समझौता	प्रतिबंधित	सदस्य	महत्व
• "बैक्टीरियोलॉजिकल (जैविक) और विषाक्त हथियारों के विकास, उत्पादन तथा भेंडारण एवं उनके विनाश के नियंत्रण पर अभिसमय"	• जिनेवा, स्विट्जरलैंड में निरस्त्रीकरण समिति के सम्मेलन के दैशन	• जैविक और विषाक्त हथियारों का विकास, उत्पादन, अधिग्रहण, भेंडारण हस्तांतरण, इत्यादि देश और चार उत्पादन, अधिग्रहण, राज्य (भारत-हस्ताक्षरकर्ता) एवं उपयोग शामिल हैं।	• इसमें 184 भारतीय देश और चार हस्ताक्षरकर्ता राज्य (भारत-हस्ताक्षरकर्ता) शामिल हैं।	• सामुद्रिक विनाश के हथियारों (WMD) की सभी अंगियों पर प्रतिबंध लगाने वाली यह पहली बहुपक्षीय निरस्त्रीकरण संधि थी। • वर्ष 1925 के जिनेवा प्रोटोकॉल का पूरक है।

रासायनिक शस्त्र अभिसमय (CWC) 1997

- रासायनिक शस्त्र एक ऐसा रसायन होता है जिसके विषाक्त गुणों का उपयोग जान-बूझकर किसी को जान से मारने अथवा नुकसान पहुँचाने के लिये किया जाता है।
- युद्ध सामग्री, उपकरण तथा अन्य साजों-सामान जिन्हें विशेष रूप से विषाक्त रसायनों से शस्त्र/हथियार बनाने में प्रयुक्त किया जाता है, भी रासायनिक हथियारों की परिमाणों के अंतर्गत आते हैं।

वार्ता का आरंभ	आङ्गापन	स्थापना	सदस्य	प्रतिबंधित
• निरस्त्रीकरण पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय 1980 के दौरान	• पुराने और प्रयोग किये जा चुके रासायनिक शस्त्रों को नष्ट करना। • सदस्यों को 'दंगा' (कभी-कभी 'आँसू गैस' के रूप में संदर्भित) को भी स्वयं के कब्जे में छोचित करना।	• CWC को शर्तों को लागू एवं विवादाचारण करने के लिये वर्ष 1997 में रासायनिक शस्त्र नियंत्रण संगठन (OPCW) की स्थापना।	• इसके 192 राज्य सदस्य और 165 हस्ताक्षरकर्ता (भारत-हस्ताक्षरकर्ता) हैं।	• रासायनिक शस्त्रों का विकास, उत्पादन, अधिग्रहण, भेंडारण, प्रतिबंधारण, हस्तांतरण और उपयोग। • CWC द्वारा विविध गतिविधियों में शामिल होने के लिये अन्य राज्यों की सहायता करना। • दंगा नियंत्रण उपकरणों का उपयोग 'युद्ध विधियों' के रूप में करना।

कथक (उत्तर भारत)



- ❖ इसका नाम 'कथिका' से लिया गया है
- ❖ उत्पत्ति: ब्रजभूमि की रासलीला
- ❖ संगीत, नृत्य तथा कथा का संयुक्त रूप
- ❖ मंदिर या गाँव की प्रस्तुति।
- ❖ कथक में राधा-कृष्ण की विषयवस्तु बहुत लोकप्रिय है।
- ❖ शास्त्रीय संगीत: उत्तर भारत (विशेष रूप से उत्तर प्रदेश)।
- ❖ कथक की शास्त्रीय शैली को 20वीं शताब्दी में लेडी लीला सोखे द्वारा पुनर्जीवित किया गया।
- ❖ हिंदुस्तानी या उत्तर भारतीय संगीत से संबद्ध शास्त्रीय नृत्य की एक मात्र शैली।

प्रस्तुति:

- ❖ भाव-भगिमाओं तथा संगीत के साथ महाकाव्यों से ली गई कविताओं की प्रस्तुति।
- ❖ पद-चालनों पर अधिक जोर। इसमें अभिव्यक्ति तथा लालित्य को अधिक महत्व दिया जाता है।
- ❖ प्रायः एकल प्रस्तुति।

कथक प्रस्तुति के घटक

- ❖ **आनंदः**: परिचयात्मक प्रस्तुति।
- ❖ **ठाटः**: हल्की किंतु अलग-अलग प्रकार की हरकतें।
- ❖ **तोड़ा तथा टुकड़ा**: तीव्र लय के लघु अंश।
- ❖ **जुगलबंदी**: तबलावादक तथा नर्तक के बीच प्रतिस्पर्द्धात्मक खेल।
- ❖ **पढ़ंतः**: नर्तक जटिल बोल का पाठ कर नृत्य द्वारा उनका प्रदर्शन करता है।

- ❖ **तराना**: समापन से पूर्व विशुद्ध लयात्मक संचालन।
- ❖ **क्रमालय**: समापनकारी अंश जिसमें जटिल तथा तीव्र पद-चालन का समावेश होता है।
- ❖ **गत भाव**: बिना किसी गायन के किया गया नृत्य।

प्रसिद्ध प्रतिपादक

- ❖ बिरजू महाराज, लच्छू महाराज, सितारा देवी, दमयंती जोशी

वाद्ययंत्र

- ❖ तबला, पखावज, सारंगी, सितार



कथकली (केरल)

कथकली के स्रोत

- ❖ **रामानृष्टम:** रामायण की घटनाओं का प्रस्तुतीकरण।
- ❖ **कृष्णानृष्टम:** महाभारत की घटनाओं का प्रस्तुतीकरण।
- ❖ **नृत्य, संगीत तथा नाटक का संयोजन।**
- ❖ आमतौर पर कथकली पुरुषों तथा युवा बालकों, जो पुरुष तथा स्त्री दोनों की भूमिका निभा सकते हों, द्वारा किया जाने वाला प्रदर्शन है। महिलाएँ इसमें भाग नहीं लेती हैं।
- ❖ **कथकली गीतों की भाषा:** मणिप्रवलम (मलयालम और संस्कृत का मिश्रण)
- ❖ इसे 'पूर्व का गाथागीत' भी कहा जाता है।
- ❖ आँखों और भौंहों की लय के माध्यम से रस के निरूपण में उल्लेखनीय।
- ❖ **नवरस:** चेहरे के नौ महत्वपूर्ण भाव।
- ❖ नर्तक राजाओं, देवताओं तथा राक्षसों इत्यादि की भूमिका का निरूपण करते हैं।
- ❖ अच्छाई और बुराई के बीच शाश्वत संघर्ष का भव्य निरूपण।
- ❖ वर्ष 1930 में प्रसिद्ध मलयाली कवि वी.एन.मेनन द्वारा मुकुंद राजा के संरक्षण में इसका पुनरुत्थान किया गया।



परिधान

- ❖ चेहरे का सुपरिष्कृत शृंगार
- ❖ बड़ा धेरदार घाघरा (स्कर्ट)
- ❖ अलंकृत मुखाई
- ❖ बड़ी टोपी (हेडिंगियर)

चेहरे पर प्रयुक्त विविध रंग अलग-अलग मानसिक स्थिति के परिचायक

हरा:
कुलीनता

काला:
दुष्टता

लाल धब्बे:
राजसी गौरव
तथा बुराई का
संयोजन

पीला:
संत और
महिलाएँ

सफेद दाढ़ी:
उच्चतर चेतना
तथा देवत्व

हाथों के
हाव-भाव,
चेहरे की
अभिव्यक्ति
तथा आँखों
की हरकतें
महत्वपूर्ण हैं।

वाद्ययंत्र

- ❖ ढोल
- ❖ छेंद
- ❖ मदला



- ❖ गुरु कुचू कुरुप, गोपी नाथ, कोट्टकल शिवरमन तथा रीता गांगुली आदि।

प्रसिद्ध प्रवर्तक





Drishti IAS

एशियाई शेर

(*Panthera leo persica*)

आवास:

- वर्तमान में गिर राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभ्यारण्य (गुजरात) एशियाई शेरों का एकमात्र निवास स्थान है।

संरक्षण स्थिति:

- IUCN रेड लिस्ट: संकटापन्न (Endangered)
- CITES: परिशिष्ट I
- वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972: अनुसूची I

खतरे:

- मानव-वन्यजीव संघर्ष
- अवैध शिकार
- आनुवंशिक अंतःप्रजनन (जेनेटिक इनब्रीडिंग)
- प्लेग, कैनाइन डिस्टोपर जैसे रोग

संरक्षण हेतु प्रयास:

- एशियाई शेर संरक्षण परियोजना
- प्रोजेक्ट लायन
- विश्व शेर दिवस (10 अगस्त)



विशेषताएँ:

- एशियाई शेर अफ्रीकी शेर से थोड़े छोटे होते हैं।
- सबसे अनूठी शारीरिक विशेषता जो कि एशियाई शेर में अक्सर देखी जाती है वह है इनके पेट के साथ त्वचा की एक अनुदेव्य परत जो कि अफ्रीकी शेर में शायद ही पाई जाती है।



हिम तेंदुआ (SNOW LEOPARD)

(Panthera uncia)

प्रायः इसे "ghost of the mountains" अर्थात्
"पहाड़ों का भूत" के रूप में संदर्भित किया जाता है



आवास:

- मध्य और दक्षिणी एशिया के पर्वतीय क्षेत्रों
- हिम तेंदुआ रेज वाले वेशों की संख्या 12: भारत, नेपाल, भूटान, चीन, मंगोलिया, रूस, कशाखस्तान, किर्गिजस्तान, उज्बर्किस्तान, ताजिकिस्तान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान।
- भारत में:
 - पश्चिमी हिमालय: जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश
 - पूर्वी हिमालय: उत्तराखण्ड, सिक्किम तथा अरुणाचल प्रदेश



प्रमुख स्थान:

- हेमिस राष्ट्रीय उद्यान, लद्दाख
- इस उद्यान को हिम तेंदुओं की वैशिक राजधानी के रूप में जाना जाता है।
- गेट हिमालयन नेशनल पार्क, हिमाचल प्रदेश
- गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान, उत्तराखण्ड
- कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान, सिक्किम



संरक्षण स्थिति:

- IUCN रेड लिस्ट: सुभेद्रा (Vulnerable)
- CITES : पर्यावरण-1
- भारतीय बन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972: अनुसूची 1



खतरे:

- मानव-हिम तेंदुआ संबंध
- शिकार एवं आवास की क्षति
- अवैध शिकार
- जलवायु परिवर्तन



संरक्षण हेतु प्रयास:

- ग्लोबल स्नो लेपड़ एड इकोसिस्टम प्रोटोकॉल (GSLEP) कार्यक्रम
- हिमाल संरक्षक - सामूदायिक स्वयंसेवी कार्यक्रम
- प्रोजेक्ट स्नो लेपड़ (PSL)
- हिम तेंदुआ संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम - पश्चिम जापान, हिमालयन जूलीज़िकल पार्क, पश्चिम बगाल

साहित्य का नोबेल पुरस्कार 2022



- ▶ एनी एनॉवर्स (फ्राँस)
 - ▶ साहस और नैतिक सटीकता के साथ व्यक्तिगत स्मृति की जड़ों, व्यवस्थाओं और सामूहिक प्रतिबंधों को उजागर करने के लिये

- ▶ कलीन आडट 1974
 - ▶ ए मैन्स प्लेस 1984
 - ▶ ए विर्मेंस स्टोरी 1988
 - ▶ शेम 1997
 - ▶ हैपनिंग 2000
 - ▶ द पजेशन 2002
 - ▶ द इयर्स 2008
 - ▶ ए गल्स स्टोरी 2011
 - ▶ गेटिंग लॉस्ट 2022

उल्लेखनीय
कार्य

विजेता



वह अपने लेखन में लगातार लिंग, भाषा और वर्ग से जुड़ी असमानताओं को उजागर करती हैं

लेखन का
विषय

पुरस्कार
और सम्मान

- ▶ फ्रेंच भाषा पुरस्कार
- ▶ मार्गुराइट योरसेनर पुरस्कार
- ▶ सर्जी-पोंटोइज विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि
- ▶ “द इयर्स” को इंटरनेशनल मैन बुकर पुरस्कार के लिये चुना गया था।

“रवींद्रनाथ टैगोर भारत में साहित्य में नोबेल पुरस्कार (1913) प्राप्त करने वाले एकमात्र भारतीय हैं।”

प्रमुख कार्य: गीतांजलि, चोखेर बाली, पोस्टमास्टर, गोरा, काबुलीचाला (काबुल से फल विक्रेता), साथना: जीवन की अनुभूति आदि।



मणिपुरी (मणिपुर)

- > संबद्धता : अनुष्ठान और पारंपरिक त्योहार।
- > पौराणिक उत्त्यनि :
 - शिव और पार्वती का सुन्दर नृत्य।
- > नृत्य का उद्भव : नाट्य शास्त्र, विभिन्न स्थानीय लोक नृत्य रूपों और संस्कृति का प्रभाव।
- > 15वीं शताब्दी में वैष्णवबाद के आगमन के साथ इसे प्रसिद्धि मिली।
- > प्रस्तुति : महिलाओं द्वारा।



मणिपुरी नृत्य की विशेषताएँ

- > भक्ति पर विशेष बल।
- > इसमें तांडव और लास्य दोनों शामिल होते हैं।
- > नागबन्ध मुद्रा: शरीर '8' के आकार में वक्रों के माध्यम से जुड़ा हुआ है।
- > रास लीला मणिपुरी नृत्य गायन का एक आवर्ती विषय है।
- > मुख्य चरित्र :
 - राधा, कृष्ण और गोपियाँ।

वायरंत्र

- > पुंग
- > ढाल
- > बांसुरी

पोशाक

- > बूटेदार स्कर्ट।
- > महीन सफेद मलमल की छोटी स्कर्ट।
- > एक विशेष केशविन्यास पर एक श्वेत घूंघट जो चेहरे पर बड़े मनोहर तरीके से गिरता है।
- > कृष्ण की वेशभूषा : पीली धोती, गहरे रंग की मखमली जैकेट और मोर पंख का मुकुट।

प्रसिद्ध प्रतिपादक

- > नवना
- > सुवर्णा
- > रंजना
- > दर्शना
- > गुरु विपिन सिंह



खसरा

(Measles)



परिचय

- यह पैरामाइक्सोवायरस (paramyxovirus) परिवार के एक विषाणु के कारण होता है
- मानव रोग; जानवरों के इस रोग से ग्रसित होने का कोई भी मामला ज्ञात नहीं है
- विषाणु/वायरस श्वसन मार्ग को संक्रमित करता है, फिर पूरे शरीर में फैल जाता है
- खसरा प्रतिरक्षण दिवस 16 मार्च को मनाया जाता है

संचरण

- संक्रामक रोग
- सीधे संपर्क और हवा के माध्यम से फैलता है

सुभेद्य समूह

- ऐसे कोई भी व्यक्ति जिसका टीकाकरण नहीं हुआ है
- 5 साल से कम उम्र के बच्चों में इसके होने की संभावना अधिक

लक्षण

तेज बुखार/ज्वर, चकते, अंधापन, इंसेफेलाइटिस, गंभीर दस्त/डायरिया, मौत का कारण भी बन सकता है

उपचार

- कोई विशिष्ट एंटीवायरल उपचार नहीं
- सहायक देखभाल के माध्यम से खसरे से जटिलताओं को कम किया जा सकता है

टीकाकरण

खसरे के टीके को प्रायः रूबेला और/या कठमाला (Mumps) के टीकों-खसरा-कण्ठमाला-रूबेला (MMR), या खसरा-कण्ठमाला-रूबेला-वैरिकाला (MMRV) संयोजन के रूप में प्रदान किया जाता है।

पहल

- वैश्विक: द मीजल्स एंड रूबेला इनिशिएटिव (M-R Initiative)
 - मीजल्स एंड रूबेला स्ट्रेटेजिक फ्रेमवर्क 2021-2030 “खसरा और रूबेला से मुक्त विश्व” की परिकल्पना करता है
- भारतीय: खसरे से प्रतिरक्षण हेतु मिशन इंद्रधनुष के तहत टीकाकरण किया जाता है

फिजियोलॉजी या चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार 2022

विवेता

- > स्वीडन के आनुवंशिकी वैज्ञानिक स्वांते पाबो (Svante Pääbo) को विलुप्त होमिनिन और मानव विकास के जीनोम के क्षेत्र में शोध के लिये।
- > उनके शोध ने पेलियोजीनोमिक्स (विलुप्त प्रजातियों में जीन संबंधी सूचनाओं के पुनर्निर्माण और विश्लेषण पर आधारित विज्ञान की एक शाखा) में एक नए क्षेत्र के उदय का मार्ग प्रशस्त किया।

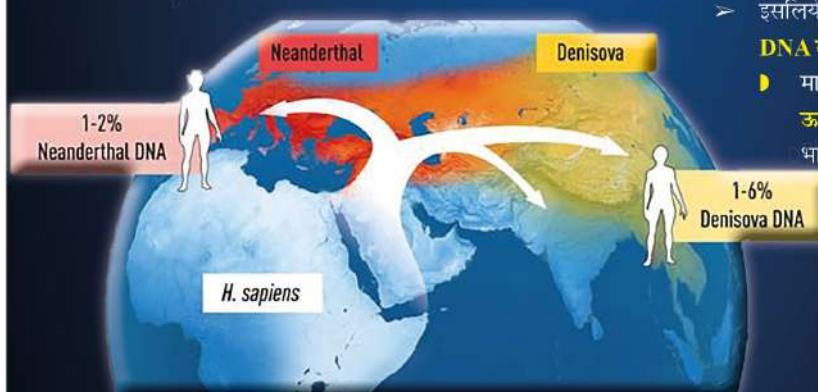
शोध के निष्कर्ष



- > विलुप्त हो चुके मानव और आधुनिक मनुष्यों के बीच के संबंध को प्रकट करने के लिये एक पूरे निएंडरथल जीनोम का अनुक्रमण।
 - ▶ निएंडरथल मनुष्यों का एक प्राचीन समूह है।
- > साइबेरिया में पाह गई उंगली की हड्डी के 40,000 साल पुराने टुकड़े से डेनिसोवन नामक मानव प्रजाति की खोज जो कि पूर्व में अज्ञात थी।
 - ▶ होमिनिन, जिसकी वर्तमान में केवल प्रजाति- होमो सेपियंस मौजूद है, होमिनिड (Hominidae) परिवार के सदस्य हैं।
- > अतीत में, होमो सेपियंस का निएंडरथल और डेनिसोवन के साथ समागम तथा संकरण (Interbred) हुआ
 - ▶ निएंडरथल पश्चिमी यूरोपियां में रहते थे, जबकि डेनिसोवन महाद्वीप के पूर्वी हिस्सों में।
- > लगभग 70,000 साल पहले अफ्रीका से बाहर प्रवास के बाद होमिनिन (जो कि अब वर्तमान में विलुप्त हो चुके हैं) से होमो सेपियंस में जीन स्थानांतरण हुआ था।
 - ▶ उदाहरण के लिये, जीन EPAS1 का डेनिसोवन संकरण उच्च तुंगता पर भी जीवित रहने का एक गुण प्रदान करता है और वर्तमान तिब्बतियों के बीच यह काफी सामान्य है।
 - ▶ अन्य उदाहरण निएंडरथल जीन हैं जो विभिन्न प्रकार के संक्रमणों के प्रति हमारी प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को प्रभावित करते हैं।
- > पाबो द्वारा की गई खोजों ने मानव के विकासवादी इतिहास के बारे में नई समझ विकसित की है।

नवीन पद्धति

- > प्राचीन DNA को परिवर्द्धित और अनुक्रमित करना आसान नहीं है क्योंकि यह अल्पधिक विर्खाड़ित होने के साथ ही कवक तथा बैक्टीरिया जैसे सूक्ष्म जीवों के सम्मिश्रण से भरा होता है। समय के साथ, DNA का क्षरण और रासायनिक रूपांतरण भी होता है।



- > इसलिये स्वांते पाबो ने निएंडरथल के माइटोकॉन्ड्रियल DNA का अध्ययन करने का फैसला किया।
 - ▶ माइटोकॉन्ड्रिया, जिसे लोकप्रिय रूप से कोशिका का ऊर्जा गृह कहा जाता है, कोशिका का एक आंतरिक भाग है जिसका अपना DNA होता है।
 - ▶ यद्यपि माइटोकॉन्ड्रियल जीनोम छोटा होता है और यह कोशिका में आनुवंशिक सूचना के एक छोटे से अंश को ही समाहित करता है लेकिन यह हजारों प्रतियों के रूप में मौजूद होता है। जिसके चलते इसके सफल अनुक्रमण की संभावना बढ़ जाती है।

कदन्न (MILLETS)

कदन्न / मिलेट्स / गोदा अनाज़:

- छोटे-बड़े वाली फसलों को मिलेट्स के रूप में जाना जाता है
- अमरीका इन्हे 'सुपरफूड' के रूप में भी जाना जाता है
- इन अनाजों के प्रमाण सबसे पहले सिंधु सभ्यता में पाए गए, और ये खोजन के लिये उगाए गए पहले पांचों में से थे।

जलवायु संबंधी स्थिति:

- भारत में मुख्य रूप से खरीफ की फसल
- तापमान: 27°C-32°C
- रबावा: लगभग 50-100 सेमी
- मिठी का प्रकार: अब जलोंद या दोस्ट निष्टु

भारत और कदन्न:

- विविध का सबसे बड़ा कदन्न उत्पादन:
- विशेषक उत्पादन का 20%, एशिया के उत्पादन का 80%
- सामान्य कदन्न:

 - गारी (Finger millet), ज्वार (Sorghum), समा (Little millet), चाड़ा (Pearl millet), और चेना / पुनर्वा (Proso millet)
 - स्वर्णी किम्बे (छोटे चाड़ा)- कोटो, कुटको, चेना और सौंवा

- शीर्ष कदन्न उत्पादक राज्य:

 - गुजरात > कर्नाटक > महाराष्ट्र > मध्य प्रदेश > उत्तर प्रदेश

- सरकार की पहलें:

 - 'गहन कदन्न संवर्द्धन के माध्यम से पोषण सुधार हेतु पहल' (INSIMP)
 - इंडियाज वेल्च, मिलेट्स फारं हेल्प
 - मिलेट्स स्टार्टअप इनोवेशन चैलेंज
 - कदन्न के लिये एमएसपी में वृद्धि
 - कृषि मंत्रालय ने 2018 में कदन्न को "पोषक अनाज" के रूप में घोषित किया



अंतर्राष्ट्रीय कदन्न वर्ष वर्ष 2023

भारत द्वारा प्रस्तावित, UNGA द्वारा घोषित



MILLET MAP OF INDIA



महत्व

- कम महगा, पोषण की वृद्धि से बढ़ता
- उच्च प्रोटीन, काइट्रो, खनिज, लोहा, कैल्शियम और कम ग्लाइडेमिक इंडेक्स
- जीवनशैली की समर्पाओं और स्वास्थ्य (गोदाप, मधुमेह आदि) से निपटने में मददगार
- फोटो-असरेवनशील, जलवायु परिवर्तन के प्रति लव्हाला, जल गहन

मौद्रिक नीति समिति

Monetary Policy Committee

**मौद्रिक नीति
समिति**

**मौद्रिक नीति
समिति (MPC)**

संघटन

कार्य

★ **प्राधिकरण:**

- * भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, **1934** के तहत मौद्रिक नीति के निर्माण हेतु अधिकृत है।

★ **उद्देश्य:**

- * मूल्य स्थिरता और स्थिर विदेशी मुद्रा मूल्यों को सुनिश्चित करने के लिये मुद्रास्फीति या ब्याज दरों को समायोजित करना।

★ **कानूनी ढाँचा:**

- * संशोधित आरबीआई अधिनियम, **1934** की धारा **45ZB** के तहत।
 - ❖ केंद्र सरकार को छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (**MPC**) का गठन करने का अधिकार है।
- * **MPC** को वर्ष में कम-से-कम चार बार बैठक करनी होती है। **MPC** के प्रत्येक सदस्य के पास एक वोट होता है, और वोटों की समानता की स्थिति में गवर्नर के पास दूसरा या निर्णायक वोट होता है।

★ आरबीआई गवर्नर इसके प्रदेश अध्यक्ष के रूप में।

★ मौद्रिक नीति के प्रभारी उप गवर्नर।

★ केंद्रीय बोर्ड द्वारा नामित किया जाने वाला बैंक का एक अधिकारी।

★ केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किये जाने वाले तीन व्यक्ति।

★ मौद्रिक नीति समिति रेपो दर निर्धारित करती है।

❖ यह वह दर है, जिस पर आरबीआई वाणिज्यिक बैंकों को प्रतिभूतियाँ खरीदकर उधार देता है।

❖ यह अर्थव्यवस्था में अन्य सभी ब्याज दरों के लिये एक बेंचमार्क के रूप में कार्य करती है।

- * हर छह महीने में एक बार **RBI** को मुद्रास्फीति के स्रोतों और **6-18** महीनों की अवधि के लिये मुद्रास्फीति के पूर्वानुमान की व्याख्या करने हेतु '**मौद्रिक नीति रिपोर्ट**' नामक एक दस्तावेज प्रकाशित करने की आवश्यकता होती है।

₹ न्यूनतम समर्थन मूल्य Minimum Support Price (MSP)

वह दर जिस पर सरकार किसानों से फसल खरीदती है; किसानों द्वारा वहाँ किये गए उत्पादन लागत के कम-से-कम 1.5 गुणा की गणना के आधार पर

- ⇒ सिफारिश:
- ⇒ 'कृषि लागत और मूल्य आयोग' (CACP) द्वारा सरकार को 22 अधिदिष्ट फसलों के लिये 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' (MSP) तथा गने के लिये 'उचित और लाभकारी मूल्य' (FRP) की सिफारिश की जाती है।
- ⇒ 22 अधिदिष्ट फसलें :
 - (14 खरीफ, 6 रबी और 2 अन्य वाणिज्यिक फसलें)
 - ⇒ 7 अनाज- धान, गेहूँ, जौ, ज्वार, बाजरा, मक्का और रागी
 - ⇒ 5 दालें- चना, अरहर/तूर, मूंग, उड़द और मसूर
 - ⇒ 7 तिलहन- मूंगफली, सफेद सरसों/सरसों, सोयाबीन, सूरजमुखी, तिल, कुसुंभ और रामतिल
 - ⇒ कच्चा कपास
 - ⇒ कच्चा जट
 - ⇒ नारियल/गरी (कोपरा)

MSP वह मूल्य है जिस पर सरकार को किसानों से अधिदिष्ट फसलों की खरीद करनी होती है, यदि बाजार मूल्य इससे कम हो जाता है

- ⇒ MSP की सिफारिश में प्रयुक्त कारक:
 - ❖ फसल की खेती में आने वाली लागत
 - ❖ फसल के लिये आपूर्ति एवं मांग की स्थिति
 - ❖ बाजार मूल्य प्रवृत्तियाँ
 - ❖ अंतर-फसल मूल्य समता
 - ❖ उपभोक्ताओं के लिये निहितार्थ (मुद्रास्फोटि)
 - ❖ पर्यावरण (मिट्टी तथा पानी के उपयोग)
 - ❖ कृषि एवं गैर-कृषि क्षेत्रों के बीच व्यापार की शर्तें
 - ❖ MSP की सिफारिश करते समय CACP द्वारा 'A2+FL' और 'C2' दोनों लागतों पर विचार किया जाता है।
 - ❖ MSP का कोई वैधानिक समर्थन प्राप्त नहीं है - कोई भी किसान अधिकार के रूप में MSP की मांग नहीं कर सकता है

नोबेल पुरस्कार

(Nobel Prize)

- ❖ अल्फ्रेड नोबेल (डायनामाइट के आविष्कारक) के वसीयतनामे के अनुसार स्थापित।
- ❖ यह पुरस्कार उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान मानव जाति को अधिकतम लाभ प्रदान किया है।
- ❖ पहली बार ये पुरस्कार वर्ष 1901 में दिये गए।
- ❖ पुरस्कार 6 श्रेणियों में दिये जाते हैं:

भौतिकी

रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज

रसायन

रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज

फिजियोलॉजी या चिकित्सा

कैरोलिन्स्का इंस्टीट्यूट की नोबेल असेम्बली



साहित्य

स्वीडिश एकेडमी

शांति

नार्वे की नोबेल कमेटी

अर्थशास्त्र (स्वीडिश के सेंट्रल बैंक द्वारा 1968 में स्थापित)

रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज

- ❖ पुरस्कार समारोह का आयोजन हर साल दिसंबर में स्टॉकहोम, स्वीडन में किया जाता है।
 - * शांति पुरस्कार स्टॉकहोम समारोह में नहीं दिया जाता है बल्कि यह हर साल उसी दिन ओस्लो, नॉर्वे में दिया जाता है।
- ❖ प्रत्येक नोबेल पुरस्कार विजेता एक स्वर्ण पदक, एक डिप्लोमा और एक मौद्रिक पुरस्कार प्राप्त करता है।
- ❖ नोबेल पुरस्कार मरणोपरांत नहीं दिया जा सकता है। साथ ही साझा रूप से अधिकतम 3 लोगों को ही नोबेल पुरस्कार दिया जा सकता है।
- ❖ नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रथम भारतीय: रवींद्रनाथ टैगोर, साहित्य के लिये (1913)
 - * नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाली प्रथम भारतीय महिला: मदर टेरेसा, शांति के लिये (1979)



परमाणु हथियारों के खिलाफ संधियाँ

भाग-II

व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (CTBT) (1996)

- उद्देश्य:
 - हर जगह और सभी के द्वारा किसी भी प्रकार के परमाणु विस्फोटों पर प्रतिबंध लगाना
- समझौता:
 - जिनवा में 1996 में निरस्त्रीकरण पर सम्मेलन के दौरान (UNGA द्वारा अपनाया गया)
- हस्ताक्षरकर्ता:
 - 185 देश
- संधि लागू नहीं है:
 - परिषिष्ट 2 में सूचीबद्ध सभी 44 राज्यों द्वारा इसकी पुष्टि करने के बाद संधि लागू होती (संधि पर बातचीत और अपनाए जाने के समय परमाणु सुविधाएँ रखने वाले राज्य)
 - 44 में से 36 देशों ने पुष्टि की है
- पुष्टि न करने वाले 8 परिषिष्ट-2 के देश:
 - चीन, उत्तर कोरिया, मिस्र, भारत, ईरान, इजराइल, पाकिस्तान और अमेरिका
 - भारत, उत्तर कोरिया और पाकिस्तान ने भी संधि पर हस्ताक्षर नहीं किये हैं
- CTBT संगठन:
 - संधि को बढ़ावा देता है ताकि यह लागू हो सके
 - मुख्यालय- विनाया में



मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था (MTCR) (1987)

- MTCR:
 - एक अनौपचारिक और स्वैच्छिक साझेदारी
 - कानूनी रूप से वाध्यकारी नहीं
 - 1987 में G7 देशों द्वारा स्थापित किया गया
- उद्देश्य:
 - गैर-सदस्य देशों को 500 किमी. विस्फोटकों के साथ 300 किमी. या उससे अधिक दूरी तक मार करने में सक्षम खतरनाक मिसाइलों, अन्य हथियारों या उपकरणों के नियंत्रण पर प्रतिबंध
- MTCR श्रेणियाँ:
 - श्रेणी I- सभी रोकेट और यूएची मिस्टम (>500 किमी. के लिये)
 - ◆ इस प्रकार की वस्तुएँ बिना किसी शर्त के नियंत्रण से इनकार की सशक्त धारणा के अधीन हैं।
 - ◆ इस तरह की वस्तुओं को नियंत्रण से इनकार करने की बिना शर्त मजबूत धारणा के अधीन किया जाता है
 - श्रेणी II- कम संवेदनशील और दोहरे उपयोग वाली मिसाइल संबंधित घटक तथा अन्य पूर्ण मिसाइल प्रणालियाँ (सीमा >300 किमी.)
 - इनका नियंत्रण लाइसेंसिंग आवश्यकताओं के अधीन है
- सदस्य:
 - 35 देश
 - भारत को वर्ष 2016 में MTCR में 35वें सदस्य के रूप में शामिल किया गया था
 - चीन सदस्य नहीं है
- सदस्यों पर वाध्यकारी:
 - गैर-सदस्यों को MTCR द्वारा नियंत्रित मिसाइलों और UAV प्रणालियों की आपूर्ति पर रोक
 - 1992 में, दायरे को व्यापक विनाश के सभी हथियारों- परमाणु, रासायनिक और जैविक तक विस्तृत कर दिया गया था।
- सचिवालय:
 - कोई औपचारिक सचिवालय नहीं; फ्रांस MTCR के संपर्क बिंदु के रूप में कार्य करता है
- भारत के लिये महत्व:
 - हाई-एंड मिसाइल तकनीक खरीद सकता है
 - अन्य देशों के साथ यूएची के विकास के लिये संयुक्त कार्यक्रम शुरू कर सकता है
- MTCR और UN:
 - कोई औपचारिक संबंध नहीं है लेकिन संयुक्त राष्ट्र के अप्रसार और नियंत्रण प्रयासों के लिये प्रतिबद्ध है



पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (NBS) योजना



उर्वरक में मुख्य रूप से 3 पोषक तत्व उपस्थित होते हैं जो कृषि उपज में वृद्धि करते हैं:

पोषक तत्व	मुख्य स्रोत
नाइट्रोजन (N)	यूरिया
फॉस्फोरस (P)	DAP
पोटैशियम (K)	MOP

इष्टतम N:P:K अनुपात मृदा के प्रकार के अनुसार भिन्न-भिन्न होता है किंतु सामन्यतः यह लगभग 4:2:1 के अनुपात होता है।

परिचय: _____

- इसका कार्यान्वयन वर्ष 2010 से किया जा रहा है।

उद्देश्य: _____

- किसानों को किफायती मूल्य पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
- इष्टतम NPK अनुपात (4:2:1) की प्राप्ति हेतु P एवं K उर्वरकों की खपत में वृद्धि करना।

कार्यान्वयन: _____

- उर्वरक विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय

योजना का महत्वपूर्ण बिंदु: _____

- सब्सिडी की एक निश्चित दर (₹ प्रति किलोग्राम) वार्षिक आधार पर तय की जाती है।
- यह सब्सिडी पोषक तत्वों: नाइट्रोजन, फॉस्फेट, पोटाश और सल्फर पर दी जाती है।
- फॉस्फेट्युक्त और पोटाश्युक्त (P-K) उर्वरकों के लिये दी जाती है।
- इसमें यूरिया आधारित उर्वरक शामिल नहीं हैं।
- NBS अमोनियम सल्फेट को छोड़कर अन्य आयातित मिश्रित उर्वरकों के लिये उपलब्ध है।

भारत में उर्वरक: _____

- 3 मूलभूत उर्वरक: यूरिया, डाइअमोनियम फॉस्फेट (DAP) और म्यूरिएट ऑफ पोटाश (MOP)
- यूरिया सबसे अधिक उत्पादित, सबसे अधिक उपभोग किया जाने वाला, सर्वाधिक आयातित और भौतिक रूप से विनियमित उर्वरक है।
- यूरिया पर केवल कृषि उपयोग के लिये सब्सिडी दी जाती है।

प्रशांत अग्नि वलय (Pacific Ring of Fire)

परि-प्रशांत मेखला

विशेषताएँ:

- प्रशांत महासागर के किनारों पर स्थित एक पथ, जो सक्रिय ज्वालामुखियों एवं सतत भूकंपों की विशेषता से युक्त है।
- पृथ्वी के अधिकांश ज्वालामुखी विस्फोट (75%)/भूकंप (90%) यहाँ देखे जाते हैं।

“इसके बाद भूकंपीय रूप से सर्वाधिक सक्रिय क्षेत्र (वैश्विक रूप से आने वाले भूकंपों का 5-6%) एल्पाइड बेल्ट (भूमध्यसागरीय क्षेत्र - तुर्की, ईरान और उत्तरी भारत के मध्यम से होता हुआ पूर्व की ओर) है।”

निर्माण का कारण:

- प्लेट विवर्तनिकी - पैसिफिक प्लेट का कम सघन प्लेटों के साथ परस्पर क्रिया करना।



भौगोलिक विस्तार:

- ~40,000 किमी.; प्रशांत महासागर में दक्षिण अमेरिका और उत्तर अमेरिका महाद्वीप से लेकर पूर्वी एशिया, ऑस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड तथा उत्तरी अंटार्कटिक तट तक

रिं ऑफ फायर (RoF) के अंतर्गत आने वाले प्रमुख देश:

- चिली, इक्वाडोर, पेरू, मेक्सिको, अमेरिका, कनाडा, रूस, जापान, फिलीपींस, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, न्यूजीलैंड और अंटार्कटिका

रिं ऑफ फायर में सक्रिय ज्वालामुखी:

- मौना लोआ (हवाई) - विश्व का सबसे बड़ा सक्रिय ज्वालामुखी
 - माउंट तंबोरा (इंडोनेशिया) - सबसे बड़ा ज्वालामुखी विस्फोट (1815)
 - माउंट फूजी - जापान का सबसे ऊँचा
- “RoF पर अधिकांश सक्रिय ज्वालामुखी इसके पश्चिमी किनारे पर, रूस से न्यूजीलैंड तक पाए जाते हैं”

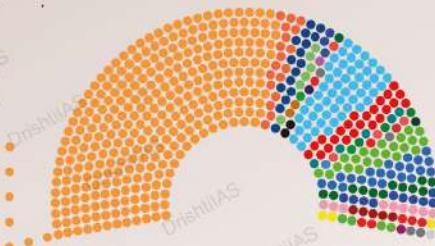
भूकंप:

- चिली का वाल्डिविया भूकंप 1960- अब तक दर्ज किया गया सबसे शक्तिशाली भूकंप

संसद में बहुमत के प्रकार

भारत के संविधान में संशोधन किया जा सकता है:

- (a) साधारण बहुमत द्वारा,
- (b) विशेष बहुमत द्वारा या
- (c) संसद का विशेष बहुमत + राज्यों की सहमति द्वारा



साधारण बहुमत

- सदन के उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों में से अधिकांश (50% से अधिक) का बहुमत

संवैधानिक प्रावधान – साधारण बहुमत द्वारा संशोधित

- नए राज्य- गठन/प्रवेश/स्थापना, भौजूदा राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों के क्षेत्रों, सीमाओं या नामों में परिवर्तन
- नागरिकता- अधिग्रहण और समाप्ति
- संसद- गणपूर्ति/कोरम, प्रक्रिया के नियम, संसदीय विशेषाधिकार/समितियाँ, अंग्रेजी भाषा का प्रयोग
- राज्य विधान परिषद- उत्थादन/सृजन
- विधेयक- साधारण वित्त
- वेतन एवं भत्ते- राष्ट्रपति, राज्यपाल, स्पीकर, न्यायाधीश, संसद आदि।
- सर्वोच्च न्यायालय- अधिक क्षेत्राधिकार का प्रावधान, न्यायाधीशों की संख्या
- चुनाव- संसद और राज्य विधानसभा, निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन
- अनुसूची- ५वीं (अनुसूचित क्षेत्र और अनुसूचित जनजाति) तथा ६वीं (जनजातीय क्षेत्र)



संसद में बहुमत के प्रकार (II)

विशेष बहुमत

प्रत्येक सदन की कुल सदस्यता का बहुमत (रिक्तियों/अनुपस्थितियों के अतिरिक्त) और प्रत्येक सदन के उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत



उपराष्ट्रपति और लोकसभा के अध्यक्ष/उपाध्यक्ष को हटाने के लिए, प्रभावी बहुमत की आवश्यकता होती है (रिक्तियों को छोड़कर कुल संख्या का 50% से अधिक)

विशेष बहुमत + राज्यों की सहमति

- राज्य व्यवस्था के संघीय ढाँचे से संबंधित संवैधानिक प्रावधान- विशेष बहुमत द्वारा + साधारण बहुमत तथा **50%** राज्य विधानसभाओं की सहमति द्वारा संशोधित
- संवैधानिक प्रावधान- विशेष बहुमत + राज्यों की सहमति द्वारा संशोधित
- राष्ट्रपति- चुनाव और उसके तरीके

- संघ और राज्य- विधायी शक्तियों का वितरण और कार्यकारी शक्ति का विस्तार
- सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय
- जीएसटी परिषद
- 7वीं अनुसूची में सभी **3** सूचियाँ
- संसद- राज्यों का प्रतिनिधित्व, संविधान में संशोधन करने की शक्ति और इसकी प्रक्रिया (अनुच्छेद **368** ही)

शांति का नोबेल पुरस्कार 2022



विजेता

- एलेस बालियाट्स्की, रूसी मानवाधिकार संगठन मेमोरियल और यूक्रेनी मानवाधिकार संगठन सेंटर फॉर सिविल लिबर्टीज
- शांति पुरस्कार विजेता अपने गृह देशों में नागरिक समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं।

बेलारूस के एलेस बालियाट्स्की

- राष्ट्रपति (अलेक्जेंडर लुकाशेंको) को तानाशाही शक्तियाँ प्रदान करने वाले विवादास्पद स्वैच्छानिक संशोधनों के जवाब में वर्ष 1996 में स्थापित संगठन वियासना (स्प्रिंग) को मिला।
- समय बीतने के साथ वियासना एक व्यापक-आधार वाले मानवाधिकार संगठन में विकसित हुआ जिन्होंने राजनीतिक कैदियों के खिलाफ अधिकारियों द्वारा यातना के उपयोग का दस्तावेजीकरण और विरोध किया।
- वर्ष 2020 में वह स्वीडिश राइट लाइबलीहुड फाउंडेशन द्वारा राइट लाइबलीहुड अवार्ड के तीन प्राप्तकर्ताओं में से एक थे, जिसे "वैकल्पिक नोबेल" के रूप में जाना जाता है।
- वह जेल में नोबेल शांति पुरस्कार पाने वाले चौथे व्यक्ति हैं। पिछले विजेता जर्मनी के कार्ल वॉन ओस्लेट्स्की (1935), म्यांमार की आंग सान सू की (1991) और चीन के लियू शियाओबो (2010) हैं।

यूक्रेनी मानवाधिकार संगठन, सेंटर फॉर सिविल लिबर्टीज

- इसकी स्थापना 2007 में यूक्रेन में मानवाधिकारों और लोकतंत्र को बढ़ावा देने के लिये की गई थी।
- फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद से सेंटर फॉर सिविल लिबर्टीज यूक्रेनी नागरिक आबादी के खिलाफ रूसी "युद्ध अपराधों" की पहचान करने और उनका दस्तावेजीकरण करने के प्रयासों में लगा हुआ है।



रूसी मानवाधिकार संगठन मेमोरियल

- इस संगठन की स्थापना वर्ष 1987 में पूर्व सोवियत संघ में मानवाधिकार कार्यकर्ताओं द्वारा की गई थी, जो यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि कम्युनिस्ट शासन के उत्पीड़न के पीड़ितों को कभी विस्मृत नहीं किया जाएगा।
- स्मारक 1992 में दमन का दस्तावेजीकरण करने और साम्यावाद के तहत पीड़ित लोगों के पुनर्वास में मदद करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था।
- वर्ष 1954 में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता आद्रेई साखारोव और मानवाधिकार अधिवक्ता स्वेतलाना गनुश्किना इस संगठन के संस्थापकों में से थे।
- इसे रूस के सबसे बड़े मानवाधिकार संगठन के रूप में वर्णित किया गया है और वर्तमान में इसने "रूस में राजनीतिक उत्पीड़न एवं मानवाधिकारों के उल्लंघन" के विषय में जानकारी एकत्र करने में मदद की है।
- कुछ नागरिक समाज समूहों को विदेशी एजेंटों के रूप में पंजीकरण करने की आवश्यकता वाले कानून को तोड़ने के लिये दिसंबर 2021 में इसे बद करने का आदेश दिया गया था।

भारतीय नोबेल शांति पुरस्कार विजेता

- कैलाश सत्यार्थी एक भारतीय समाज सुधारक हैं जिन्होंने भारत में बाल श्रम के खिलाफ अधियान चलाया और शिक्षा के सार्वभौमिक अधिकार की वकालत की। 2014 में, वह मलाला यूसुफजई के साथ नोबेल शांति पुरस्कार के सह-प्राप्तकर्ता थे।
- मैरी टेरेसा बोजाक्सीयू एक अल्बानियाई-भारतीय कैथोलिक नन थीं, जिन्होंने 1950 में मिशनरीज ऑफ चैरिटी की स्थापना की थी। उनके मानवीय कार्यों के लिये, उन्हें 1962 के रेमन मैगसेसे शांति पुरस्कार और 1979 के नोबेल शांति पुरस्कार सहित कई सम्मानों से सम्मानित किया गया।



अनुसंधान का द्वेष

विजेताओं को उलझे हुए फोटोनों (क्वांटम एंट्रेगलमेट) के साथ उनके प्रयोगों, बेल असमानताओं के उल्लंघन और अप्राप्ती क्वांटम सूचना विज्ञान के लिये सम्मानित किया गया है।

महत्व

यह क्वांटम कंप्यूटरों के निर्माण, माप में सुधार, क्वांटम नेटवर्क बनाने, सुरक्षित क्वांटम एन्क्रिप्टेड संचार (क्वांटम क्रिप्टोग्राफी) और सटीक टाइमकीपिंग स्थापित करने के लिये कण प्रणालियों के विशेष गुणों का उपयोग करने में मदद करेगा जैसा कि परमाणु घड़ियों में किया जाता है।



भौतिकी में नोबेल पुरस्कार 2022



नोबेल पुरस्कार विजेता

जॉन एफ क्लॉसर, एलेन एस्पेक्ट
और
एंटोन जिलिंगर

महत्वपूर्ण शब्द

- **क्वांटम व्यवहार:** यह भौतिकी की उपशाखा है जो क्वांटम के व्यवहार का वर्णन करती है जैसे- परमाणु, इलेक्ट्रॉन, फोटोन, और आणविक एवं उप-आणविक क्षेत्र।
- **क्वांटम एंट्रेगलमेट:** यह ऐसी घटना है जिसके अंतर्गत उप-परमाणु कणों की एक जोड़ी को साझा अवस्था में रखा जाता है (जहाँ इनके पूरक गुण होते हैं), ऐसे में कोई भी एक कण के गुणों को जानकर स्वतः ही दूसरे कण के गुणों को जाना जा सकता है।
- **बेल इनडेपेंसिलिटी:** जॉन स्टीवर्ट बेल ने गणितीय असमानता-बेल असमानता विकसित की, जिसमें कहा गया है कि यदि कहीं अस्पष्ट चर हैं, तो बड़ी संख्या में माप के परिणामों के बीच सहसंबंध कभी भी एक निश्चित मूल्य से अधिक नहीं होगा।

भारतीय नोबेल पुरस्कार विजेता:

- **सर चंद्रशेखर बेलट (सीबी) रमन:** इन्होंने रमन प्रभाव की खोज के लिये 1930 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार जीता। रमन प्रभाव प्रकीर्णित प्रकाश किरणों में तरंग दैर्घ्य में परिवर्तन की घटना है। यह रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी का आधार बनाता है जिसका उपयोग रसायनज्ञों और भौतिकियों द्वारा किसी पदार्थ के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिये किया जाता है।
- **सुब्रमण्यम चंद्रशेखर:** सितारों की संरचना और विकास में शामिल भौतिक प्रक्रियाओं पर उनके काम के लिये वर्ष 1983 में उन्हें भौतिकी में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्होंने एक स्थिर सफेद बौने तारे के लिये सैद्धांतिक रूप से संभव अधिकतम द्रव्यमान के बारे में बताया जिसे चंद्रशेखर सीमा कहा जाता है।



प्लेट विवर्तनिकी

(या स्थल मंडलीय प्लेटें)

1967 में, मैकेंजी, पाकर और मॉर्गन प्लेट विवर्तनिकी अवधारणा के साथ सामने आए

① प्लेट विवर्तनिकी

थोस चट्टान के विशाल, अनियमित आकार के स्टैब (क्रस्ट + मैंटल) मेंटल)

② प्रकार

- महाद्वीपीय या महासागरीय (जो भी प्लेट के बड़े हिस्से को अधिग्रहित करता है)
- प्रशांत प्लेट-महासागरीय; यूरोशियन प्लेट-महाद्वीपीय

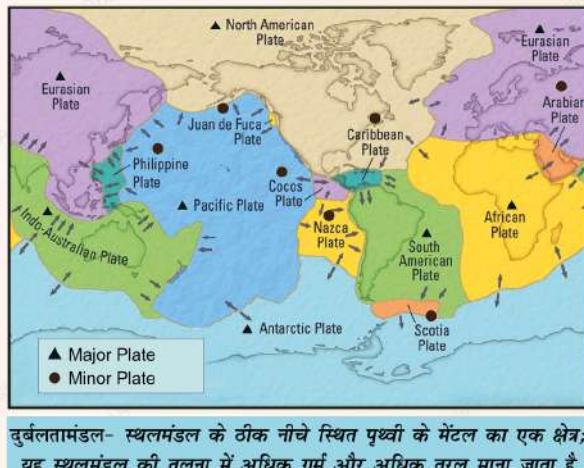
③ प्लेटों का संचलन

- दुर्बलतामंडल के ऊपर प्लेटें लगातार क्षेत्रिक रूप से गति करती हैं
- प्लेटों के टकराने/उनकी गति करने से भूकंप/ज्वालामुखीय विस्फोट होते हैं

वृहत् और लघु प्लेटें

④ भारतीय प्लेट

- शामिल हैं- प्रायद्वीपीय भारत और ऑस्ट्रेलियाई महाद्वीपीय भाग
- पूर्वी विस्तार- गाकिम योमा पर्वत (स्पैनिश) से जावा गते तक
- पश्चिमी विस्तार-ब्लूचिस्तान (पाकिस्तान) का मकराना तट
- संचलन की दर-उत्तर-पूर्व दिशा में 54 मिली/वर्ष
- भारत और अंटार्कटिक प्लेट के बीच सीमा-एक महासागरीय रिज (अपसारी सीमा) द्वारा ज़िंदित
- हिमालय का निर्माण-भारतीय और यूरोशियाई प्लेटों के आपस में टकराने से



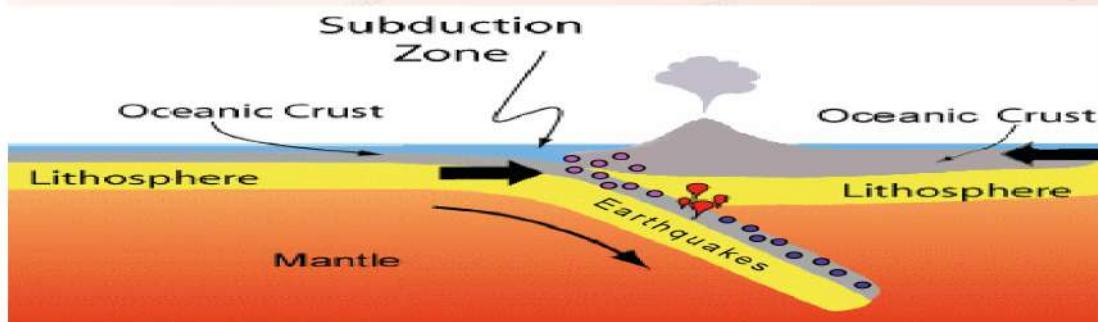
⑤ प्लेट संचलन के प्रकार

- अपसारी संचलन/ रचनात्मक सीमा, जब दो प्लेटें एक-दूसरे की विपरीत दिशा में गमन करती हैं
- अभिसारी संचलन/ विनाशात्मक सीमा, इसमें दो प्लेटें एक-दूसरे की ओर गति करती हैं
- समानांतर प्लेट संचलन/संक्षी प्लेट सीमा, जब प्लेटें एक-दूसरे के समानांतर गति करती हैं जिससे न तो किसी प्रकार की पर्याप्ती का निर्माण होता है न विनाश होता है

⑥ सबडवशन

यह तब होता है जब टेक्टोनिक प्लेटेस स्थानांतरित होती है और एक दूसरे के समान गति करती है

महासागरीय प्लेटों का नीचे की ओर जाना → गर्म मैंटल प्लेट से टकराव → ऊष्मा की उत्पत्ति → वाष्पशील तत्वों के साथ मिश्रण → मैग्मा की उत्पत्ति → ज्वालामुखी विस्फोट



मिशन LIFE: लाइफस्टाइल फॉर द एनवायरनमेंट (P3 मॉडल यानी Pro Planet People को प्रोत्साहन)

परिचय

- इस विचार/अवधारणा को भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2021 में ग्लासगो में 26वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (COP26) के दौरान प्रस्तुत पेश किया गया था।
- * LIFE वैश्विक आंदोलन विश्व भर के शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और स्टार्ट-अप्स को उन तरीकों पर विचार करने हेतु आमंत्रित करता है जिनसे पर्यावरण संकट का समाधान करने के लिये सामूहिक कार्रवाई की पूरी क्षमता का उपयोग किया जा सकता है।
- ♦ मिशन LIFE (पर्यावरण के लिये जीवन शैली) की शुरुआत गुजरात के केवड़िया (जहाँ स्टैच्यू ऑफ यूनिटी स्थित है) से की गई है।
- ♦ वर्ष 2022-28 की अवधि में पर्यावरण संरक्षण के लिये व्यक्तिगत और सामूहिक कार्रवाई हेतु कम-से-कम एक बिलियन भारतीयों तथा अन्य वैश्विक नागरिकों को जुटाना।
- * भारत में ही सभी गाँवों और शहरी स्थानीय निकायों में से कम-से-कम 80% लोगों को वर्ष 2028 तक एनवायरनमेंट फ्रेंडली बनाने का लक्ष्य रखा गया है।
- ♦ नीति आयोग द्वारा संचालित तथा केंद्रीय पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा कार्यान्वयिता। UNEP के अनुसार, यदि विश्व भर में 8 बिलियन व्यक्ति भी अपने वैनिक जीवन में पर्यावरण के अनुकूल व्यवहार को अपना ले तो वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में 20% है तक की कमी हो सकती है।



दृष्टिकोण



व्याज्ञप्ति व्यवहार पर धौङेदार



विश्व स्वर पर सहभिमाण



स्थानीय संस्कृतियों का लाभ उठाना

भारत द्वारा स्थापित उदाहरण

- स्वच्छ भारत मिशन (SBM) के क्रियान्वयन से 7 वर्षों की अवधि के भीतर ग्रामीण भारत में 100 मिलियन से अधिक शौचालयों का उपयोग किया गया।
- उज्ज्वला योजना के चलते वर्ष 2021 में LPG कनेक्शन वाले परिवारों की संख्या 99.8% तक पहुँच गई जो कि वर्ष 2015 में 62% थी।
- विद्युत की खपत को कम करने वाले अनुकूली वास्तुशिल्प रूप जैसी पारंपरिक भारतीय प्रथाएँ और पादप आधारित खाद्य पदार्थ तथा कदन/मोटे अनाज (Millets) के लिये आहार वरीयता LIFE के लिये आधार के रूप में काम कर सकती हैं।

मदन मोहन मालवीय

(25 दिसंबर, 1861 - 2 नवंबर, 1946)

"शिक्षाविद, पत्रकार, राजनीतिज्ञ और स्वतंत्रता आंदोलन के कार्यकर्ता"
महात्मा गांधी द्वारा 'महामना' और डॉ. एस. राधाकृष्णन द्वारा 'कर्मयोगी' की उपाधि

स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका:

- वह नरमपंथी एवं गरमपंथी दोनों के बीच की विचारधारा के नेता थे
- नमक सत्याग्रह और सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930) में भाग लिया
- चार सत्रों (1909, 1913, 1919 और 1932) के लिये भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के अध्यक्ष चुने गए



प्रमुख योगदान:

- 'गिरमिटिया मज़दूरी' प्रथा को समाप्त करने में
- वर्ष 1905 में गंगा महासभा की स्थापना
- 11 वर्ष (1909-1920) तक 'इम्पीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल' के सदस्य
- पद 'सत्यमेव जयते' शब्द को लोकप्रिय बनाया
- ब्रिटिश-भारतीय न्यायालयों में देवनागरी का प्रवेश
- वर्ष 1915 में हिंदू महासभा की स्थापना में भी महत्वपूर्ण भूमिका
- वर्ष 1916 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (BHU) की स्थापना

पत्रकारिता:

- अभ्युदय (हिंदी साप्ताहिक) और मर्यादा (हिंदी मासिक)
- हिंदुस्तान टाइम्स के निदेशक मंडल के अध्यक्ष

सम्मान:

- भारत रत्न (2014)
- वाराणसी-नई दिल्ली महामना एक्सप्रेस (2016)

मौद्रिक नीति की मात्रात्मक लिखतें

QUANTITATIVE INSTRUMENTS OF MONETARY POLICY



₹ चलनिधि समायोजन सुविधा (LAF)

- रेपो दर (RR): वह दर जिस पर भारतीय रिजर्व बैंक वाणिज्यिक बैंकों को ऋण देता है। यहाँ, RBI प्रतिभूतियों की खरीद करता है।
- रिवर्स रेपो दर: वह दर जिस पर भारतीय रिजर्व बैंक देश के भीतर वाणिज्यिक बैंकों से धन उधार लेता है। रेपो दर के विपरीत।
- यदि RBI सख्त मौद्रिक नीति का संकेत देना चाहता है, तो वह रेपो दर में वृद्धि करेगा; बैंक अपनी उथारी दरों में वृद्धि करेंगे।

₹ बैंक दर

- यह एक दीर्घकालिक दर है (रेपो दर अल्पकालिक है) जिस पर केंद्रीय बैंक अन्य बैंकों को धन उधार देता है।
- बैंक दर में वृद्धि से ऋण/जमा पर ब्याज दरों में वृद्धि होगी और इसी तरह इसमें कमी से ऋण/जमा पर ब्याज दरों में कटौती होगी।

₹ सांविधिक चलनिधि अनुपात (SLR)

- SLR जमाओं की न्यूनतम हिस्सेदारी है जो वाणिज्यिक बैंकों को अभारित सरकारी प्रतिभूतियों, नकदी एवं स्वर्ण जैसी सुरक्षित व चल आस्तियों में रखना होता है।
- यदि RBI मौद्रिक नीति को सख्त करना चाहता है, तो वह SLR में वृद्धि करेगा।

₹ नकद आरक्षित अनुपात (CRR)

- बैंकों को अपनी जमा राशि का एक निश्चित हिस्सा RBI के पास नकदी के रूप में रखना आवश्यक है।
- CRR में वृद्धि के साथ ही बैंक ऋण की दरों में वृद्धि कर देते हैं।

खुला बाजार परिचालन (OMOs)

- इनमें बैंकिंग प्रणाली में टिकाऊ चलनिधि को इंजेक्ट/अवशोषित करने के लिये रिजर्व बैंक द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों की एकमुश्त खरीद/बिक्री शामिल है।



रामसर अभिसमय (RAMSAR CONVENTION)

परिचय:

- ◆ इसे आर्द्धभूमियों पर अभिसमय के रूप में भी जाना जाता है।
- ◆ यह एक अंतर-सरकारी संधि है जिसे वर्ष 1971 में रामसर, ईरान में अपनाया गया।
- ◆ वर्ष 1975 में इसे लागू किया गया।
- ◆ ऐसी आर्द्धभूमियों को रामसर स्थल घोषित किया जाता है जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महत्व रखती हों।
- ◆ **विश्व का सबसे बड़ा रामसर स्थल:** पैटानल, दक्षिण अमेरिका।

मॉट्रेक्स टिकॉर्ड:

- ◆ वर्ष 1990 में मॉट्रेक्स (स्विटजरलैंड) में इसे अपनाया गया।
- ◆ यह उन रामसर स्थलों की पहचान करता है जिनके संरक्षण हेतु राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्राथमिकता के साथ ध्यान देने की आवश्यकता है।

आर्द्धभूमियाँ:

- ◆ आर्द्धभूमि एक ऐसा स्थान है जहाँ भूमि मौसमी अथवा स्थायी रूप से जल (खारा या भीठा/ताजा अथवा इन दोनों के बीच की स्थिति) से ढकी होती है।

- ◆ यह नदियों, दलदल, मैग्रोव, कीचड़ युक्त भूमि, तालाबों, जलमग्न स्थान, विलबोंग (नदी की वह शाखा जो आगे चलकर समाप्त हो गई हो), लैगून, झीलों और बाढ़ के मैदानों सहित विभिन्न रूपों में हो सकती है।

♦ विश्व आर्द्धभूमि दिवस: 2 फरवरी

भारत और रामसर अभिसमय:

- ◆ भारत में रामसर अभिसमय वर्ष 1982 में लागू हुआ।
- ◆ **रामसर स्थलों की कुल संख्या: 75**
- ◆ चिल्का झील (ओडिशा), केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान), हरिके झील (पंजाब), लोकटक झील (मणिपुर), बुलर झील (जम्मू और कश्मीर) आदि।
- ◆ **भारत में संबंधित फ्रेमवर्क**
 - ◆ आर्द्धभूमियों के संरक्षण तथा प्रबंधन हेतु पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के प्रावधानों के तहत 'आर्द्धभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) अधिनियम, 2017' को अधिसूचित किया है।
 - ◆ ये नियम आर्द्धभूमियों के प्रबंधन को विकेंद्रीकृत करते हैं तथा राज्य आर्द्धभूमि प्राधिकरण या केंद्रशासित प्रदेश आर्द्धभूमि प्राधिकरण के गठन का प्रावधान करते हैं।

प्रमुख
तथ्य

- ◆ **भारत में सबसे बड़ा रामसर स्थल:** सुंदरबन, पर्यावरण बंगाल
- ◆ **भारत में सबसे छोटा रामसर स्थल:** वेम्बन्दू आर्द्धभूमि कॉम्प्लेक्स, तमिलनाडु
- ◆ **सर्वाधिक रामसर स्थल वाला राज्य:** तमिलनाडु (14)
- ◆ **मॉट्रेक्स टिकॉर्ड में शामिल आर्द्धभूमियाँ:**
 - ◆ केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान
 - ◆ लोकटक झील, मणिपुर



गुरुदेव सिंह खुश

द राइस मैन ऑफ इंडिया

खुश द्वारा विकसित धान की चमत्कारी किस्में

IR36

- ↳ वर्ष **1976** में प्रस्तुत,
- ↳ **1980** के दशक के दौरान इस प्रजाति को विश्वभर में सालाना लगभग **11** मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र में लगाया गया जो कि इतिहास में किसी भी खाद्य फसल के आवरण बाला उच्चतम क्षेत्र है।
- ↳ **110-115** दिनों की परिपक्वता अवधि के साथ यह प्रजाति प्रति हेक्टेयर **9-10** टन अनाज पैदा कर सकती है जबकि पारंपरिक प्रजातियाँ **160-180** दिनों में प्रति हेक्टेयर **1-3** टन अनाज उत्पादित करती हैं। निम्न परिपक्वता अवधि के साथ उच्च पैदावार किसानों को साल भर में चावल की दो फसलें उगाने में सक्षम बनाती है।
- ↳ यह धान की पहली किस्म थी जिसे कीटों और बीमारियों के व्यापक समूह के खिलाफ प्रतिरोध प्रदान करने हेतु छह देशों की **14** देशी प्रजातियों और एक जंगली की प्रजाति के जीनों को शामिल करके विकसित किया गया था।

IR64

- ↳ इसे वर्ष **1985** में प्रस्तुत किया गया और **1990** के दशक के अंत में **10** मिलियन हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में लगाया गया।
- ↳ **IR36** की तुलना में कीटों तथा रोगों के खिलाफ अधिक प्रतिरोधकता साथ ही उच्च पैदावार। इसे आठ देशों की धान प्रजातियों के **20** जीनों को शामिल कर विकसित किया गया।
- ↳ बनावट और स्वादिष्टता के मामले में अनाज की गुणवत्ता में अधिक सुधार के साथ ही राइस मिलिंग रिकवरी भी उच्च।



अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (IRRI) में खुश

की टीम ने **328** लाइनों पर काम किया और

1967 से **2002** के बीच **75** देशों में **643**

किस्मों को प्रस्तुत किया।

वर्ष **2002** में विश्वभर में चावल/धान क्षेत्र के

लगभग **60%** हिस्से में IRRI द्वारा विकसित

धन की किस्मों को लगाया गया था, जिसके

परिणामस्वरूप चावल के उत्पादन में **2.3** गुना से

अधिक वृद्धि हुई।





दिल्लीः यमुना नदी में जहरीला झाग

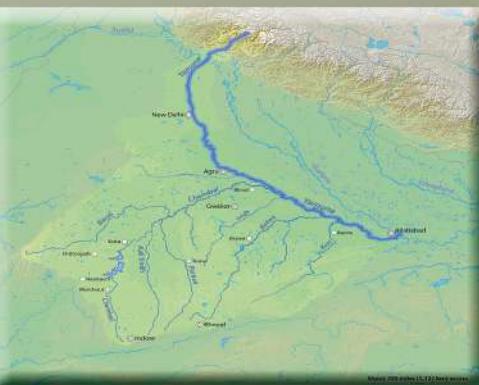
हर साल जैसे ही सर्दी आती है, झाग की मोटी चादरें यमुना को ढक देती हैं। अगर इसका सेवन किया जाए या छुआ जाए तो यह झाग प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।

झाग क्या है?

जब कार्बनिक पदार्थ विशिष्ट हो जाते हैं तो झाग (Foam) के बुलबुले उत्पन्न होते हैं। झाग बनाने वाले इन अणुओं का एक सिरा ऐसा हात है जो जल को प्रतिक्रियित करता है और दूसरा जल को आकर्षित करता है। वे जल की सतह पर पृष्ठ तनाव को कम करने का काम करते हैं। ये झाग के बुलबुले जल की तुलना में हल्के होते हैं, इसलिये सतह पर एक पतली फिल्म/डिल्सी के रूप में तैरते हैं जो धीरे-धीरे एकत्रित हो जाते हैं।

स्वास्थ्य को खतरा

- ❖ अल्पकालिक समय तक इसके संपर्क में रहने से त्वचा की जलन और एलर्जी हो सकती है।
- ❖ इसके अंतर्धृण से गैस्ट्रोइटेस्टाइनल (जठरांत्र संबंधी) समस्याएं और टाइफाइड जैसे रोग हो सकते हैं।
- ❖ लंबे समय तक एक्सपोजर न्यूरोलॉजिकल मुद्दों और हामोनल असंतुलन का कारण बन सकता है।
- ❖ लंबे समय तक इसके संपर्क में रहना न्यूरोलॉजिकल समस्यायों और हामोन संबंधी असंतुलन का कारण बन सकता है।



यमुना को प्रदूषित करने वाले पदार्थ:

- ❖ वायोकेमिकल ऑक्सीजन मात्रा मानक: 3 मिलीग्राम/लीटर या उससे कम
 - + वायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड एरोबिक वैकटीरिया द्वारा अपघटन की प्रक्रिया में जल से अपशिष्ट कार्बनिक पदार्थ को हटाने के लिये आवश्यक ऑक्सीजन की मात्रा का एक उपयोग है।
- ❖ धूलित ऑक्सीजन मात्रा मानक: 5 मिलीग्राम/लीटर या अधिक
 - + यह जल में धूलित ऑक्सीजन की वह मात्रा है जो जलीय जीवों के श्वसन या जीवित रहने के लिये आवश्यक होती है।
- ❖ मान घंटवी को-ऑक्सीजन मानक: 500-1,000 मिलीलीटर
 - + मान संबंधी को-ऑक्सीजन: ये ऐसे जीवाणु हैं जिनका उपयोग आपत्तीर पर अपशिष्ट जल उपचार संबंधों से रोगजनकों को हटाने की निगरानी के लिये किया जाता है।

यमुना के झाग की चादर बनाने के कारण:

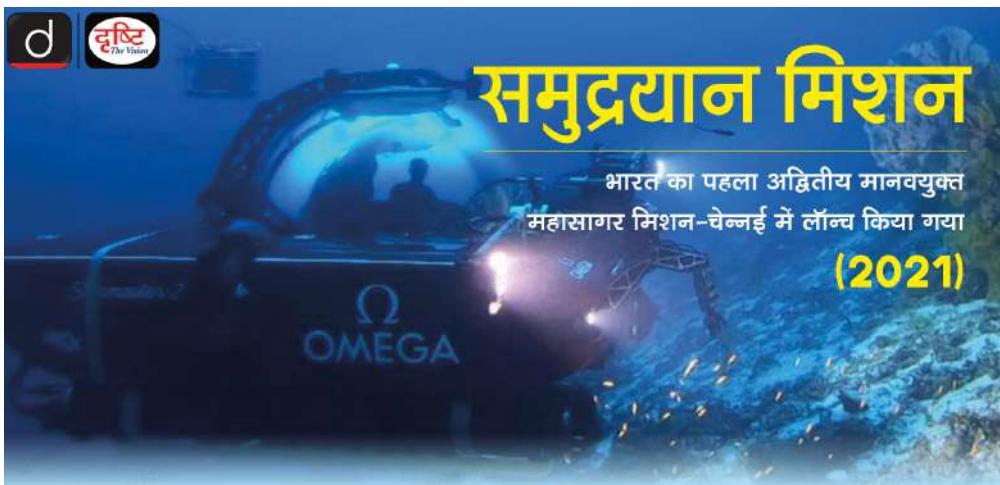
- ❖ अनुपचारित सीवेज में साबुन/डिटर्गेंट के कण हो सकते हैं।
- ❖ औद्योगिक अपवाह
- ❖ बनस्पति के विषटन से कार्बनिक पदार्थ
- ❖ फिलमेंट्स बैक्टीरिया की उपस्थिति जो सफेंकेंट अणुओं को बाहर निकालती है
- ❖ लंतुमप (Filamentous) जीवाणु की उपस्थिति जो पृष्ठ सक्रियक अणुओं को बाहर निकालती है।
- ❖ उत्तर प्रदेश में चौनी और कागज उद्योगों के प्रदूषक जो हिंडन नहर के माध्यम से अपवाहित होते हैं।

झाग को कैसे रोका जा सकता है?

- ❖ अल्पावधि में
 - * ओखला तालाब को जलकुंभी से मुक्त करके।
 - * डिटर्जेंट जैवनियोकरण योग्य होने चाहिये ताकि उनकी झाग बनाने की क्षमता समाप्त हो सके।
- ❖ दीर्घावधि में
 - * उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली को सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को अपग्रेड करने की आवश्यकता है।
 - * औद्योगिक प्रदूषण को रोकना
 - * नदी के प्रवाह में वृद्धि

यमुना नदी

- ❖ लंबाई: 1376 किमी।
- ❖ उद्गम: यह गंगा नदी की एक प्रमुख सहायक नदी है जो उत्तराखण्ड के उत्तरकाशी उपरियोग से निकलती है।
- ❖ देशिन: यह उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली से बहने के बावर प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में संगम (जहाँ कुंभ मेला आयोजित किया जाता है) में गंगा नदी से मिलती है।
- ❖ महत्वपूर्ण बांध: लखवाड़ी-ब्यासी बांध (उत्तराखण्ड), ताजेवाला बैराज बांध (हरियाणा) आदि।
- ❖ महत्वपूर्ण सहायक नदियाँ: चंबल, सिंध, बेतवा और केन।



समुद्रयान मिशन

भारत का पहला अधितीय मानवयुक्त
महासागर मिशन-चेन्जर्ड में लॉन्च किया गया

(2021)

⛵ नोडल मंत्रालय

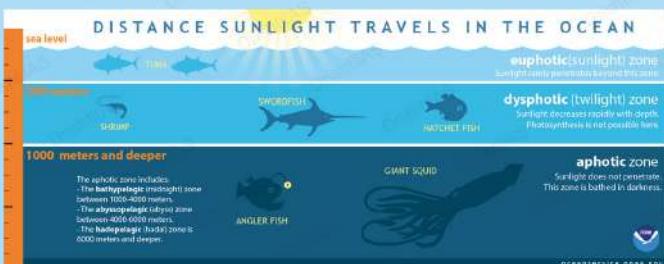
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

⛵ नोडल मिशन

डीप ओशन मिशन (जून 2021)- ब्लू
इकॉनॉमी से संबंधित पहलों को सपोर्ट करने
के लिये

उद्देश्य

- स्व-चालित, मानवयुक्त सबमर्सिबल वाहन-MATSYA 6000 (स्वदेशी रूप से विकसित) में 6000 मीटर की गहराई तक 3 व्यक्तियों को भेजेना
- गहरे समुद्र में अन्वेषण और दुर्लभ खनियों का खनन



डीप ओशन-आमतौर पर इसे उस गहराई के रूप में परिभाषित किया जाता है जिस पर प्रकाश कम होने लगता है, आमतौर पर यह गहराई लगभग 200 मीटर होती है

⛵ भारत के लिये महत्त्व

- गहरे समुद्र में मिशन करने वाला पहला विकासशील देश
- समुद्री गतिविधियों को पूरा करने के लिये आला तकनीक और वाहन रखने वाले राष्ट्रों के कुलीन बलब (अमेरिका, रूस, फ्रांस, जापान और चीन) में शामिल
- महासागरीय साक्षरता को बढ़ावा देना; समुद्र के अंदर इंजीनियरिंग नवाचार

⛵ ब्लू इकॉनॉमी के लिये भारत का महासागरीय लिंक

- समुद्र तट: ~ 7,516 कि.मी
- तटीय राज्य: 28 में से 9
- कुल द्वीप: 1,382
- बंदरगाह: 200+ (13 प्रमुख बंदरगाहों सहित)
- अन्य आर्थिक क्षेत्र: 2 मिलियन+ km²

- बंदरगाहों द्वारा संभाला जाने वाले कार्गो: ~1,400 मिलियन टन (वार्षिक)
- तटीय अर्थव्यवस्था: 4 मिलियन से अधिक मछुआरे और तटीय समुदाय

2021-2030-सतत विकास हेतु महासागर विज्ञान दशक (UN द्वारा घोषित)



सत्रिया नृत्य (असम)



- ❖ प्रस्तुति: 15वीं शताब्दी में श्रीमंत शंकरदेव द्वारा।
- ❖ आधार: वैष्णव आस्था।
- ❖ स्रोत: 'सत्र' (वैष्णव मठ)।
- ❖ विष्णु की पौराणिक कथाओं का समावेश होता है।
- ❖ नाट्य शास्त्र (भरत मुनि) में वर्णित है।
- ❖ प्रेरणा: भक्ति आंदोलन।
- ❖ शास्त्रीय नृत्य के रूप में मान्यता: वर्ष 2000 में।
- ❖ पुरुष भिक्षुओं द्वारा समूह में किया जाता है जिसे 'भोकोट' के नाम से जाना जाता है।
- ❖ **वाद्ययंत्र:**
 - ❖ ढोल
 - ❖ झाँझ (मंजीरा)
 - ❖ बाँसुरी



अंकिया नाट



वेशभूषा:

- ❖ पुरुष नर्तक
 - ❖ धोती
 - ❖ पगड़ी
- ❖ महिला नर्तक:
 - ❖ पारंपरिक असमिया आभूषण
 - ❖ घुरी (Ghuri)
 - ❖ चादोर (बींकवत)

आधुनिक समय में सत्रिया की दो अलग-अलग धाराएँ:

- ❖ गायन वायनार नाच।
- ❖ खरमार ना

संविधान के ख्रोत

भारत शासन अधिनियम 1935

- ❖ संघीय तंत्र
- ❖ राज्यपाल का कार्यालय
- ❖ न्यायपालिका
- ❖ लोक सेवा आयोग
- ❖ आपातकालीन उपबंध
- ❖ प्रशासनिक विवरण



संयुक्त राज्य अमेरिका का संविधान

- ❖ मूल अधिकार
- ❖ न्यायपालिका की स्वतंत्रता
- ❖ न्यायिक पुरावलोकन का सिद्धांत
- ❖ उप-राष्ट्रपति का पद
- ❖ सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों का पद से हटाया जाना
- ❖ राष्ट्रपति पर महाभियोग



कनाडा का संविधान

- ❖ सशक्त केंद्र के साथ संघीय व्यवस्था
- ❖ अवशिष्ट शक्तियों का केंद्र में निहित होना
- ❖ केंद्र द्वारा राज्य के राज्यपालों की नियुक्ति
- ❖ सर्वोच्च न्यायालय का परामर्शी न्याय निर्णयन



जर्मनी का दीमर संविधान

- ❖ आपातकाल के दौरान मूल अधिकारों का स्थगन



फ्राँस का संविधान

- ❖ गणतंत्रीत्वक
- ❖ प्रस्तावना में स्वतंत्रता, समता और बंधुता के आदर्श



ब्रिटेन का संविधान

- ❖ संसदीय शासन
- ❖ विधि का शासन
- ❖ विधायी प्रक्रिया
- ❖ एकल नागरिकता
- ❖ मंत्रिमंडल प्रणाली
- ❖ परमाधिकार लेख, संसदीय विशेषाधिकार तथा द्विसदनवाद



आयरलैंड का संविधान

- ❖ राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत
- ❖ राष्ट्रपति की निर्वाचन पद्धति
- ❖ राज्यसभा के लिये सदस्यों का नामांकन



ऑस्ट्रेलिया का संविधान

- ❖ समवर्ती सूची
- ❖ व्यापार, वाणिज्य और समागम की स्वतंत्रता
- ❖ संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक



सोवियत संघ (पूर्ववर्ती) का संविधान

- ❖ मूल कर्तव्य
- ❖ प्रस्तावना में न्याय (सामजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक) का आदर्श



दक्षिण अफ्रीका का संविधान

- ❖ संविधान में संशोधन की प्रक्रिया
- ❖ राज्यसभा के सदस्यों का निर्वाचन



जापान का संविधान

- ❖ विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया



उड़ान योजना (उड़े देश का आम नागरिक)

परिचय:



- यह एक क्षेत्रीय संपर्क योजना है।
- इसे वर्ष 2016 में लॉन्च किया गया।
- यह योजना 10 वर्षों की अवधि के लिये परिचालित की गई है।
- उड़ान (UDAN) योजना का विस्तृत रूप "Ude Desh ka Aam Nagrik" है।
- इसे राष्ट्रीय नागर विमानन नीति-2016 के अनुसरण में तैयार किया गया है।
- इसे नागरिक उड़ान मंत्रालय के अंतर्गत क्रियान्वित किया गया।

लाभ:



- विमानन क्षेत्र का लोकतंत्रीकरण।
- रोजगार सृजन।
- पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा।

उड़ान योजना के विभिन्न चरण:



- **उड़ान 1.0:** इस चरण में 70 हवाई अड्डों के लिये 128 उड़ान मार्गों को 5 एयरलाइन कंपनियों को प्रदान किया गया।
- **उड़ान 2.0:** उड़ान योजना के दूसरे चरण के तहत पहली बार हेलीपैड भी योजना से जोड़े गए थे।
- **उड़ान 3.0:** इसमें रूरिस्ट रूट, वाटर एयरोड्रोम को जोड़ने के लिये सीप्लेन और नॉर्थ-ईस्ट कोर्नेक्टिविटी शामिल हैं।
- **उड़ान 4.0:** वर्ष 2020 में उड़ान योजना के चौथे चरण के तहत 78 नए मार्गों के लिये मंजूरी दी गई थी।
- **उड़ान 4.1:** इस चरण में सागरमाला सीप्लेन सेवाओं के तहत नए रूट भी प्रस्तावित किये गए हैं।
- **लाइफलाइन उड़ान:** कोविड-19 के समय में पूरे भारत में मेडिकल कार्गो और आवश्यक आपूर्ति का हवाई परिवहन।
- **कृषि उड़ान:** कृषि उत्पादों के परिवहन में किसानों की सहायता करना
- **अंतरराष्ट्रीय उड़ान:** भारत के छोटे शहरों को कुछ प्रमुख विदेशी गंतव्यों से सीधे जोड़ने के लिये परिचालित किया गया है।

विशेषताएँ

- हवाई सेवा के माध्यम से छोटे और मध्यम शहरों को बड़े शहरों से जोड़ना।
- सस्ती, आर्थिक रूप से व्यवहार्य और लाभदायक हवाई यात्रा प्रदान करना।
- असेवित और कम सेवा वाले हवाई अड्डों से संचालन को प्रोत्साहित करने के लिये चयनित एयरलाइनों को वित्तीय प्रोत्साहन देना।
- कुछ उड़ानों पर लेवी के माध्यम से योजना के वित्तीयन के लिये एक क्षेत्रीय कर्नेक्टिविटी फंड बनाना।





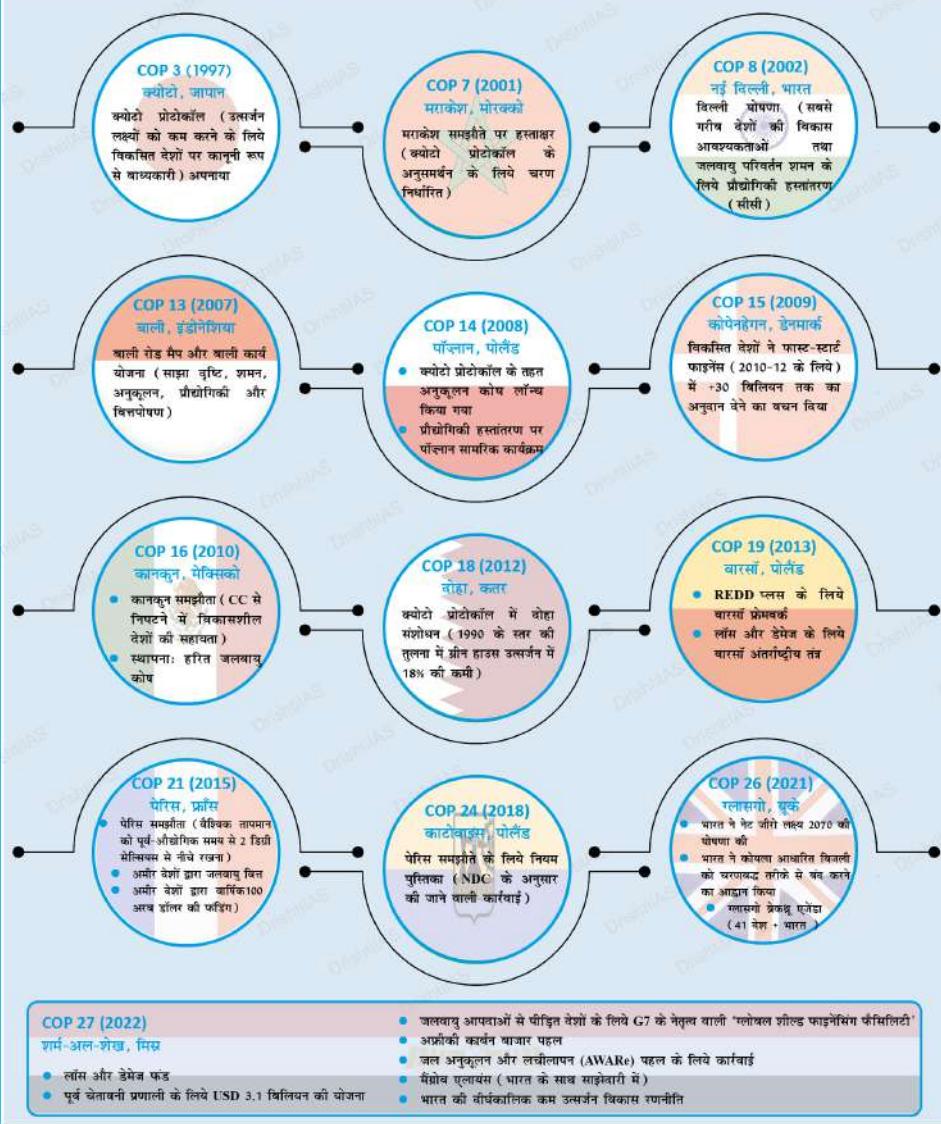
UNFCCC

कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (COP)

कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज़:

- UNFCCC की स्वतंत्र निर्णय लेने वाली संस्था
- प्रत्येक वर्ष कैंप ढार्ता है (जब तक कि पक्षकार अन्यथा निर्णय न ले)
- बौद्ध, साचिवालय में बैठक (जब तक कि कोई पार्टी सब को मेजबानी करने की पेशकश नहीं करती)
- पहला सीओपी- अलिंग, जर्मनी में आयोजित (1995)

COPs और उनके प्रमुख परिणाम



संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UN Security Council-UNSC)

संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बनाए रखने का उच्चरायित्व UNSC में

परिचय

- संयुक्त राष्ट्र के 6 प्रमुख अंगों में से एक; संयुक्त राष्ट्र चार्टर द्वारा 1945 में स्थापित
- मुख्यालय**
- न्यूयार्क सिटी
- पहला सत्र**
- 17 जनवरी, 1946 को चार्च हाउस, वेस्टमिस्टर, न्यूयार्क में
- सदस्यता**
- 15 सदस्य- 5 स्थायी सदस्य (P5), 10 गैर-स्थायी सदस्य दो साल के कार्यकाल के लिये चुने गए (प्रत्येक वर्ष 5 का चुनाव किया जाता है)
- P5 - अमेरिका, फ्रान्स, रूस, फ्रैंस और चीन
- UNSC की अध्यक्षता**
- 15 सदस्यों के बीच प्रत्येक माह आठ-बारों से
- तभी 2022 के लिये भारत की अध्यक्षता- दिसंबर

G4- चार देशों (आजील, जर्मनी, भारत और जापान) का समूह जो UNSC में स्थायी सीटों के लिये एक-दूसरे की दावेदारी का समर्थन कर रहे हैं

मतदान शक्तियाँ

- 1 सदस्य = 1 मतदान
- P5 देशों को बीटो शक्ति प्राप्त है बीटो पावर है
- UN के ऐसे सदस्य जो UNSC के सदस्य नहीं हैं, मतदान के अधिकार के बिना इसके सत्र में भाग लेते हैं
- UNSC समितियाँ/प्रस्ताव**
- आतंकवाद:
 - सकल 1373 (आतंकवाद योधी समिति)
 - संकल्प 1267 (दाएश और अल कायदा समिति)
- अप्रसार समिति:
 - संकल्प 1540 (परमाणु, गमायनिक और जैविक हथियारों के विरुद्ध)

भारत और UNSC

- गैर-स्थायी सदस्य के रूप में 7 बार सेवा; 2021-22 में 8वीं बार चुना गया; स्थायी सीट की भाग
- स्थायी सीट के लिये तकः
 - 43 शाति जन
 - मानवाधिकार घोषणा (UDHR) को वैयार करने में सक्रिय भागीदारी
 - भारत की जनसंख्या, क्षेत्रीय आकार, सकल धरेलू उत्पाद, आर्थिक क्षमता, सांस्कृतिक विविधता, गतिजीविक प्रणाली आदि।

UNSC के समव बड़ी चुनौतियाँ

- संयुक्त राष्ट्र के सामान्य नियम UNSC विचार-विमर्शों पर लागू नहीं होते हैं; बैठकों का कोई रिकॉर्ड नहीं रखा गया है
- UNSC में पावरले; P5 को अपावकाशादी बीटो शक्तियाँ
- P5 के बीच महन ध्वनीकरण; लगातार मतभेद प्रमुख निर्णयों को अवरुद्ध करता है
- विश्व के कई क्षेत्रों का अपवास प्रतिनिधित्व





भारत के उप-राष्ट्रपति

राष्ट्रपति के बाद देश का दूसरा सर्वोच्च पद

उत्पत्ति

इस पद को अमेरिकी उप-राष्ट्रपति की तर्ज पर बनाया गया है।

“इस निर्वाचक मंडल में लोकसभा तथा राज्यसभा के निर्वाचित सदस्य + मनोनीत सदस्य शामिल होते हैं, लेकिन राज्य विधायिकाओं के सदस्य शामिल नहीं होते हैं (राष्ट्रपति चुनाव के लिये निर्वाचक मंडल के विपरीत)।”

“उप-राष्ट्रपति के पद हेतु चुनाव आयोजित कराने की शक्ति भारत निर्वाचन आयोग में निहित है (अनुच्छेद 324)।”

सर्वैधानिक प्रावधान

अनुच्छेद 63-71

निर्वाचन

अप्रत्यक्ष रूप से एक निर्वाचक मंडल द्वारा निर्वाचित

टोगटा

भारत का नागरिक- न्यूनतम आयु
35 वर्ष

प्रथम तथा वर्तमान

उप राष्ट्रपति
डॉ एस राधाकृष्णन; जगदीप धनखड़

कार्यकाल

5 वर्ष; पुनर्नियुक्ति हेतु पात्र

पद रिक्तता

- उप-राष्ट्रपति, राष्ट्रपति को संबोधित कर अपना त्याग-पत्र दे सकता है
- राज्यसभा के सदस्यों (सभी तत्कालीन) के प्रभावी बहुमत तथा लोकसभा के सदस्यों की सहमति (साधारण बहुमत) के आधार पर हटाया जा सकता है
 - ▶ इसे हटाए जाने का प्रस्ताव केवल राज्यसभा में प्रस्तुत किया जाता है
- संविधान में इसे पद से हटाने के संबंध में किसी आधार का उल्लेख नहीं किया गया है

शक्तियाँ

- राज्यसभा का पदेन अध्यक्ष- शक्तियाँ एवं कार्य लोकसभा अध्यक्ष के समान
- कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में (अधिकतम 6 माह)- जब भी राष्ट्रपति का पद रिक्त हो

“यह अमेरिकी उप-राष्ट्रपति के पद से भिन्न है क्योंकि अमेरिका का उप-राष्ट्रपति, राष्ट्रपति का पद रिक्त होने की स्थिति में अपने पूर्व राष्ट्रपति के कार्यकाल की शेष अवधि तक उस पद पर बना रहता है।”

“कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करने के दौरान वह राज्यसभा के पदेन अध्यक्ष के रूप में कार्य नहीं करता है।”





वासेनार अर्रेंजमेंट (Wassenaar Arrangement-WA)

पारंपरिक हथियारों और दोहरे उपयोग वाले सामानों एवं प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण पर जानकारी के आदान-प्रदान के लिये

परिचयः

- स्वैच्छिक निर्यात नियंत्रण व्यवस्था जिसे औपचारिक रूप से वर्ष 1996 में स्थापित किया गया
- इसने बहुपक्षीय निर्यात नियंत्रण हेतु स्थापित शीतयुद्धकालीन समन्वय समिति का स्थान लिया

उद्देश्यः

- उन देशों या संस्थाओं के लिये प्रौद्योगिकी, सामग्री या घटकों की आवाजाही को नियंत्रित करना जो अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा और स्थिरता को कमज़ोर करते हैं

सदस्यः

- 42 सदस्य (अधिकांशतः नाटो और यूरोपीय संघ के राज्य)
- UNSC के P5 देश (चीन को छोड़कर) इसके सदस्य हैं

WA में भारत की सदस्यता

- भारत वर्ष 2017 में एक सदस्य के रूप में शामिल हुआ (नवीनतम प्रवेशकर्ता)
- भारत की सदस्यता का तात्पर्य है कि इसे दोहरे उपयोग वाली प्रौद्योगिकी के धारक के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- NPT का गैर-हस्ताक्षरकर्ता होने के नाते भारत के लिये परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (NSG) में प्रवेश करने हेतु WA की सदस्यता महत्त्वपूर्ण है।

साविवालय

- ▶ वियना, ऑस्ट्रिया

WA प्लेनरी

- ▶ निर्यातकारी निकाय जिसमें सभी भागीदार देशों के प्रतिनिधियों शामिल हैं
- ▶ प्लेनरी की अध्यक्षता वार्षिक आधार पर परिवर्तित होती रहती है; भारत की अध्यक्षता 1 जनवरी, 2023 से शुरू होगी



अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ENSO)

ENSO

- पूर्व-मध्य भूमध्यरेखीय प्रशांत में महासागर और वायुमंडल के बीच तापमान में उत्तर-चढ़ाव का वर्णन करता है

महत्व

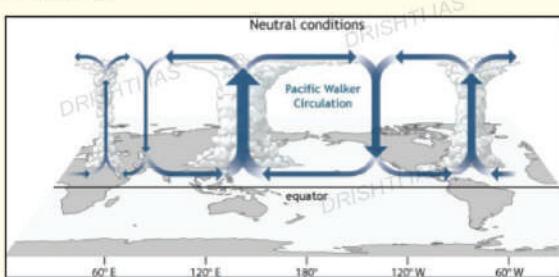
- वैश्विक वायुमंडलीय परिसंचरण को बदलने की क्षमता, दुनिया भर में तापमान और वर्षा को प्रभावित करती है

ENSO के चरण

- दो विपरीत चरण - अल नीनो और ला नीना
- निरंतरता का मध्य - तटस्थ

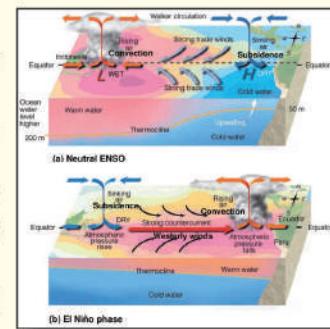
वॉर्कर परिसंचरण (WC)

- भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में वायु प्रवाह की एक वायुमंडलीय प्रणाली
 - उष्णकटिबंधीय प्रशांत में व्यापारिक हवाएँ पूर्व से पश्चिम की ओर बहती हैं: हवा पश्चिमी प्रशांत के गर्म पानी से ऊपर उठती है तथा ऊँचाई पर पूर्व की ओर बहती है और पूर्वी प्रशांत पर इसका अवरोहण होता है
- WC और ENSO:
 - एक कमजोर/रिवर्स WC एल नीनो उत्पन्न करता है
 - ला नीना मजबूत WC का परिणाम है



प्रशांत महासागर में सामान्य (गैर ENSO) स्थितियाँ

- व्यापारिक हवाएँ (पूर्वी हवाएँ) भूमध्य रेखा के साथ पश्चिम की ओर बहती हैं, जो दक्षिण अमेरिका से एशिया की ओर गर्म पानी को लेकर आती है।
- उस गर्म पानी को प्रतिस्थापित करने के लिए, ठंडा पानी गहराई से ऊपर की ओर आता है, जिसे अपवेलिंग कहते हैं
 - अल नीनो और ला नीना दो जलवायु पैटर्न हैं जो इन सामान्य स्थितियों को विवरम देते हैं।
 - अल नीनो के दौरान, समुद्र में दबाव पूर्वी प्रशांत में कम और पश्चिमी प्रशांत में अधिक होता है जबकि ला नीना के दौरान विपरीत होता है।
 - पूर्वी और पश्चिमी उष्णकटिबंधीय प्रशांत के बीच वायुमंडलीय दबाव में इस दृश्य को दक्षिणी दोलन (SO) कहा जाता है।



परमाणु हथियारों के खिलाफ संधियाँ

भाग- I

परमाणु हथियार

- ◆ पृथ्वी पर सबसे खतरनाक हथियार; एक ऐसा बम या मिसाइल जिसमें विस्फोट के लिये परमाणु ऊर्जा का उपयोग किया जा सकता है।
- ◆ परमाणु हथियार या तो परमाणु विखंडन (परमाणु बम) या परमाणु संलयन (हाइड्रोजन बम) द्वारा ऊर्जा निर्मुक्त जारी करते हैं।
- ◆ केवल एक परमाणु हथियार भी इतना शक्तिशाली होता है कि वह एक पूरे शहर को नष्ट करने, संभावित रूप से लाखों लोगों को मारने, प्राकृतिक पर्यावरण और भविष्य की पीढ़ियों के जीवन को खतरे में डालने की क्षमता रखता है।
- ◆ द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान वर्ष 1945 में अमेरिका द्वारा पहली और आखिरी बार इनका इस्तेमाल हिरोशिमा और नागासाकी पर किया था।

परमाणु हथियार अप्रसार संधि (NPT 1970)

- ◆ उद्देश्य
 - ❖ परमाणु हथियारों और इसकी तकनीक के प्रसार को रोकना
 - ❖ परमाणु ऊर्जा के शार्तपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देना
 - ❖ परमाणु निरस्त्रीकरण के लक्ष्य को आगे बढ़ाने
- ◆ सदस्य देश
 - ❖ सदस्यों की संख्या 191 जिसमें पाँच परमाणु हथियार संपन्न देश (NWS) - अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन भी शामिल हैं
- ◆ परमाणु हथियार संपन्न देश
 - ❖ जिन्होंने 1 जनवरी, 1967 से पहले परमाणु हथियार या परमाणु विस्फोटक उपकरण का निर्माण और विस्फोट किया
- ◆ महत्त्व
 - ❖ परमाणु संपन्न देशों द्वारा निरस्त्रीकरण के लक्ष्य के लिये एकमात्र बाध्यकारी संधि
- ◆ भारत और परमाणु अप्रसार संधि
 - ❖ भारत (पाकिस्तान, इजराइल, उत्तर कोरिया और दक्षिण सूडान के साथ) सदस्य नहीं हैं
 - ❖ भारत एक भेदभावपूर्ण नीति के रूप में इसका विरोध करता है
 - ❖ भारत की नीति - परमाणु हथियार संपन्न देशों के खिलाफ पहले उपयोग नहीं और गैर-परमाणु संपन्न देशों के खिलाफ कोई उपयोग नहीं (No First Use against NWS and no use against non-NWS)
- ◆ NPT समीक्षा सम्मेलन
 - ❖ संधि के कार्यान्वयन की पंचवर्षीय समीक्षा करता है



वायु प्रदूषण

सल्फर डाइऑक्साइड (SO_2)

परिचय

यह जीवाशम ईधन (तेल, कोयला और प्राकृतिक गैस) के उपभोग से उत्पन्न होता है तथा जल के साथ अभिक्रिया कर अम्ल वर्षा करता है।

प्रभाव

श्वास संबंधी समस्याओं का कारण बनता है

ओजोन (O_3)

परिचय

सूर्य के प्रकाश में अभिक्रिया के तहत अन्य प्रदूषकों (NO_x और VOC) से बनने वाला द्वितीयक प्रदूषक।

प्रभाव

आँख और श्वसन संबंधी श्लेष्म झिल्ली में जलन होना तथा अस्थमा के दौरे।

नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (NO_2)

परिचय

यह तब बनता है जब नाइट्रोजन ऑक्साइड (NO) और अन्य नाइट्रोजन ऑक्साइड (नाइट्रस एसिड और नाइट्रिक एसिड) हवा में अन्य रसायनों के साथ प्रतिक्रिया करते हैं।

प्रभाव

श्वसन रोग साथ ही यह अस्थमा को भी बढ़ा सकता है।

कार्बन मोनो ऑक्साइड (CO)

परिचय

यह कार्बन युक्त यौगिकों के अभूते दहन से प्राप्त एक उत्पाद है।

प्रभाव

मस्तिष्क तक ऑक्सीजन की अपर्याप्ति पहुँच के कारण थकान होना, भ्रम की स्थिति पैदा होना और चक्कर आना।

कणिका पदार्थ/पार्टिकुलेट मैटर (PM)

PM10: ऐसे कण जो श्वास के माध्यम से शरीर में प्रवेश करते हैं, इनका सामान्यतः 10 मिमी या उससे भी कम होता है।

PM2.5: ऐसे सूक्ष्म कण जो श्वास के माध्यम से शरीर में प्रवेश करते हैं, इनका आकार सामान्यतः 2.5 मिमी या उससे भी छोटा होता है।

झोत: ये इनके उत्पार्जन निर्माण स्थलों, कच्ची सड़कों, खेतों/मैदानों तथा आग से उत्पर्जित होते हैं।

प्रभाव: हृदय की धड़कनों का अनियमित होना, अस्थमा का और गंभीर हो जाना तथा फेफड़ों की कार्यक्षमता में कमी।

शीशा/लेड (Pb)

परिचय

चांदी, प्लैटिनम और लोहे जैसी धातुओं के निष्कर्षण के दौरान अपने संबंधित अयस्कों से अपशिष्ट उत्पाद के रूप में मुक्त होता है।

प्रभाव

एनीमिया, कमजोरी और गुरुत्व तथा मस्तिष्क की क्षति।

अमोनिया (NH_3)

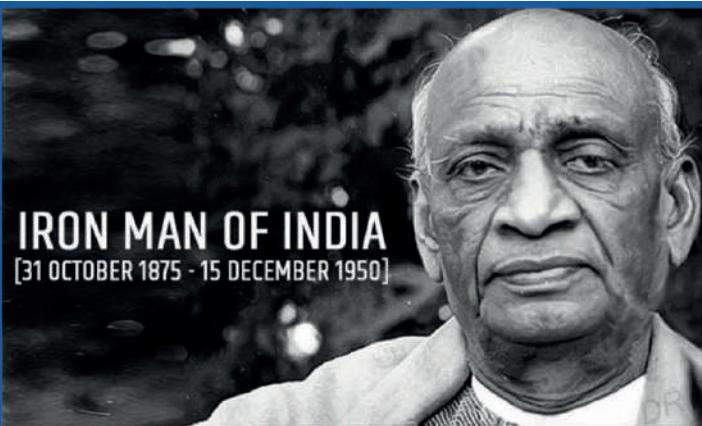
परिचय

अमीनो एसिड और अन्य यौगिकों के चयापचय द्वारा उत्पादित जिनमें नाइट्रोजन उपस्थित होता है।

प्रभाव

आँखों, नाक, गले और श्वसन मार्ग में तुरंत जलन और इसके परिणामस्वरूप अंधापन, फेफड़ों की क्षति हो सकती है।

नोट: इन प्रमुख वायु प्रदूषकों को वायु गुणवत्ता सूचकांक में शामिल किया गया है जिसके लिये अल्पकालिक राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक निर्धारित किये गए हैं।



सरदार वल्लभ भाई पटेल

परिचय

- ◆ भारत के पहले गृहमंत्री तथा उप-प्रधानमंत्री
- ◆ बांदोली की महिलाओं द्वारा 'सरदार' की उपाधि दी गई

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का दृष्टिकोण

- ◆ इनके जन्मदिन को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- ◆ इनकी स्मृति में गुजरात में वर्ष 2018 में 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' का अनावरण किया गया।

संविधान सभा की समितियाँ जिनकी अध्यक्षता सरदार वल्लभ भाई पटेल ने की

- ◆ मूल अधिकारों पर सलाहकार समिति
- ◆ अल्पसंख्यकों और जनजातीय एवं वंचित क्षेत्रों पर समिति
- ◆ प्रांतीय गठन समिति

प्रमुख योगदान

- ◆ खेड़ा (1918) तथा बांदोली (1928) आंदोलनों को राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के साथ एकीकृत किया।
- ◆ कॉन्ग्रेस के 46 वें अधिवेशन (मार्च 1931) की अध्यक्षता करते हुए गांधी-इरविन समझौते की पुष्टि का आहवान किया।
- ◆ इन्हें 'भारत के सिविल सेवकों के संरक्षक संत' के रूप में याद किया जाता है क्योंकि इन्होंने आधुनिक अखिल भारतीय सेवा प्रणाली की स्थापना की।
- ◆ इन्होंने लगभग 565 देशी रियासतों का भारतीय संघ में विलय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसके चलते इन्हें 'भारत का लौह पुरुष' के रूप में जाना गया।